खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | मंगलवार, 17 सितंबर, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-6 | अंक-259

Jai Mata Di

Rangtaali

Season III

Date
4th - 12th
October, 2024

Venue
Classic Convention III
Shamshabad

Season III

A/C - Convention Hall
Ample Car Parking
Mata Ka Darbar
Scrumptious Food Stall
Traditional Garbha
Non Stop Dandiya

Navaratri Manotsav

Organised by:

शुभ लाभ (खबरें जो सोच बदल दे, हिन्दी दैनिक समाचार पत्र)
Fifth Avenue Event Management

EVENT SUPPORTED BY

Agarwal Samaj Telangana
The Gujarati Social Welfare Society TGSWS Estd : 1984 — Jignesh Doshi
Shri Govind Rathi
HPRC Hyderabad Polo and Riding Club
TCEI Telangana Chamber of Events Industry (A Registered Non-Profit Organisation)

Hospitality Partner: Creative
Decor by: Tanveer Singh Gujral
Fm Partner: fever — Happening Hai
Digital Partner: lantrn — Everything is Reachable

CO SPONSOR

Kabra Tyres Marketing

Music by:

Dharmendra Vasant Presents Beat Makers

ASSOCIATE SPONSOR

DRS International School — Strive to Surpass — IB World School
Baheti Steel Traders
DIIL TMT 550HD Steel Bars
"LaBelina" de salon
Private Eye — Aapki Teesari Aankh...
MPL Steel Pipes — Issi par hai bharosa
Rockraft
Agrawala sweets · namkeens · bakes — Adding sweetness to your life
unwrap happiness
Jagdamba Pearls & Gems
Deevyashakti Realty

COMITTEE

Mayur Agarwal, Ashish Sharma, Sharan Kandala, Nisha Agarwal, Bharath Tayal, Bhavesh Tayal, Prathiyodh Agarwal, Lokesh Agarwal, Mohit Agarwal Atif, Jigna Mehta, Sai Goud, Kaushik Ram, Komal Sharma, Tripti, Krishna Rathi, Ritesh Modi

For Sponsorship/Stalls Booking

+91 70930 06177, +91 98853 00500, +91 9704404477, +91 8121928934

बांग्लादेश में दो पूर्व मंत्री समेत चार गिरफ्तार

ढाका, 16 सितंबर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के पतन के बाद बांग्लादेश अवामी लीग के नेताओं की धरपकड़ जारी है। ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस की जासूसी शाखा ने कल रात राजधानी से पूर्व संस्कृति मंत्री असदुज्जमां नूर और पूर्व नागरिक उड्डयन और पर्यटन राज्यमंत्री महबूब अली को गिरफ्तार कर लिया।

ढाका से छपने वाले बांग्ला अखबार (अंग्रेजी संस्करण) प्रोथोम अलो की खबर के अनुसार, रविवार रात असदुज्जमां नूर को बेली रोड से और महबूब को सेगुनबागीचा इलाके से गिरफ्तार किया गया।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त रेजाउल करीम मलिक ने कहा कि असदुज्जमां नूर को मीरपुर पुलिस स्टेशन में दर्ज हत्या के एक मामले में रात करीब 11: 00 बजे गिरफ्तार किया गया। उन्हें आज कोर्ट में पेश किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि असदुज्जमां ने 2001 से संसद में अवामी लीग का प्रतिनिधित्व किया। हाल ही में 12वें संसदीय चुनाव में उन्हें निलफामारी-2 के लिए संसद सदस्य के रूप में चुना गया।

नूर ने 2014 में संस्कृति मंत्री की भूमिका निभाई। महबूब अली 2014 और 2018 में दो बार हबीगंज-2 से अवामी लीग के लिए संसद सदस्य चुने गए। पुलिस उपायुक्त मोहम्मद तालेबुर रहमान ने कहा कि महबूब अली को जतराबारी पुलिस स्टेशन में दर्ज हत्या के एक मामले में गिरफ्तार किया गया।

प्रोथोम अलो के अनुसार, पांच अगस्त को छात्र-जन विद्रोह में अवामी लीग सरकार के पतन के बाद से अब तक कम से कम 27 पूर्व मंत्रियों, संसद सदस्यों और पार्टी के शीर्ष नेताओं को गिरफ्तार किया जा चुका है। बांग्लादेश के ही समाचार पत्र द डेली स्टार ने बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश के कानूनी और मीडिया विंग के निदेशक लेफ्टिनेंट कर्नल मुनीम फेडौस के हवाले से राजशाही-4 के पूर्व विधायक इनामुल हक को आज ढाका के अदबोर इलाके से गिरफ्तार करने की खबर दी है।

उन्हें पांच अगस्त को राजशाही में सरकार विरोधी प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों पर हमले को लेकर बाघमारा पुलिस स्टेशन में दर्ज मामले में गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा मदारीपुर जिला अवामी लीग के अध्यक्ष शहाबुद्दीन अहमद को भी बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश ने कुमिला में बिबीर बाजार सीमा से गिरफ्तार किया है।

न्यूज ब्रीफ

फजलुर रहमान को भरोसे में न लेने पर नवाज शरीफ सरकार से नाराज

इस्लामाबाद। पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) के अध्यक्ष नवाज शरीफ ने संवैधानिक संशोधन के संबंध में अपनी सरकार की रणनीति पर नाराजगी व्यक्त की है। वह रविवार को लाहौर से इस्लामाबाद पहुंचे। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने उनकी राष्ट्रपति जरदारी और जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम (फजल) के नेता मौलाना फजलुर रहमान के साथ मुलाकात भी तय कराई। बावजूद इसके नवाज ने दोनों से मुलाकात नहीं की। आज वह लाहौर पहुंच गए। खबर में कहा है कि नवाज शरीफ ने कहा है कि सरकार को संशोधन पर आगे बढ़ने से पहले फजलुर रहमान को विश्वास में लेना चाहिए था। जियो न्यूज ने इस घटनाक्रम पर कहा है कि संभवत: नवाज शरीफ की नाराजगी के मद्देनजर ही आज दोपहर साढ़े 12 बजे विभिन्न नेताओं ने मौलाना फजलुर रहमान से मुलाकात की। इस राजनीतिक घटनाक्रम के केंद्र में दक्षिणपंथी नेता और मौलाना फजलुर रहमान का इस्लामाबाद स्थित आवास आ गया है। रविवार देररात उनसे मिलने प्रमुख राजनीतिक हस्तियां पहुंचीं। इनमें अवाम पाकिस्तान पार्टी के प्रमुख शाहिद खाकन अब्बासी, मिफ्ताह इस्माइल, बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती, पूर्व कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवारुल हक कक्कड़, अब्दुल गफूर हैदरी और कामरान मुर्तजा प्रमुख हैं।

ओली सरकार का घटक दल नेपाली कांग्रेस चीन की नीति से खफा

काठमांडू। नेपाल की केपी ओली सरकार का घटक दल नेपाली कांग्रेस चीन की नीति से खफा है।

नेपाली कांग्रेस के महामंत्री गगन थापा ने चीन की नेपाल नीति की तीखी आलोचना की है। एक पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में सोमवार को थापा ने कहा कि नेपाल पर चीन की नीति उनकी समझ से परे है। उन्होंने आरोप लगाया कि नेपालआने वाला चीन का हर सरकारी प्रतिनिधिमंडल दो तरह की बात करता है। बीजिंग से आने वाला चीन का राजदूत हो या प्रतिनिधिमंडल जब वह गैर वामपंथी दलों से मिलता है तो नेपाल के सभी राजनीतिक दलों से बराबर का संबंध होने की दुहाई देता है। जब वामपंथी दलों से मिलता है तो तुरंत वाम एकता की बात करता है। सभी कम्युनिस्ट दलों को मिलाकर एक दल बनाने का दबाव बनाता है। नेपाली कांग्रेस के महामंत्री ने कहा कि चीन यह विदेश नीति समझ से परे है। नेपाल के आंतरिक मामले में वह सीधा हस्तक्षेप करता है। वामपंथी दलों की सरकार बनने पर चीन खुलकर समर्थन करता है । हरसंभव मदद देने की बात करता है। दूसरी पार्टी की सरकार बनती है तो रवैया बदल लेता है।इस मौके पर लेखक एवं वरिष्ठ पत्रकार सुधीर शर्मा ने कहा कि नेपाल की आंतरिक राजनीति में बढ़ता चीन का हस्तक्षेप किसी भी कोण से नेपाल के हित में नहीं है। अगर नेपाल ने इसका विरोध नहीं किया तो वह दिन दूर नहीं जब नेपाल में कोई अमेरिका समर्थक पार्टी होगी तो कोई भारत समर्थक।

चीन के शंघाई में तूफान बेबिनका की दस्तक, फ्लाइट्स रद्द, रेलगाड़ी, स्कूल-कॉलेज बंद, तटीय क्षेत्र खाली कराया गया

बीजिंग। चीन के सबसे बड़े औद्योगिक शहर शंघाई में इस साल का 13वां तूफान बेबिनका दस्तक दे चुका है । आज सुबह साढ़े सात बजे चली तेज हवा से कई जगह पुराने वृक्ष उखड़ गए। चीन के सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, इसका प्रभाव पुडोंग जिले के लिंगांग क्षेत्र में नजर आया। हवाई, रेल और बस सेवा को रद्द कर दिया गया। स्कूल-कॉलेजों में छुट्टी कर दी गई है। शंघाई केंद्रीय मौसम विज्ञान वेधशाला का कहना है कि बेबिनका 75 वर्ष के इतिहास में शंघाई में आया सबसे शक्तिशाली तूफान है। ग्लोबल टाइम्स के अनुसार, शनिवार रात को आए तूफान के आज पूर्वी चीन के जियांग्सू प्रांत के किदोंग के उत्तर और पूर्वी चीन के झेजियांग प्रांत के निंगबो के दक्षिण के इलाकों के बीच टकराने की आशंका है। रविवार रात आठ बजे शंघाई के दोनों हवाई अड्डों से उड़ानें रद्द कर दी गईं। छह सब-वे लाइनें और अन्य नौ सब-वे लाइनों के फ्लाई-ओवर खंड में आज परिचालन बंद रहेगा। शंघाई से जुड़ने वाले कई राजमार्गों को रविवार रात 10 बजे बंद कर दिया गया। यांग्त्जी नदी डेल्टा के पार चलने वाली कुछ ट्रेनों को निलंबित कर दिया गया है। शंघाई डिज्नी रिजॉर्ट भी आज बंद रहेगा।

बांग्लादेश का अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल से आग्रह-रोहिंग्या संकट का समाधान खोजा जाए

ढाका, 16 सितंबर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश ने संयुक्त राज्य अमेरिका से कहा है कि रोहिंग्या संकट का समाधान करना जरूरी है। बांग्लादेश ने स्थायी समाधान खोजने के लिए मूल कारण को जानने पर जोर दिया है। बांग्लादेश के विदेश सचिव मोहम्मद जशीमुद्दीन ने रविवार को दौरे पर पहुंचे अमेरिकी उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक करने के बाद राज्य अतिथि गृह पद्मा में देररात संवाददाताओं को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया, हमने उनसे कहा कि इस मुद्दे को हल किया जाना चाहिए। हमने मूल कारण को तलाशने पर पर जोर दिया। जशीमुद्दी ने कहा कि रोहिंग्या संकट पर अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल ने बांग्लादेश की भूमिका की सराहना की है।

बांग्लादेश ने हालिया घटनाक्रम पर अमेरिकियों का ध्यान आकर्षित किया। हाल ही में 8,000 से अधिक रोहिंग्याओं ने बांग्लादेश में प्रवेश किया है। बांग्लादेश में पहले से ही कॉक्स बाजार और भासन चार में 1.2 मिलियन से अधिक रोहिंग्या रह रहे हैं। बांग्लादेश के विदेश सचिव ने अमेरिकी ट्रेजरी विभाग में अंतरराष्ट्रीय वित्त के सहायक सचिव ब्रेंट नीमन के नेतृत्व में छह सदस्यीय अंतर-एजेंसी अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल, अमेरिकी विदेश विभाग के दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के ब्यूरो के सहायक सचिव डोनाल्ड लू के साथ मुलाकात की। इस दौरान पद्मा नदी और द्विपक्षीय हित के मुद्दों पर चर्चा हुई। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल में सहायक अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि ब्रैंडन लिंच और यूएसएआईडी की उप सहायक प्रशासक अंजलि कौर भी शामिल थीं। विदेश सचिव ने कहा कि बांग्लादेश ने अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल को विभिन्न सुधारों पर अंतरिम सरकार द्वारा पहले ही उठाए गए कदमों की जानकारी दी। वित्तीय क्षेत्र और राजस्व सुधार, मुद्रा प्रबंधन, व्यापार और निवेश, जलवायु परिवर्तन, कानून प्रवर्तन सुधार और रोहिंग्या मानवीय प्रतिक्रिया सहित प्रमुख मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक में आर्थिक संबंध प्रभाग के सचिव, राष्ट्रीय राजस्व बोर्ड के अध्यक्ष, वाणिज्य सचिव, श्रम और रोजगार मंत्रालय के सचिव के साथ-साथ गृह मंत्रालय और बांग्लादेश बैंक के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इससे पहले, अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य सलाहकार डॉ. मुहम्मद यूनुस, विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन और वित्त सलाहकार डॉ. सालेहुद्दीन अहमद से शिष्टाचार मुलाकात की।

मस्क ने उठाया सवाल बोले- बाइडेन और कमला पर क्यों नहीं होते हमले

पेरिस। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की दूसरी कोशिश के बाद अमेरिकी खुफिया विभाग एफबीआई मामले की जांच कर रही है। एजेंसी ने कंफर्म किया है कि ट्रंप की हत्या का प्रयास किया गया है लेकिन, मकसद अभी अस्पष्ट है। आरोपी गिरफ्तार हो चुका है। उसका पूर्व आपराधिक रिकॉर्ड है। रिपोर्ट है कि आरोपी यूक्रेन समर्थक है और डेमोक्रेटिक पार्टी को सपोर्ट करता है। इस पूरे घटनाक्रम के बीच टेक अरबपति एलन मस्क ने विवादास्पद सोशल मीडिया पोस्ट से सनसनी मचा दी है। उन्होंने सवाल किया कि सिर्फ ट्रंप पर ही जानलेवा हमले क्यों हो रहे हैं जो बाइडेन या कमला हैरिस पर हत्या का प्रयास क्यों नहीं किया जा रहा है
टेक अरबपति एलन मस्क ने पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर दूसरे हत्या के प्रयास पर प्रतिक्रिया व्यक्त की है। दरअसल, सोशल मीडिया पर एक एक्स यूजर ने मस्क की पोस्ट पर रिप्लाई किया था कि वे डोनाल्ड ट्रम्प को क्यों मारना चाहते हैं इसका जवाब देते हुए, टेस्ला के सीईओ ने कहा, और कोई भी बाइडेन या कमला हैरिस की हत्या करने की कोशिश नहीं कर रहा है। इस साल जुलाई में मस्क ने आगामी अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों में डोनाल्ड ट्रम्प को अपना समर्थन देने की घोषणा की थी।

इलेक्ट्रिक ट्रक में लगी आग को बुझाने में लग गया 50 हजार गैलन पानी

कैलिफोर्निया, 16 सितंबर।

टेस्ला कंपनी के सेमी ई-ट्रक में आग लग गई। आग को बुझाने में 50 हजार गैलन यानी 1.90 लाख लीटर से ज्यादा पानी लगा। मीडिया रिपोर्ट में इसकी जानकारी अमेरिका के राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड ने दी। ट्रक में आग लगने घटना कैलिफोर्निया के इंटरस्टेट 80 पर लेक ताहो के पश्चिम में हुई। रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रक मोड़ पर सड़क से उतर गया और एक पेड़ से टकरा गया।

एनटीएसबी ने कहा कि आग बुझाने के लिए फायर कर्मियों ने एहतियात के तौर पर पानी के अलावा विमान का भी सहारा लिया जिसके जरिए से अग्निरोधी पदार्थ को आग के ऊपर गिराया गया ताकि आग पर काबू पाया जा सके और आग को फैलने से रोका जा सके।

बता दें 50,000 गैलन पानी 50 फीट लंबा और 24 फीट चौड़ा स्विमिंग पूल के बराबर होता है, जिसकी गहराई 3-8 फीट है। यह औसत घरेलू इनग्राउंड पूल से काफी बड़ा है, जो आमतौर पर 20-40 फीट लंबा और 10-20 फीट चौड़ा होता है। इसके अलावा, फायर डिपार्टमेंट द्वारा इस्तेमाल किया जाने वाले एक सामान्य टैंकर में 3 हजार गैलन पानी आता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि टेस्ला ट्रक, कैलिफोर्निया के लिवरमोर में एक गोदाम से स्पार्क्स, नेवादा स्थित कंपनी की बैटरी को फैक्ट्री में ले जा रहा था। इस घटना के कारण राजमार्ग ढ्ढ-80 का एक हिस्सा करीब 15 घंटे तक बंद रहा। फायर कर्मियों ने बताया कि आग लगने के दौरान बैटरी का तापमान एक हजार फारेनहाइट यानी 540 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था।

बता दें कि जिस सेमी इलेक्ट्रिक ट्रक में आग लगी थी उसका डिजाइन टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने नवंबर 2017 में एक कार्यक्रम के दौरान दुनिया के सामने रखा था। उन्होंने तब वादा किया था कि यह 2020 में बाज़ार में आएगा। हालांकि कंपनी ने अभी भी बड़े पैमाने पर ट्रक बनाना शुरू नहीं किया है।

डोनाल्ड ट्रंप की हत्या के प्रयास के आरोप में गिरफ्तार रेयान वेस्ले रॉथ की यूक्रेन से सहानुभूति

वाशिंगटन, 16 सितंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका में फ्लोरिडा के वेस्ट पाम बीच में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर एके-47 से हमला करने का आरोप में गिरफ्तार रेयान वेस्ले रॉथ यूक्रेन का समर्थक है। रूस-यूक्रेन युद्ध में उसकी पूरी सहानुभूति यूक्रेन के साथ है। 58 वर्षीय रेयान वेस्ले रॉथ की मानसिकता पर विस्मय करने यह खुलासा किया है। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप की हत्या की कोशिश के रूप में वर्णित रॉथ यूक्रेन में लड़ने और मरने की इच्छा व्यक्त कर चुका है। रॉथ ने सिग्नल पर अपने प्रोफाइल बायो में लिखा है, नागरिकों को इस युद्ध को बदलना होगा और भविष्य के युद्धों को रोकना होगा। व्हाट्सऐप पर उसने बायो में लिखा था, हममें से प्रत्येक को मानवाधिकारों, स्वतंत्रता और लोकतंत्र का समर्थन करने में मदद के लिए रोजाना छोटे-छोटे कदम उठाने चाहिए। रिपोर्ट के अनुसार रॉथ को कोई सैन्य अनुभव नहीं है। उसने रूस के आक्रमण के बाद यूक्रेन की यात्रा की। वह वहां लड़ने के लिए अफगान सैनिकों की भर्ती करना चाहता था।

उल्लेखनीय है कि ट्रंप के फ्लोरिडा स्थित वेस्ट पाम बीच पर इंटरनेशनल गोल्फ कोर्स के बाहर गोलीबारी हुई। ट्रंप अपने फ्लोरिडा स्थित घर में गोल्फ खेल रहे थे। तभी लगभग 300 मीटर की दूरी पर गोल्फ कोर्स के किनारे झाड़ियों के बीच से किसी ने गोली चलाई और भागने का प्रयास किया। एफबीआई के अनुसार, एक सीक्रेट सर्विस एजेंट ने भाग रहे हमलावर का पीछा किया। उसे काउंटी में दबोच लिया। आरोपित एके-47 के अलावा एक अन्य बंदूक, दो बैकपैक, एक गोप्रो कैमरा लाया था। सनद रहे, 13 जुलाई को पेंसिल्वेनिया के बटलर में एक रैली के दौरान डोनाल्ड ट्रंप को गोली मारी गई थी। हालांकि, गनीमत रही कि गोली उनके कान को छूती हुई निकल गई।

संविधान में संशोधन करने जा रहा उत्तर कोरिया,पडोसी देशों से बढ़ सकता है टकराव

सोल, 16 सितंबर (एजेंसियां)।

अपनी सनक के लिए जग जाहिर उत्तर कोरिया का तानाशाह किम जोंग-उन दक्षिण कोरिया को अपना मुख्य दुश्मन मानता है। आए दिन दोनों देशों के बीच टकराव की खबरें भी आती रहीं हैं। इसी बीच उत्तर कोरिया ने कुछ दिन पहले घोषणा कर दी कि वो संविधान में संशोधन करेगा। इसके बाद संविधान संशोधन पर काम शुरु किया गया।किम के आदेशानुसार एकीकरण संबंधी धाराएं हटा दी गईं तथा समुद्री सीमा सहित देश की क्षेत्रीय सीमाओं को नए सिरे से निर्धारित किया गया। इससे दक्षिण कोरिया से टकराव बढ़ने की आशंका जाहिर की जा रही है।

दक्षिण कोरिया के एकीकरण मंत्रालय ने पहले कहा था कि उत्तर कोरिया अपनी अगली एस पी ए। बैठक में 1991 में हस्ताक्षरित अंतर-कोरियाई बुनियादी समझौते को रद्द कर सकता है। बता दें कि 1991 के समझौते के तहत अंतर-कोरियाई संबंधों को एक विशेष संबंध के रूप में परिभाषित किया गया था। केसीएनए ने कहा कि देश के समाजवादी संविधान में संशोधन और उसे त्रुटि मुक्त (पूरक) करने के साथ ही उत्तर कोरिया हल्के उद्योग और बाह्य आर्थिक मामलों पर कानूनों पर विचार-विमर्श और उन्हें अपनाने तथा गुणवत्ता नियंत्रण कानून के प्रवर्तन की निगरानी के मुद्दे पर भी चर्चा करेगा।

उत्तर कोरिया अगले महीने एक महत्वपूर्ण संसदीय बैठक आयोजित करेगा। बैठक में मुख्य रूप से देश के संविधान में संशोधन किया जाएगा। यह जानकारी सोमवार को राज्य मीडिया ने दी। इससे पहले उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग-उन ने दक्षिण कोरिया को अपना मुख्य दुश्मन बताने के लिए संवैधानिक संशोधन का आह्वान किया था। स्थानीय मीडिया के अनुसार, 14वीं सुप्रीम पीपुल्स असेंबली (एसपीए) का 11वां सत्र 7 अक्टूबर को प्योंगयांग में आयोजित किया जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार, जनवरी में एसपीए की बैठक में उत्तर कोरिया के नेता ने संविधान में संशोधन कर दक्षिण कोरिया को अपना प्रमुख शत्रु बताया था। वहीं, युद्ध की स्थिति में दक्षिण कोरियाई क्षेत्र पर पूर्ण कब्जा करने की प्रतिबद्धता भी दोहराई थी।गौरतलब है कि एसपीए उत्तर कोरिया के संविधान के तहत राज्य सत्ता का सर्वोच्च अंग है, लेकिन वास्तव में यह सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी के निर्णयों पर केवल मुहर लगाता है। इस बीच, उत्तर कोरिया द्वारा नए एसपीए प्रतिनिधियों को चुनने के लिए शीघ्र ही चुनाव कराने की संभावना है, क्योंकि उसने अगले महीने संसदीय बैठक बुलाने की घोषणा की है।

चीन के एयरक्राफ्ट कैरियर फुजियान से उड़ान भरेंगे लड़ाकू विमान

बीजिंग, 16 सितंबर (एजेंसियां)।

चीन अपने एयरक्राफ्ट कैरियर फुजियान पर तैनात करने के लिए जे-35 स्टील्थ फाइटर जेट का परीक्षण कर रहा है। फुजियान एयरक्राफ्ट कैरियर इलेक्ट्रोमैग्नेटिक कैटापुल्ट सिस्टम से लैस है, जो भारी से भारी विमानों को भी आसानी से टेकऑफ करा सकता है। इसे अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस गेराल्ड आर फोर्ड के बराबरर माना जाता है। हालांकि यह भी समुद्री परीक्षण के दौर से गुजर रहा है।

जे-35 स्टील्थ फाइटर जेट का किया जा रहा परीक्षण

मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि इस साल की शुरुआत में चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) नेवी के पहले एयरक्राफ्ट कैरियर लियाओनिंग पर एक नए प्रकार के युद्धक विमान का परीक्षण किया था।

नया विमान लंबे समय से प्रतीक्षित जे-35 हो सकता है। इसे एफसी-31 के नाम से भी जाना जाता है। यह चीन का नेक्स्ट जेनरेशन कैरियर बेस्ड फाइटर जेट भी है। पाकिस्तान इसी विमान का एक अलग वेरिएंट खरीदने की योजना बना रहा है।

हालांकि, चीन ने पाकिस्तान को एफसी-31 बेचने को लेकर अभी मंजूरी नहीं दी है। चीन के पास वर्तमान में दो एयरक्राफ्ट कैरियर हैं, लिओनिंग, जो सोवियत युग के जहाज का एक नया रूप है और दूसरा-शेडोंग, जो 2019 में कमीशन किया गया दूसरा स्वदेशी रूप से निर्मित एयरक्राफ्ट कैरियर है।

चीन का तीसरा एयरक्राफ्ट कैरियर फुजियान दोनों एयरक्राफ्ट कैरियर से बड़ा है। फुजियान की विस्थापन क्षमता 80 हजार टन है। वर्तमान में इस एयरक्राफ्ट कैरियर का समुद्री परीक्षण चल रहा है। यह पूरी तरह से घरेलू रूप से विकसित और निर्मित एयरक्राफ्ट कैरियर है जिसमें अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस गेराल्ड आर. फोर्ड के समान इलेक्ट्रोमैग्नेटिक एयरक्राफ्ट लॉन्च सिस्टम लगे है।

वहीं, चीन के बाकी के दो एयरक्राफ्ट कैरियर स्की जंप टेक ऑफ रैंप से लैस हैं। सिर्फ फुजियान एयरक्राफ्ट कैरियर में ही फ्लैट-टॉप फ्लाइट डेक है।

चीन अभी तक एयरक्राफ्ट कैरियरों से जे-15 विमान संचालित करता है। विशेषज्ञों के हवाले से कहा गया कि चीन के पास अब सेवा के लिए तैयार एक नए प्रकार का एयरक्राफ्ट कैरियर से ऑपरेट होने वाला विमान है।

रिपोर्ट ने यह भी पुष्टि की कि नया लड़ाकू विमान न केवल चीन के तीसरे एयरक्राफ्ट कैरियर फुजियान पर ऑपरेशनल है, जो इलेक्ट्रोमैग्नेटिक कैटापल्ट से सुसज्जित है, बल्कि पिछले दो कैरियरों लियाओनिंग और शेडोंग से भी उड़ान भर रहा है।

NA
Naresh Agarwal - 9848020960
Ankush Agarwal - 9885450000
Naresh Agencies
Dealers in :
Welding Electrodes, Welding Accessories, Safety Equipment, Power Tools, Self Drilling Screws and Cutting Wheels
15-9-216, Near Dargah, Gowliguda, Hyderabad - 500 012

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN
METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । मंगलवार, 17 सितंबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-6 । अंक-259

भारत सरकार से मिल रहा महत्वपूर्ण संकेत

इसी कार्यकाल में लागू होगा 'एक देश एक चुनाव' कानून

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)। भारत सरकार एक देश एक चुनाव वाला विधेयक मौजूदा कार्यकाल में लाएगी। केंद्र सरकार से इस तरह के संकेत मिल रहे हैं। एक देश एक चुनाव को लेकर चर्चा काफी समय से चल रही है, मोदी सरकार के पिछले कार्यकाल के दौरान भी कई मौकों पर इस मुद्दे पर बहस होती रही है। प्रधानमंत्री मोदी सत्ता में लौट आए हैं। ऐसी खबर है कि सरकार हर कीमत पर अपने इसी कार्यकाल में यह बिल लाना चाहती है। इसे लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन सरकार से ऐसे संकेत मिल रहे हैं।

भारत सरकार के एक आला अधिकारी ने इसका संकेत देते हुए बताया कि पीएम मोदी ने अपने इस बार के 15 अगस्त वाले संबोधन में भी वन नेशन वन इलेक्शन का जिक्र किया था। एक चुनाव के मुद्दे पर मंथन करने के लिए जो उच्च स्तरीय समिति बनाई गई थी, उसने भी सुझाव दिया है कि देश में एक देश एक चुनाव होना चाहिए। सरकार दावा कर रही है कि इस मुद्दे पर एनडीए में शामिल दूसरी साथी दल भी समर्थन कर रहे हैं। जदयू और टीडीपी भी इस मसले पर भाजपा के साथ है।

केंद्र सरकार ने कहा : नीतिगत मामले में समझौता नहीं

रामनाथ कोविंद समिति की रिपोर्ट के बाद एक देश, एक चुनाव की ओर आगे बढ़ने के लिए लगातार मंथन हो रहा है। यह नीतिगत मामला होने के साथ देशहित में जरूरी है। समिति के समक्ष जिन 47 दलों ने विचार रखे हैं, उनमें 32 ने इसका समर्थन किया है। केंद्र सरकार ने दावा किया कि पंचायत से लेकर लोकसभा तक एकसाथ चुनाव कराने के मामले में वह अपने रुख पर कायम है। इससे जुड़ा कानून हर हाल में इसी कार्यकाल में लागू किया जाएगा। भाजपा नेतृत्व वाली सरकार ने 2014 में एक देश एक चुनाव कानून लागू करने का वादा किया था, जब प्रधानमंत्री मोदी ने पहली बार शपथ ली थी।

अपने पहले दो कार्यकाल के दौरान, पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने अपने प्रमुख वादों को पूरा किया, जिसमें अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण, जम्मू-कश्मीर में धारा 370 को खत्म करना और नागरिकता संशोधन अधिनियम को लागू करना शामिल था। 32 राजनीतिक दलों की ओर से मिले समर्थन से उत्साहित मोदी सरकार ने देश में

▶10 पर

एक देश, एक चुनाव योजना को नीतीश का समर्थन

पटना, 16 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड (जदयू) ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इसी कार्यकाल में एक देश, एक चुनाव लागू करने की योजना का समर्थन कर दिया है। जदयू ने इसके फायदे भी गिनाए हैं। नरेंद्र मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल की सबसे बड़ी योजना एक देश, एक चुनाव का नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड (जदयू) ने समर्थन करते हुए

कहा है कि इससे नीतियों में निरंतरता बनी रहेगी तथा बार-बार चुनाव से होने वाली परेशानियों से भी बचा जा सकेगा। मौजूदा लोकसभा में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की अहम सहयोगी जदयू का यह बयान ऐसे समय आया है जब केंद्र सरकार से यह संकेत मिला कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की अगुवाई वाली सरकार इस कार्यकाल में ही एक देश, एक चुनाव कानून लागू करेगी। जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि एक देश, एक चुनाव पर उनकी पार्टी और राजग की राय एक समान है। हम मानते हैं कि इससे देश में नीतियों की निरंतरता जारी रहेगी।

▶10 पर

अंतरराष्ट्रीय षडयंत्रों के परिप्रेक्ष्य में पीएम का दृढ़ बयान

ये मोदी है, यहां किसी का दबाव-वबाव नहीं चलता

8000 करोड़ के प्रोजेक्ट शुरू पहली वंदे मेट्रो रवाना

गांधीनगर, 16 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, ये मोदी है, यहां किसी का दबाव-वबाव नहीं चलता। हां, मुझ पर दबाव है हमारी भावी पीढ़ी का, उनकी संतानों का, जो जन्मे भी नहीं है, जिनके उज्ज्वल भविष्य का मुझ पर दबाव है और उनके लिए मैं काम करता रहूंगा। प्रधानमंत्री मोदी ने दबाव वाली बात देश के सामने सोच-समझ कर कही, भले ही उसका संदर्भ उनके पुराने संस्मरणों को लेकर था। प्रधानमंत्री मोदी का यह कहना कि वे मोदी हैं, उनपर कोई दबाव-वबाव नहीं चलता... मौजूदा षडयांत्रिक माहौल में इसके गहरे निहितार्थ हैं।

पीएम मोदी ने अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति बराक ओबामा के साथ एक साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस का संदर्भ लेते हुए कहा, मुझे याद है कि एक बार ओबामा यहां द्विपक्षीय बैठक के लिए आए थे। दिल्ली में हमारी प्रेस कॉन्फ्रेंस थी। उस समय एक पत्रकार ने मुझसे पूछा था कि दुनिया के भांति-भांति प्रकार के देश अलग-अलग आंकड़े घोषित करते हैं। क्या आप पर इस तरह के आंकड़े जारी करने का कोई दबाव है? या किसी तरह के टारगेट तय करने का दबाव है? इस सवाल पर मैंने कहा, ये मोदी है, यहां कोई दबाव-वबाव नहीं चलता। फिर मैंने कहा था, हां, मुझ पर दबाव है और यह दबाव हमारी भावी पीढ़ी का है, उनकी संतानों का है जो जन्मे भी नहीं है, उनके उज्ज्वल भविष्य का मुझ पर दबाव है और उनके लिए मैं काम करता रहूंगा। प्रधानमंत्री मोदी गुजरात दौरे पर हैं और आज उन्होंने गांधीनगर में चौथे वैश्विक नवीनीकरणीय ऊर्जा निवेशक सम्मेलन को संबोधित किया। पीएम मोदी ने बताया कि देश में मोदी सरकार कैसे आने वाली पीढ़ियों के लिहाज से काम कर रही है। गांधी नगर में हो रहे इस सम्मेलन में भविष्य की तकनीक को लेकर तीन दिन तक विमर्श होना है। पीएम मोदी ने सम्मेलन में कहा कि आप सभी जानते हैं कि भारत की जनता ने 60 साल बाद लगातार किसी सरकार को तीसरी बार सत्ता में आने का मौका दिया। हमारी सरकार को मिले तीसरे कार्यकाल के पीछे भारत की बहुत बड़ी आकांक्षाएं हैं। आज 140 करोड़ भारतवासियों को भरोसा है कि उनकी आकांक्षाओं को पिछले 10 साल में जो पंख लगे हैं, वो इस तीसरे कार्यकाल में एक नई उड़ान भरेंगे। इस कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी ने यह भी कहा है कि आज का भारत अगले 1000 वर्षों के लिए आधार तैयार कर रहा है, जिससे भारत का भविष्य पूरी तरह से सुरक्षित हो सके।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को अहमदाबाद में कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं की कुल लागत 8,000 करोड़ रुपए से अधिक है। पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) के तहत शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में उन घरों को लाभार्थियों को सौंपा, जिनका निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। इसके साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण (पीएमएवाई-जी) के तहत 30 हजार से अधिक नए घरों के निर्माण को मंजूरी दी और इसके लिए पहली किस्त जारी की।

पीएम मोदी ने देश की पहली वंदे मेट्रो को भुज से अहमदाबाद के लिए रवाना किया।

▶10 पर

सीएम योगी और सीएम साहा ने किया सिद्धेश्वरी मंदिर का उद्घाटन

मानवता का कैंसर है पाकिस्तान सर्जरी से ही इलाज संभव: योगी

अगरतला, 16 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पाकिस्तान मानवता का कैंसर है, जो पूरी दुनिया के लिए नासूर बन चुका है। आजादी के समय का कांग्रेस नेतृत्व और जोगेंद्र नाथ मंडल अगर मिलकर मुस्लिम लीग की साजिश को विफल कर देते तो यह नासूर अस्तित्व में ही नहीं होता। उन्होंने कहा कि जब तक पाकिस्तान का ऑपरेशन नहीं होगा, तब तक इलाज संभव नहीं है। पाकिस्तान का उपचार शुरू हो चुका है। अब पाक अधिकृत कश्मीर के लोग भारत में शामिल होना चाहते हैं। बलूचिस्तान भी पाकिस्तान से अलग होना चाहता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा के साथ सिद्धेश्वरी मंदिर का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि संत ईश्वरीय सत्ता के प्रतिनिधि के रूप में इस धराधाम पर आकर कार्य कर रहे हैं। इतनी बड़ी

बांग्लादेश न बने भारत, इसलिए शत्रुशक्ति को नष्ट करना होगा

संख्या में संत अगर किसी कार्य में जुड़ जाएंगे तो उसे सफल होना ही है। संतों के सानिध्य में हमें धर्म जागरण के अभियान को आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। सीएम योगी ने कहा कि हमें मिलकर कार्य करना होगा और इस बात का ध्यान रखना है कि विधर्मियों को अवसर नहीं देना है। बांग्लादेश जैसे स्थिति की पुनरावृत्ति यहां न होने पाए, इसके लिए ऐसी शक्तियों को हमें समाप्त करना है। हमें देश और धर्म को सुरक्षित रखना है।

सीएम योगी ने कहा कि यहां के राजा में शक्ति एवं सामर्थ्य था, इसलिए त्रिपुरा स्वतंत्र एवं सुरक्षित रहा।

▶7 पर

मेट्रो निर्माण के लिए इज़राइल ने भारत से मदद मांगी

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)। भारत में तैनात इज़राइल के राजदूत रूवेन अजार ने कहा कि इज़राइल तेल अवीव क्षेत्र में 100 किलोमीटर का मेट्रो सिस्टम बनाना चाहता है। इस निर्माण में इज़राइल भारत से मदद चाहता है। अजार ने कहा, भारत एक अच्छा भागीदार है क्योंकि सड़कों, हवाई अड्डों और बंदरगाहों के अलावा, एक हजार किलोमीटर मेट्रो के निर्माण ने भारत की साख दुनियाभर में बढ़ी है।यह पहली बार है कि इज़राइल ने निर्माण क्षेत्र में भारत से सहायता मांगी है और यह निर्णय पिछले अक्टूबर में हमास के हमले के बाद फिलिस्तीनी श्रमिकों पर प्रतिबंध के मद्देनजर आया है। गाजा युद्ध को सुलझाने में भारत की संभावित भूमिका पर अजार ने कहा, मुझे लगता है कि भारत को निर्णय लेना है। यह भारत पर निर्भर है कि वह किस हद तक इसमें शामिल होना चाहता है। सामान्य तौर पर पश्चिम एशिया में भारत की भूमिका बढ़ रही है क्योंकि भारत हमारे क्षेत्र में काफी स्थिरता और समृद्धि ला सकता है।

किश्तवाड़ में अमित शाह ने नेकां-कांग्रेस पर बोला हमला

आतंकवाद को पाताल में दफन कर देंगे

गांधी और अब्दुल्ला खानदान ने जम्मू कश्मीर को बर्बाद किया

जम्मू, 16 सितंबर (एजेंसियां)। गृहमंत्री अमित शाह ने जम्मू कश्मीर के किश्तवाड़ में रैली कर कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस पर जमकर हमला बोला। रैली को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि जम्मू कश्मीर में आतंकवाद को पाताल में दफन करके ही मानेंगे। हमने विभाजन के दिन देखे हैं। 1990 में आतंकवाद के बुरे दिन देखे हैं। चंद्रिका शर्मा हों या परिहार बंधु हों ऐसी सैकड़ों कुर्बानियों का दर्द झेला है। मैं आज इस क्षेत्र सहित जम्मू-कश्मीर की जनता से वादा करता हूं कि हम आतंकवाद को इतना नीचे दफन करेंगे कि वह कभी बाहर नहीं आ पाएगा।

अमित शाह ने कहा, जिस कांग्रेस पार्टी ने इस अब्दुल्ला परिवार को देशद्रोही कहा, आतंकवाद के लिए जिम्मेदार ठहराया, उमर अब्दुल्ला के दादा को वर्षों तक जेल में रखा। आज पीएम मोदी के सामने जीतने के लिए राहुल और अब्दुल्ला ईलू-ईलू कर रहे हैं। शाह ने कहा, पीएम मोदी ने जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र को मजबूत किया। मैं पूछना चाहता हूं फारूक अब्दुल्ला से कि आपकी तीन पुश्तों ने राज किया, लेकिन जम्मू-कश्मीर के लोगों को 5 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज कभी क्यों नहीं मिला? मोदी जी ने घाटी से लेकर मैदान तक, सभी को 5 लाख रुपए तक का इलाज मुफ्त दिया।

पीएम मोदी ने जो धारा-370 हटाई, वह अब इतिहास का पन्ना हो गई है। भारत के संविधान में अब धारा-370 के लिए कोई जगह नहीं रह गई है। जम्मू कश्मीर में अब दो विधान, दो प्रधान और दो झंडे कभी नहीं हो सकते हैं। झंडा सिर्फ हमारा प्यारा तिरंगा होगा। जम्मू-कश्मीर का ये चुनाव स्पष्ट रूप से दो ताकतों के बीच है। एक ओर नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस है और दूसरी ओर भाजपा है। नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस कहती है कि अगर हमारी सरकार बनी तो धारा-370 को वापस लाएंगे। पहाड़ियों और गुर्जर भाइयों को जो आज आरक्षण मिला है, वो धारा-370 के रहते नहीं मिल सकता था।

अमित शाह ने कहा, नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस का गठबंधन हमेशा से आतंकवाद का पोषक रहा है। जब-जब घाटी में नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस की सरकार आई, तब-तब यहां आतंकवाद को बढ़ावा मिला है। याद कीजिए 90 के दशक को। मैं फारूक अब्दुल्ला से पूछना चाहता हूं कि आप यहां के मुख्यमंत्री थे, राजीव गांधी के साथ समझौता करके चुन कर आए। जब हमारी घाटी खून से लथपथ हो गई तब आप कहां थे?

▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

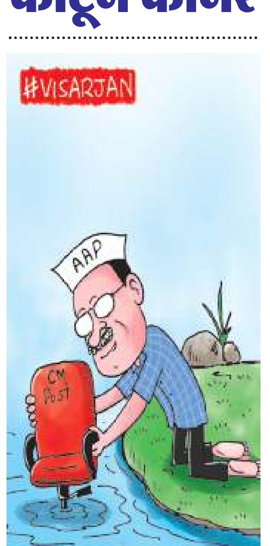

मदरसों पर एनसीपीसीआर की रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में पेश

संविधान विरोधी हरकतों पर उतारू हैं मदरसे

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने सुप्रीम कोर्ट के सामने मदरसा तालीम पर चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। आयोग ने सुप्रीम कोर्ट मदरसा तालीम को लेकर चिंताजनक तथ्य बताए हैं। आयोग ने कहा कि मदरसे भारत के संविधान द्वारा निर्धारित बच्चों के शिक्षा के अधिकार का उल्लंघन कर रहे हैं। एनसीपीसीआर के अनुसार, मदरसा तालीम भारत में बच्चों के शिक्षा के अधिकार में अड़ंगा डाल रही है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम या संविधान के अनुच्छेद 21-ए के तहत इसका कोई संवैधानिक आधार नहीं है।

एनसीपीसीआर ने अपनी रिपोर्ट में मदरसों पर दारुल उलूम देवबंद के गहरे प्रभाव की बात कही है। एनसीपीसीआर ने बताया है कि दारूल उलूम देवबंद को शरिया की सख्त और रूढ़िवादी व्याख्या करने वाली विचारधारा बताया है। एनसीपीसीआर ने आगे कहा कि तालिबान जैसे इस्लामी कट्टरपंथी समूह दारूल उलूम देवबंद की धार्मिक और राजनीतिक विचारधारा से प्रेरित रहे हैं। तालिबान पर इनका प्रभाव उनके मदरसों से जुड़ाव के चलते है क्योंकि

मदरसों में दारूल उलूम देवबंद का काफी असर है। एनसीपीसीआर ने छात्रों पर इस कारण इस्लामी कट्टरपंथ की तरफ जाने का खतरा जताया है।

एनसीपीसीआर ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि मदरसा में पढ़ने वाले बच्चे शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के तहत मिलने वाले अधिकारों से भी वंचित हैं। मदरसे में पढ़ने वाले बच्चों को उच्च मानक वाली शिक्षा, मिड डे मील और अच्छे शिक्षकों तक पहुंच नहीं मिल रही। एनसीपीसीआर ने कहा कि शिक्षा के अधिकार का मानदंड पूरा न होने के कारण मदरसे में पढ़ने वाले बच्चे बाक़ी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के बराबर अधिकार नहीं पा रहे। एनसीपीसीआर ने इस बात पर भी चिंता जताई कि मदरसों के

▶10 पर

अवकाश सूचना

गणेश विसर्जन के अवसर पर मंगलवार, 17 सितंबर, 2024 को शुभ लाभ कार्यालय में **अवकाश** रहेगा। अतः अगला अंक गुरुवार, 19 सितंबर, 2024 को प्रकाशित होगा।

-प्रबंधक

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 31^0
न्यूनतम : 22^0

शुभ लाभ — खबरें जो सोच बदल दे

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान दें, जो आध्यात्मिक जीवन के लिए आवश्यक है। आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे, ग्रह नक्षत्रों की चाल से आज आपके लिए धन कमाने के कई मौके बनेंगे. बढ़िया दिन है जब आप सबके ध्यान को अपनी तरफ़ खींचेंगे– आपके सामने चुनने के लिए कई चीज़ें होंगी और आपके सामने समस्या यह होगी कि किसे पहले चुना जाए। आईटी से जुड़े लोगों को अपना जौहर दिखाने का मौक़ा मिल सकता है। आपको क़ामयाबी पाने के लिए केवल काम पर एकाग्र होकर जी–तोड़ मेहनत करने की ज़रूरत है। जीवनसाथी के साथ आज की शाम वाक़ई कुछ ख़ास होने वाली है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपका प्रबल आत्मविश्वास और आज के दिन का आसान कामकाज मिलकर आपको आराम के लिए काफ़ी वक़्त देंगे। कुछ सहकर्मी कई अहम मुद्दों पर आपकी कार्यशैली से नाख़ुश होंगे, लेकिन यह वे आपको बताएंगे नहीं। अगर आपको लगता है कि परिणाम आपकी उम्मीद के मुताबिक़ नहीं आ रहे हैं, तो अपनी योजनाओं का फिर से विश्लेषण कर उनमें सुधार लाना बेहतर रहेगा। अगर आज आप यात्रा कर रहे हैं तो आपको अपने सामान की अतिरिक्त सुरक्षा करने की ज़रूरत है। आपका जीवनसाथी आपको ख़ुश करने के लिए आज काफ़ी कोशिशें करता नज़र आएगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

परिवार की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए आपको कुछ कर दिखाने की ज़रूरत है। जो लोग काफी वक्त से आर्थिक तंगी से गुजर रहे थे उन्हें आज कहीं से धन प्राप्त हो सकता है जिससे जीवन की कई परेशानियां दूर हो जाएंगी। आपकी भरपूर ऊर्जा और ज़बरदस्त उत्साह सकारात्मक परिणाम लाएंगे व घरेलू तनाव दूर करने में मददगार रहेंगे। सफ़र के लिए दिन ज़्यादा अच्छा नहीं है। अगर आपके जीवनसाथी का मन खिन्न है और चाहते हैं की दिन अच्छा गुज़रे, तो चुप्पी साधे रहें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

रुपये–पैसे के हालात और उससे जुड़ी समस्याएं तनाव का कारण साबित हो सकती हैं। किसी करीबी रिश्तेदार की मदद से आज आप अपने करोबार में अच्छा कर सकते हैं जिससे आपको आर्थिक लाभ भी होगा। ज़रूरत के वक़्त आपको दोस्तों का सहयोग मिलेगा। काम में मन लगाएं और जज़्बाती बातों से बचें। आज खाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं। कई लोग साथ तो रहते हैं, लेकिन उनके जीवन में आपसी समझ नहीं रहती। लेकिन यह दिन आपके लिए बेहद उत्साहवर्धक होने वाला है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

नफ़रत की भावना महंगी पड़ सकती है। यह न केवल आपकी सहन–शक्ति घटाती है, बल्कि आपके विवेक को भी ज़ंग लगा देती है और रिश्तों में हमेशा के लिए दरार डाल देती है। व्यापार में मुनाफा आज कई व्यापारियों के चेहरे पर खुशी ला सकता है। विदेश में रह रहे किसी संबंधी से मिला उपहार आपको ख़ुशी दे सकता है। मार्केटिंग के क्षेत्र में काम करने की आपकी महत्वाकांक्षा फलीभूत हो सकती है। आज आपका खाली वक्त भी ऑफिस के काम को पूरा करने में ही लगेगा। कोई रिश्तेदार अचानक आपके घर आ सकता है, जिसके चलते आपकी योजनाएं गड़बड़ा सकती हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अपने व्यक्तित्व को विकसित करने के लिए गम्भीर तौर पर प्रयास करें। इस राशि के कुछ लोगों को आज जमीन से जुड़े किसी मुद्दे को लेकर धन खर्च करना पड़ सकता है। आपका मज़ाकिया स्वभाव सामाजिक मेल–जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा। किसी लघु या मध्यावधि पाठ्यक्रम में दाख़िला लेकर अपनी तकनीकी क्षमताओं में निखार लाएं। सफ़र के लिए दिन ज़्यादा अच्छा नहीं है। अगर थोड़ी–सी कोशिश की जाए तो जीवनसाथी के साथ आज का दिन खुशनुमा हो सकता हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

सिर्फ़ अक़्लमंदी से किया गया निवेश ही फलदायी होगा– इसलिए अपनी मेहनत की कमाई सोच–समझ कर लगाएं। विदेश में रह रहे किसी संबंधी से मिला उपहार आपको ख़ुशी दे सकता है। संतोषजनक परिणाम पाने के लिए काम को योजनाबद्ध तरीक़े से करें, दफ़्तर की परेशानियों को हल करने में आपको मानसिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। समय का सदुपयोग करना सीखें। यदि आपके पास खाली वक्त है तो कुछ रचनात्मक करने की कोशिश करें। वक्त को बर्बाद करना अच्छी बात नहीं है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज खेल–कूद में हिस्सा लेने की ज़रूरत है। आज बिना किसी की मदद के ही आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएं। ऐसे कई लोग होंगे, जो आपका उत्साह बढ़ाएंगे। आज के दिन किसी के साथ छेड़खानी करने से बचें। कामकाज में थोड़ी मुश्किल के बाद आपको दिन में कुछ अच्छा देखने को मिल सकता है। जीवन की आपाधापी के बीच आज आप अपने बच्चों के लिए वक्त निकालेंगे। उनके साथ वक्त गुजार के आपको महसूस हो सकता है कि आपने जीवन के कई जरुरी पल गवां दिए हैं। वैवाहिक जीवन के कुछ साइड इफ़ेक्ट्स भी होते हैं; आज आपको इनका सामना करना पड़ सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज के दिन घर के किसी इलेक्ट्रोनिक सामान के खराब हो जाने की वजह से आपका धन खर्च हो सकता है। परिवार वालों का हँसी–मज़ाक भरा बर्ताव घर के वातावरण को हल्का–फुल्का और ख़ुशनुमा बना देगा। आप आज प्यार की मनोदशा में होंगे– और आपके लिए काफ़ी मौक़े भी होंगे। आज आपका कोई छुपा विरोधी आपको ग़लत साबित करने की पुरज़ोर कोशिश करेगा। आज ऐसी कई सारी चीज़ें होंगी – जिनकी तरफ़ तुरन्त ग़ौर करने की आवश्यकता है। आप अपने जीवन की कुछ यादगार शामों में से एक आज अपने जीवनसाथी के साथ बिता सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज के मनोरंजन में बाहर की गतिविधियों और खेल–कूद को शामिल किया जाना चाहिए। आपकी लगन और मेहनत पर लोग ग़ौर करेंगे और आज इसके चलते आपको कुछ वित्तीय लाभ मिल सकता है। कोई चिट्ठी या ई–मेल पूरे परिवार के लिए अच्छी ख़बर लाएगी। आज के दिन कार्यालय का माहौल बढ़िया बना रहेगा। अपने ज़बरदस्त आत्मविश्वास का फ़ायदा उठाएं, बाहर निकलें और कुछ नए सम्पर्क व दोस्त बनाएं। अपने जीवनसाथी के स्नेह से भीगकर आप ख़ुद को राजसी महसूस कर सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

जितना आपने सोचा था, आपका भाई उससे ज़्यादा मददगार साबित होगा। जब आप अपने प्रिय के साथ बाहर जाएं तो अपने पहनावे और बरताव में नयापन रखें। आज अनुभवी लोगों से जुड़कर जानने की कोशिश करें कि उनका क्या कहना है। छात्र–छात्राओं को आज अपने काम को कल पर नहीं टालना चाहिए, आपको जब भी खाली समय मिले अपने काम को पूरा कर लें। ऐसा करना आपके लिए हितकारी है। शादी के ठीक पहले के ख़ूबसूरत दिनों की याद ताज़ा हो सकती है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपने ऊर्जा–स्तर को फिर से बढ़ाने के लिए पूरा आराम करें, क्योंकि थका हुआ शरीर दिमाग़ को भी थका देता है। आपको अपनी असली क्षमताओं को पहचानने की ज़रूरत है, क्योंकि आपमें क्षमता की नहीं बल्कि इच्छा–शक्ति की कमी है। धन का आगमन आज आपको कई आर्थिक परेशानियों से दूर कर सकता है। शाम का वक़्त दोस्तों के साथ मौज–मस्ती के लिए अच्छा है, साथ ही छुट्टियों के लिए योजना भी बन सकती है। किसी दिलचस्प इंसान से मिलने की प्रबल संभावना है। आपके द्वारा आज खाली समय में ऐसे काम किये जाएंगे जिनके बारे में आप अक्सर सोचा करते हैं लेकिन उन कामों को कर पाने में समर्थ नहीं हो पाते।

मंगलवार का पंचांग

दिनांक : 17 सितंबर 2024 , मंगलवार
विक्रम संवत : 2081
मास : भाद्रपद , शुक्ल पक्ष
तिथि : चतुर्दशी प्रातः 11:46 तक
नक्षत्र : शतभिषा दोपहर 01:54 तक
योग : धृति प्रातः 07:48 तक
करण : वणिज प्रातः 11:46 तक
चन्द्रराशि : कुंभ
सूर्योदय : 06:04, सूर्यास्त 06:16 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:19 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01, सूर्यास्त 06:11 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:56, सूर्यास्त 06:07 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : पूर्णिमा व्रत,अनंत चतुर्दशी व्रत , पूर्णिमा श्राद्ध 11:46 बाद , विश्वकर्मा पूजा, भद्रा प्रातः 11:46 से रात्रि 09:56 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान अनुकूल निवेश नीतियों से अक्षय ऊर्जा में निवेशकों की बना पसंद : भजनलाल

गांधीनगर/ जयपुर, 16 सितंबर (एजेंसियां)।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कहा है कि राजस्थान ने सौर ऊर्जा क्षमता में प्रथम एवं नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता श्रेणी में द्वितीय स्थान हासिल किया है और वह अनुकूल निवेश नीतियों से अक्षय ऊर्जा में निवेशकों की पसंद बन चुका है वहीं प्रदेश में अगले दस वर्षों में बढ़ती बिजली की मांग को पूरा करने के लिए कार्य योजना तैयार कर ली गई है।

श्री शर्मा सोमवार को गुजरात के गांधीनगर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा चौथी वैश्विक नवीकरणीय ऊर्जा निवेश बैठक और एक्सपो (री–इन्वेस्ट 2024) का उद्घाटन कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि आज राजस्थान भारत में अक्षय ऊर्जा उत्पादन में पहले स्थान पर है। यहां का भड़ला सोलर पार्क 2 हजार 245 मेगावाट स्थापित सोलर क्षमता के साथ दुनिया का सबसे बड़ा सोलर पार्क है। अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में निवेशकों के लिए प्रदेश में अनुकूल वातावरण उपलब्ध है।

उन्होंने कहा कि राज्य में 28 गीगावाट अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं से लगभग 470 करोड़ यूनिट बिजली उत्पादित हो रही है और 32 गीगावाट की परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं। साथ ही राज्य में 142 गीगावाट सौर ऊर्जा और 284 गीगावाट पवन ऊर्जा के उत्पादन की संभावनाएं हैं। हम वर्ष 2031–32 तक 115 गीगावाट सौर एवं पवन ऊर्जा का उत्पादन बढ़ाने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार बिजली क्षेत्र में सुधारों के लिए संकल्पित होकर कार्य कर रही है। हमने विकसित राजस्थान 2047 के संकल्प को पूरा करने के लिए अगले 10 वर्षों में बढ़ती बिजली की मांग को पूरा करने के लिए कार्ययोजना तैयार कर ली है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के तहत राजस्थान के सभी जिलों में आदर्श सौर ग्राम विकसित किए जा रहे हैं। कुसुम योजना के कम्पोनेंट–ए में 228 मेगावाट की सोलर परियोजनाएं स्थापित हो चुकी हैं और 300 मेगावाट की परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं। कम्पोनेंट–सी के तहत राज्य को 4 हजार 524 मेगावाट की सौर परियोजनाओं का आवंटन किया गया है।

श्री शर्मा ने कहा कि वैश्विक सहयोग, तकनीक, अनुसंधान, प्रशिक्षण और निवेश की सहायता से प्रदेश में ऊर्जा क्षेत्र में निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। इस दिशा में राज्य सरकार 9 से 11 दिसंबर तक जयपुर में राइजिंग राजस्थान इन्–वेस्टमेंट समिट का आयोजन करने जा रही है, जिससे ऊर्जा क्षेत्र में निवेश आएगा। उन्होंने बताया कि राजस्थान में गत नौ महीनों में बिजली तंत्र को सुदृढ़ करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं।

राज्य सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के साथ एक लाख 64 हजार करोड़ रुपये के एमओयू किए हैं। साथ ही केंद्र सरकार ने राज्य में 5 हजार 292 मेगावाट क्षमता के तीन अल्ट्रा मेगा अक्षय ऊर्जा पार्क भी स्वीकृत किए हैं। राज्य में सात गीगावाट क्षमता की पंप स्टोरज परियोजनाओं हेतु 8 साइट चिह्नित की जा चुकी हैं। पंप स्टोरेज परियोजनाओं की स्थापना प्रक्रिया के सरलीकरण के लिए नई पॉलिसी बनाई जा रही है।

पुंडरी में भाजपा को फिर मिलेगी ऐतिहासिक जीत: सीएम सैनी

चंडीगढ़, 16 सितंबर (एजेंसियां)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने सोमवार को पुण्डरी में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी सतपाल जाम्बा के समर्थन में आयोजित जन आशीर्वाद रैली में कहा कि 2019 की तरह पूंडरी से इस बार भी भाजपा को ऐतिहासिक जीत मिलेगी। श्री सैनी ने कहा कि यह चुनाव साधारण चुनाव नहीं है, विशेष चुनाव है। यह चुनाव हरियाणा का इतिहास लिखने वाला है, यह झूठे वादों और सच्चे विकास का चुनाव है। उन्होंने कहा कि जनता को झूठे वादे करने वालों से सावधान रहना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने झूठे वादे करके तीन राज्यों में सरकार बनाई, अब वहां की जनता भुगत रही है। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस नेता 10 साल के शासन का हिसाब मांगते फिर रहे हैं, लेकिन जब उनसे सवाल पूछे जाते हैं, तो उनके पास कोई जवाब नहीं होता। उन्होंने कांग्रेस नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर सीधा हमला करते हुए कहा, मैंने हुड्डा से पूछा कि आपके 10 साल के कार्यकाल में कितने किसानों की फसल एमएसपी पर खरीदी गई। किसानों को दो –दो रुपए के चेक क्यों दिये जाते थे, कांग्रेस के शासन में किसानों पर गोलियां क्यों चलाई गईं। ऐसे बहुत से सवाल हैं, जिनका जवाब आज तक कांग्रेस नहीं दे पाई।

सिरसा से भाजपा प्रत्याशी जांगड़ा ने नामांकन वापिस लिया

सिरसा, 16 सितंबर (एजेंसियां)।

हरियाणा विधानसभा चुनाव के सोमवार को नामांकन पत्र वापस लेने के आखिरी दिन सिरसा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रत्याशी रोहताश जांगड़ा ने अपना नामांकन पत्र वापस ले लिया।

ऐसी चर्चा है कि सिरसा सीट पर अब भाजपा हरियाणा विकास पार्टी के प्रत्याशी गोपाल कांडा का समर्थन करेगी। श्री जांगड़ा के नाम वापस लेने के बाद लड़ाई आमने–सामने की रह गई है। अब यहां कांडा का मुकाबला कांग्रेस के उम्मीदवार गोकुल सेतिया से होगा। भाजपा से पहले इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने भी गोपाल कांडा को समर्थन का ऐलान किया था। श्री जांगड़ा ने कहा, संगठन के आदेश पर नामांकन वापस लिया है। हम मिलकर कांग्रेस को हराएंगे। गोपाल कांडा ने कहा था कि जीतने के बाद भाजपा के साथ मिलकर सरकार बनाएंगे। उनका परिवार शुरू से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ा हुआ है। पिता मुरलीधर कांडा जनसंघ की टिकट पर 1952 में डबवाली सीट से चुनाव लड़ चुके हैं और उनकी माता आज भी भाजपा को ही वोट डालती हैं। इससे पहले भाजपा कुरुक्षेत्र की पिहोवा सीट से भी उम्मीदवार बदल चुकी है। यहां कवलदीप सिंह अजराना की जगह पर जय भगवान शर्मा डीडी को टिकट दी गई थी।

जहाजपुर में तीसरे दिन भी बाजार बंद रहे

भीलवाड़ा, 16 सितंबर (एजेंसियां)।

राजस्थान के शाहपुरा जिले के जहाजपुर कस्बे में झलझूलनी एकादशी के दिन हुए पथराव की घटना के बाद आज तीसरे दिन भी बाजार बंद रहे। इस बीच भगवान की पालकी को कल्याण जी मंदिर में रखा गया है, पुलिस बारावफात को लेकर चौकस है वही भीलवाड़ा, शाहपुरा अजमेर जिले में कई जगह स्वैच्छिक बाजार बंद रखने की खबर है।

जहाजपुर कस्बे में सोमवार को बंद के दौरान चाय पानी की थडियां भी नहीं खुली है, ऐसे में लोग चाय पानी के लिए भी तरस रहे है। उधर जहाजपुर में बारहवफात के आयोजन की अनुमति उपखंड अधिकारी ने निरस्त कर दी है इस लेकर कस्बे में चौकसी बढ़ा दी गई है। जहाजपुर में पथराव के बाद मौके पर ही रखा पीतांबर राय जी का बेवान सोमवार को कल्याण राय मंदिर ले जाया गया, इस दौरान श्रद्धालु राम आएंगे भजन गाते हुए चल रहे थे। जिला कलक्टर राजेंद्र सिंह शेखावत, जिला पुलिस अधीक्षक राजेश कांवत ,एएसपी चंचल मिश्रा सहित अन्य अधिकारी जहाजपुर में स्थिति पर निगाह रखे हुए हैं। कस्बे में चप्पे–चप्पे पर पुलिस कर्मी तैनात किए गए है।

लोगों को काम करने वाला चाहिए, गुब्बारे बेचने वाला नहीं : विज

अंबाला, 16 सितंबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री पद पर दावा ठोंकने वाले बयान के एक दिन बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)) के वरिष्ठ नेता अनिल विज ने सोमवार को कहा कि लोगों को काम करने वाला चाहिए, गुब्बारे बेचने वाला नहीं।यह स्पष्ट नहीं था कि श्री विज ने गुब्बारे बेचने वाला किसको इशारा करके कहा। उनके कल के बयान से कि लोगों की मांग और वरिष्ठतम नेता होने के आधार पर वह हरियाणा के मुख्यमंत्री पद पर दावा ठोंकेंगे, केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान और कई अन्य भाजपा नेताओं को सफाई देनी पड़ी थी। भाजपा हरियाणा विधानसभा चुनाव मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में लड़ रही है। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह से लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उनके नाम पर मोहर लगा चुके हैं।

श्री विज ने सोमवार को कहा कि वह जहां भी जाते हैं लोग उनके किये काम गिनवाने लगते हैं। लोगों को काम करने वाला चाहिए, गुब्बारे बेचने वाला नहीं। इस बीच, अंबाला में सुंदर नगर से कांग्रेस यूथ अध्यक्ष मंगल पांडे टिंकू समर्थकों के साथ श्री विज की उपस्थिति में भाजपा में शामिल हुए। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल के इस्तीफे की घोषणा पर श्री विज ने कहा कि जिस दिन आरोप लगे थे, श्री केजरीवाल को तभी इस्तीफा दे देना चाहिए था।

सामाजिक सरोकार में धन लगाने वाला व्यक्ति होता है महान : कटारिया

पाली, 16 सितंबर (एजेंसियां)।

पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने सोमवार को पाली में श्री गुरू पुष्कर जैन साधना केंद्र संस्थान के नए भवन और भोजन कक्ष के शिलान्यास कार्यक्रम में शिरकत की।

कार्यक्रम में भामाशाह परिवार का सम्मान किया गया। इस अवसर पर श्री कटारिया ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि समाज के उत्थान के लिए किया गया दान कभी व्यर्थ नहीं जाता। धन कमाने से कोई इंसान महान नहीं बनता, बल्कि जो व्यक्ति सामाजिक सरोकार में धन लगाता है वह महान कहलाता है। उस इंसान के जाने के बाद भी लोग उनके किए गए कार्यों के लिए उसे याद करते है। श्री राठौड़ ने संस्थान के नए भवन और भोजन कक्ष का शिलान्यास में सहयोग करने वाले भामाशाह परिवार का आभार व्यक्त किया और कहा कि समाज के कल्याण में भामाशाहों की बड़ी भूमिका है। ऐसे में समजिक मंच पर भामाशाहों का सम्मान भी अवश्य होना चाहिए। उन्होंने श्री कटारिया को राजनीति का गुरु बताते हुए कहा कि आज के राजनेताओं को गुलाबचंद कटारिया से राजनीति सीखनी चाहिए। कटारियाजी का व्यक्तित्व किसी साधु से कम नहीं है। इनका आदर्श जीवन और आदर्श व्यवहार युवा पीढी के लिए प्रेरणादायक है। इस मौके पूर्व सांसद पुष्प जैन, पूर्व विधायक ज्ञानचंद पारख तथा अन्य कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

भाजपा बागी राजीव जैन ने नामांकन वापस लिया

चंडीगढ़, 16 सितंबर (एजेंसियां)।

हरियाणा के सोनीपत से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक बागी प्रत्याशी राजीव जैन ने सोमवार को अपना नामांकन वापस ले लिया। भाजपा ने यह जानकारी सोशल मीडिया में साझा की है।पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के मीडिया सलाहकार रहे श्री जैन के नामांकन वापस लेने के समय श्री खट्टर और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मौजूद थे। श्री जैन और उनकी पत्नी पूर्व मंत्री कविता जैन टिकट के इच्छुक थे और टिकट न मिलने पर अपने समर्थकों के सामने रो तक दिये थे। बाद में श्री जैन ने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में पर्चा भरा था, जो आज नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि पर वापस ले लिया।

हरियाणा चुनाव में 2,03,54,350 मतदाता अपने मताधिकार का करेंगे प्रयोग

चंडीगढ़, 16 सितंबर (एजेंसियां)।

हरियाणा विधानसभा चुनावों के लिये पांच अक्टूबर को होने वाले मतदान में 2,03,54,350 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी पंकज अग्रवाल ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मतदान के लिए 20,629 पोलिंग बूथ बनाए गए हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि प्रदेश में 27 अगस्त को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया गया था। उसके बाद दो सितंबर तक वोट बनवाने के लिये फार्म–6 जमा करवाये जा सकते थे, जिनके निपटान के फलस्वरूप 1,29,392 नये मतदाता सूची में शामिल हुए, जिसमें 64,031 पुरुष, 65,352 महिलायें और

नौ थर्ड जेंडर मतदाता जुड़े। अब प्रदेश में मतदाताओं की कुल संख्या 2,03,54,350 है। श्री अग्रवाल ने बताया कि 2,03,54,350 मतदाताओं में से 1,07,75,957 पुरुष, 95,77,926 महिलायें और थर्ड जेंडर 467 मतदाता हैं। उन्होंने बताया कि 18 से 19 आयु वर्ग के 5,24,514 युवा मतदाता हैं। इसी प्रकार, 1,49,142 दिव्यांग मतदाता तथा 85 वर्ष से अधिक आयु के 2,31,093 मतदाता हैं। इसके अलावा, 100 वर्ष से अधिक आयु के मतदाताओं की संख्या 8,821 है। इसके अतिरिक्त, 1,09,217 सर्विस मतदाता हैं।

बागरा में धूमधाम से मनाया गया गणेशोत्सव

बागरा, 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राजस्थान के जालौर जिले के बागरा गांव के खोडियार चबूतरा में श्री गणपति मित्र मंडल की ओर से गणेश उत्सव धूमधाम से मनाया गया, साथ ही भगवान गणेश की प्रतिमा का भी विसर्जन हुआ। भगवान गणेश को पालकी में बैठा कर पहले शोभायात्रा निकाली गई, जिसके बाद बागरा गांव में वगतानाडा में विसर्जन किया गया। बागरा गांव खोडियार चबूतरा के पास चल रहे गणेश चतुर्थी महोत्सव में इन दिनों डांडिया व गरबा नृत्य की धूम मची है। समारोह स्थलों पर रात में महिलाएं डांडिया नृत्य का आनंद लेती नजर आती हैं।

चल रहे गणेशोत्सव में बड़ी संख्या में लोग आयोजन स्थल पर पहुंच रहे हैं। आयोजन स्थलों पर रात में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हो रहा है। यहां 7 वर्ष से यह आयोजन हो रहा है। पूजा एवं शोभायात्रा के जरिए आपसी भाईचारा बढ़ाने, पर्यावरण बचाओ पेड़ लगाओ तथा बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ का संदेश दिया जा रहा है। लोगों का कहना है कि गणेश चतुर्थी पर प्रतिमा स्थापना की परंपरा यहां लंबे समय से है। समय के साथ हर वर्ष आयोजन स्थलों की तादाद में बढ़ोतरी हो रही है। आयोजन स्थलों पर महिलाएं व लड़कियां उत्साह के साथ डांडिया व गरबा नृत्य करती हैं। महिलाओं का कहना है कि कि गणेश चतुर्थी महोत्सव पर डांडिया खेलने की परंपरा यहां काफी समय से है। पहले सिर्फ नवरात्र पर ही यहां डांडिया खेला जाता था, लेकिन अब गणेश चतुर्थी पर भी खेला जाता है। 9 दिन तक डांडिया प्रतिदिन 9:00 बजे से रात 12:00 तक खेलते हैं।

मोहन भागवत ने संघ प्रचारकों से ली संघ कार्यों की जानकारी

अलवर, 16 सितंबर (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सर संघचालक मोहन भागवत सोमवार को संगठनात्मक बैठकों में व्यस्त रहे।

श्री भागवत ने प्रातः 9.00 बजे से 11.30 बजे तक दो सत्रों में संघ प्रचारकों से संघ कार्य के बारे में जानकारी ली तथा संघ के शत–ाब्दी वर्ष को ध्यान में रखते हुये कार्य विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण पर मार्गदर्शन किया। जयपुर प्रांत में कुल 1673 मडंल हैं। एक मंडल में लगभग 5–6 गांव होते हैं। वह शाम 5.30 बजे राजेंद्र नगर में गुरू गोविन्द सिंह विद्यार्थी शाखा में सम्मिलित रहे तथा शाखा टोली की बैठक में रहे।श्री भागवत संत महात्माओं से पूरे देश भर में मिलते रहते हैं, इसी क्रम में मंगलवार को प्रातः 10.00 बजे कोटपूतली बहरोड़ जिले में पावटा के पास बावड़ी स्थित बालनाथ आश्रम में चल रहे श्री महामृत्युंजय महायज्ञ में सम्मिलित होंगे। महंत बस्तीनाथ के साथ सामान्य शिष्टाचार बातचीत करेंगे। पर्यावरण के संदेश के निमित्त वहां पौधरोपण भी करेंगे।

रवि योग में आज होगी विश्वकर्मा पूजा

विश्वकर्मा पूजा 17 सितंबर को पूरे विधि-विधान के साथ मनाई जाएगी। इस दिन सृष्टि का निर्माण कार्य करने वाले भगवान विश्वकर्मा की जयंती मनाई जाती है और उनकी पूजा की जाती है। सभी मजदूर और मशीन पर काम करने वाले कुशल कामगार अपनी मशीनों की पूजा करते हैं और साथ ही भगवान विश्वकर्मा की पूजा करते हैं। अजमेर की प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्या नीतिका शर्मा ने बताया कि ब्रह्मांड के पहले इंजीनियर कहे जाने वाले भगवान विश्वकर्मा की विश्वकर्मा पूजा 17 सितंबर को मनाई जाएगी। इस बार की विश्वकर्मा पूजा रवि योग में है। 17 सितंबर को विश्वकर्मा पूजा के दिन रवि योग सुबह 6:07 मिनट से प्रारंभ है, जो दोपहर 1:53 मिनट तक है। इस दिन हर कारखाने, फैक्ट्री और दुकानों में उनकी धूमधाम से पूजा की जाती है। इस दिन औजार से जुड़ा काम करने वाले कुशल मजदूर और कामगार औजार का प्रयोग नहीं करते बल्कि उनकी पूजा करके उन्हें एक दिन के आराम देते हैं। इस दिन फैक्ट्रियों में सभी मशीनों और कलपुर्जों की पूजा की जाती है। तकनीकी क्षेत्र से जुड़े लोग विश्वकर्माजी को अपना भगवान मानते हैं और उनकी पूजा करते हैं।

शास्त्रों में भगवान विश्वकर्मा को वास्तुकार और शिल्पकार बताया गया है। साथ ही भगवान विश्वकर्मा ने ही इंद्रपुरी, द्वारिका, हस्तिनापुर, स्वर्गलोक, लंका और जगन्नाथपुरी का निर्माण किया था। शास्त्रों के अनुसार उन्होंने ही भगवान शिव का त्रिशूल और विष्णु भगवान का सुदर्शन चक्र तैयार किया था। इस वजह से ही विश्वकर्मा जयंती पर शस्त्रों की पूजा अर्चना की जाती है।

विश्वकर्मा पूजा तिथि

विश्वकर्मा पूजा को लेकर लोगों के बीच में इस बार कन्फ्यूजन की स्थिति बनी हुई है। हर साल भाद्रपद मास में सूर्य जब सिंह राशि से निकलकर कन्या राशि में प्रवेश करते हैं तो विश्वकर्मा पूजा मनाई जाती है। लेकिन इस बार लोगों के मन में 16 सितंबर को लेकर कन्फ्यूजन बना हुआ है। इस बार सूर्य 16 सितंबर की शाम को 7:29 मिनट पर कन्या राशि में प्रवेश कर रहे हैं। इसलिए विश्वकर्मा जयंती अगले दिन यानी कि 17 सितंबर को मनाई जाएगी। बिहार, बंगाल और झारखंड के साथ ही उत्तर प्रदेश में विश्वकर्मा पूजा विधिविधान से की जाती है। इस दिन कुशल कामगार जैसे कारपेंटर, बिजली के उपकरणों को सही करने वाले या फिर अन्य तकनीकी क्षेत्र से जुड़े लोग भी भगवान विश्वकर्मा को भोग प्रसाद चढ़ाते हैं और उनकी पूजा करते हैं।

रवि योग

इस बार की विश्वकर्मा पूजा रवि योग में है। 17 सितंबर को विश्वकर्मा पूजा के दिन रवि योग सुबह 6:07 मिनट से प्रारंभ है, जो दोपहर 1:53 मिनट तक है।

विश्वकर्मा पूजा पर भद्रा का साया

विश्वकर्मा पूजा के दिन भद्रा का साया है। उस दिन भद्रा दिन में 11:44 मिनट से लग रही है। यह रात 9:55 मिनट तक रहेगी। इस भद्रा का वास पृथ्वी लोक पर है। धरती की भद्रा अशुभ प्रभाव वाली मानी जाती है, जिसमें कोई भी शुभ कार्य नहीं करते हैं। ऐसे में आपको विश्वकर्मा पूजा भद्रा से पहले कर लेनी चाहिए।

राज पंचक

विश्वकर्मा पूजा के दिन राज पंचक लगा है। इस पंचक का प्रारंभ 1 दिन पहले यानी 16 सितंबर सोमवार से हो रहा है। सोमवार को शुरू होने वाला पंचक राज पंचक कहलाता है। राज पंचक शुभ फलदायी होता है।

विश्वकर्मा पूजा के फायदे

विश्वकर्मा पूजा के दिन लोग अपनी दुकान, वाहन, मशीन, औजार, कलपुर्जे आदि की पूजा करते हैं।इस अवसर पर देवता के शिल्पी भगवान विश्वकर्मा की पूजा की जाती है। उनके आशीर्वाद से बिजनेस में उन्नति होती है। पूरे साल भर काम अच्छे से चलता है। किसी भी प्रकार की कोई विघ्न बाधा नहीं आती है।

विश्वकर्मा पूजा का महत्व

विश्वकर्मा पूजा न सिर्फ मजदूरों और कामगारों बल्कि हम सभी के लिए भी जरूरी मानी जाती है। आज के युग में हर व्यक्ति मोबाइल और लैपटॉप के बिना अपना काम नहीं कर पाता है। इसलिए ये भी एक प्रकार की मशीन हैं और इनका प्रयोग करने वाले सभी लोगों के लिए भी विश्वकर्मा पूजा का महत्व बहुत खास माना गया है। इसलिए विश्वकर्मा पूजा के दिन हम सभी को पूजा करनी चाहिए और साथ ही यह भी प्रार्थना करनी चाहिए कि हम जिस भी मशीन से जुड़ा काम करते हैं साल भर वह मशीन ठीक से सुचारू रूप से कार्य करे, ताकि हमारे रोजाना के काम में बाधा न आएं।

विश्वकर्मा पूजा विधि

विश्वकर्मा पूजा के दिन सुबह सबसे पहले मशीनों की खूब अच्छे से साफ-सफाई करें और उसके बाद इन मशीनों को ऑफ करके इनकी पूजा करें। भगवान विश्वकर्मा की तस्वीर या मूर्ति को मशीनों के पास में रखकर साथ में दोनों की पूजा करनी चाहिए। इस दिन मशीनों के साथ-साथ आपको अपने वाहनों की पूजा करनी चाहिए। इस दिन घर की सभी छोटी-बड़ी मशीनों की पूजा करनी चाहिए और साथ ही आपको भोग व प्रसाद भी इस दिन चढ़ाना चाहिए। विश्वकर्मा पूजा के दिन आपको घर की बनी शुद्ध चीजों का ही भोग लगाना चाहिए। इनमें मोतीचूर के लड्डू, मीठी बूंदी, चावल की खीर या हलवे का भोग आप लगा सकते हैं। इस दिन कुछ स्थानों पर भंडारे का भी आयोजन किया जाता है। विश्वकर्मा पूजा के दिन गरीब और जरूरतमंद लोगों को रोजाना में प्रयोग आने वाली वस्तुओं का दान भी करना चाहिए।

-ज्योतिषाचार्या नीतिका शर्मा
अजमेर

श्राद्ध में करें गीता का पाठ, पितरों को मिलेगी शांति

श्रद्धा से किया गया कर्म श्राद्ध कहलाता है। अपने पितरों के लिए श्रद्धा से किए गए मुक्ति कर्म को श्राद्ध कहते हैं। उन्हें तृप्त करने की क्रिया को तर्पण कहा जाता है। तर्पण करना ही पिंडदान करना है। भाद्रपद की पूर्णिमा से अश्विन कृष्ण की अमावस्या तक कुल 16 दिन तक श्राद्ध रहते हैं। इन 16 दिनों के लिए हमारे पितृ सूक्ष्म रूप में हमारे घर में विराजमान होते हैं। पितृ पक्ष 17 सितंबर को भाद्रपद मास की शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि से आरंभ हो रहा है। वह इसका समापन 2 अक्टूबर को आश्विन मास की कृष्ण पक्ष की अमावस्या पर होगा। अजमेर की प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्या नीतिका शर्मा ने बताया कि पितृ पक्ष में मृत्यु की तिथि के अनुसार श्राद्ध किया जाता है। अगर किसी मृत व्यक्ति की तिथि ज्ञात न हो तो ऐसी स्थिति में अमावस्या तिथि पर श्राद्ध किया जाता है। इस दिन सर्वपितृ श्राद्ध योग माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पितृ पक्ष के दौरान पितर संबंधित कार्य करने से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस पक्ष में विधि- विधान से पितर संबंधित कार्य करने से पितरों का आर्शावाद प्राप्त होता है। पितृ पक्ष की शुरुआत भाद्र मास में शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि से होती है। आश्विन मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि तक पितृ पक्ष रहता है। श्राद्ध में श्रीमद्भागवत गीता के सातवें अध्याय का माहात्म्य पढ़कर फिर पूरे अध्याय का पाठ करना चाहिए। इस पाठ का फल आत्मा को समर्पित करना चाहिए।

ज्योतिषाचार्या ने बताया कि श्राद्धकर्म से पितृगण के साथ देवता भी तृप्त होते हैं। श्राद्ध-तर्पण हमारे पूर्वजों के प्रति हमारा सम्मान है। इसी से पितृ ऋण भी चुकता होता है। श्राद्ध के 16 दिनों में अष्टमुखी रुद्राक्ष धारण करें। इन दिनों में घर में 16 या 21 मोर के पंख अवश्य लाकर रखें। शिवलिंग पर जल मिश्रित दुग्ध अर्पित करें। घर में प्रतिदिन खीर बनाएं। भोजन में से सर्वप्रथम गाय, कुत्ते और कौए के लिए ग्रास अलग से निकालें। माना जाता है कि यह सभी जीव यम के काफी निकट हैं। श्राद्ध पक्ष में व्यसनों से दूर रहें। पवित्र रहकर ही श्राद्ध किया जाता है। श्राद्ध पक्ष में शुभ कार्य भी वर्जित माने गए हैं। श्राद्ध का समय दोपहर में उपयुक्त माना गया है। रात्रि में श्राद्ध नहीं किया जाता। श्राद्ध के भोजन में बेसन का प्रयोग वर्जित है। श्राद्ध कर्म में लोहे या स्टील के पात्रों का प्रयोग नहीं करना चाहिए। पितृदोष जब शांत हो जाता है तो स्वास्थ्य, परिवार और धन से जुड़ी बाधाएं भी दूर हो जाती हैं।

शास्त्रों के अनुसार पितृगणों का श्राद्ध कर्म करने के लिए वर्ष में 96 अवसर मिलते हैं। साल के 12 माह में 12 अमावस्या तिथि को भी श्राद्ध किया जा सकता है। श्राद्ध कर्म करने से तीन पीढ़ियों के पूर्वजों को तर्पण किया जा सकता है। श्राद्ध तीन पीढ़ियों तक होता है। श्राद्ध पुत्र, पोता, भतीजा या भांजा करते हैं। जिनके घर में पुरुष सदस्य नहीं हैं, उनमें महिलाएं भी श्राद्ध कर सकती हैं। पितृ पक्ष में सभी तिथियों का अलग-अलग महत्व है। जिस व्यक्ति की मृत्यु जिस तिथि पर होती है, पितृ पक्ष में उसी तिथि पर श्राद्ध कर्म किए जाते हैं। पूर्णिमा तिथि से पितृ पक्ष आरंभ होता है। प्रतिपदा तिथि पर नाना-नानी के परिवार में किसी की मृत्यु हुई हो और मृत्यु तिथि ज्ञात न हो तो उसका श्राद्ध प्रतिपदा पर किया जाता है। पंचमी तिथि पर अगर किसी अविवाहित व्यक्ति की मृत्यु हुई है तो उसका श्राद्ध इस तिथि पर करना चाहिए। अगर किसी महिला की मृत्यु हो गई है और मृत्यु तिथि ज्ञात नहीं है तो उसका श्राद्ध नवमी तिथि पर किया जाता है। एकादशी पर मृत संन्यासियों का श्राद्ध किया जाता है। जिनकी मृत्यु किसी दुर्घटना में हो गई है, उनका श्राद्ध चतुर्दशी तिथि पर करना चाहिए। सर्वपितृ मोक्ष अमावस्या पर ज्ञात-अज्ञात सभी पितरों के लिए श्राद्ध करना चाहिए। जिनकी अकाल मृत्यु हुई हो, उनका श्राद्ध चतुर्दशी तिथि को किया जाता है।

पितरों का कर्ज चुकाना एक जीवन में तो संभव ही नहीं, उनके द्वारा संसार त्याग कर चले जाने के बाद भी श्राद्ध करते रहने से उनका ऋण चुकाने की परंपरा है। इसमें जो षष्ठी तिथि को श्राद्धकर्म संपन्न करता है उसकी पूजा देवता भी करते हैं। पितृ पक्ष के दौरान दिवंगत पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए श्राद्ध किया जाता है। मान्यता है कि अगर पितर नाराज हो जाएं तो व्यक्ति का जीवन भी खुशहाल नहीं रहता और उसे कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। यही नहीं घर में अशांति फैलती है और व्यापार व गृहस्थी में भी हानि झेलनी पड़ती है। ऐसे में पितरों को तृप्त करना और उनकी आत्मा की शांति के लिए पितृ पक्ष में श्राद्ध करना जरूरी माना जाता है। श्राद्ध के जरिए पितरों की तृप्ति के लिए भोजन पहुंचाया जाता है और पिंड दान व तर्पण कर उनकी आत्मा की शांति की कामना की जाती है। श्राद्ध से जो भी कुछ देने का हम संकल्प लेते हैं, वह सब कुछ उन पूर्वजों को अवश्य प्राप्त होता है। जिस तिथि में जिस पूर्वज का स्वर्गवास हुआ हो उसी तिथि को उनका श्राद्ध किया जाता है जिनकी परलोक गमन की तिथि ज्ञान न हो, उन सबका श्राद्ध अमावस्या को किया जाता है।

एकादशी का श्राद्ध सर्वश्रेष्ठ दान

श्राद्ध न किया जाए तो पितर गृहस्थ को दारुण शाप देकर पितृलोक लौट जाते है। एकादशी का श्राद्ध सर्वश्रेष्ठ दान है। वह समस्त वेदों का ज्ञान प्राप्त कराता है। उसके सम्पूर्ण पापकर्मों का विनाश हो जाता है तथा उसे निरंतर ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है।

वहीं, द्वादशी तिथि के श्राद्ध से राष्ट्र का कल्याण तथा प्रचुर अन्न की प्राप्ति कही गई है। त्रयोदशी के श्राद्ध से संतति, बुद्धि, धारणाशक्ति, स्वतंत्रता, उत्तम पुष्टि, दीर्घायु तथा ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है।

दिन का महत्व

जो पूर्णमासी के दिन श्राद्ध आदि करता है उसकी बुद्धि, पुष्टि, स्मरणशक्ति, धारणाशक्ति, पुत्र-पौत्रादि एवं ऐश्वर्य की वृद्धि होती। वह पर्व का पूर्ण फल भोगता है। प्रतिपदा धन-सम्पत्ति के लिए होती है एवं श्राद्ध करने वाले की प्राप्त वस्तु नष्ट नहीं होती।

जो सप्तमी को श्राद्ध आदि करता है उसको महान यज्ञों के पुण्य फल प्राप्त होते हैं। अष्टमी को श्राद्ध करने वाला सम्पूर्ण समृद्धियां प्राप्त करता है। नवमी को श्राद्ध करने से ऐश्वर्य एवं मन के अनुसार अनुकूल चलने वाली स्त्री को प्राप्त करता है। दशमी तिथि का श्रद्धा मनुष्य ब्रह्मत्व की लक्ष्मी प्राप्त कराता है।

ऐसे करें श्राद्ध

* श्राद्ध करने के लिए किसी ब्राह्मण को आमंत्रित करें, भोज कराएं और अपनी सामर्थ्य के अनुसार दक्षिणा भी दें।

* श्राद्ध के दिन अपनी सामर्थ्य या इच्छानुसार खाना बनाएं।

* आप जिस व्यक्ति का श्राद्ध कर रहे हैं उसकी पसंद के मुताबिक खाना बनाएं जो उचित रहेगा।

* मान्यता है कि श्राद्ध के दिन स्मरण करने से पितर घर आते हैं और अपनी पसंद का भोजन कर तृप्त हो जाते हैं।

* खाने में लहसुन-प्याज का इस्तेमाल न करें।

* शास्त्रों में पांच तरह की बलि (पांच अंश) बताई गई हैं: गौ (गाय) बलि, श्वान (कुत्ता) बलि, काक (कौवा) बलि, देवादि बलि, पिपीलिका (चींटी) बलि।

श्राद्ध विधि

पौराणिक ग्रंथों के अनुसार श्राद्ध करने की भी विधि होती है। यदि पूरे विधि विधान से श्राद्ध कर्म न किया जाए तो मान्यता है कि वह श्राद्ध कर्म निष्फल होता है और पूर्वजों की आत्मा अतृप्त ही रहती है। शास्त्रसम्मत मान्यता यही है कि किसी सुयोग्य विद्वान ब्राह्मण के जरिए ही श्राद्ध कर्म (पिंड दान, तर्पण) करवाना चाहिए। श्राद्ध कर्म में पूरी श्रद्धा से ब्राह्मणों को तो दान दिया ही जाता है साथ ही यदि किसी गरीब, जरूरतमंद की सहायता भी आप कर सकें तो बहुत पुण्य मिलता है। इसके साथ-साथ गाय, कुत्ते, कौवे आदि पशु-पक्षियों के लिए भी भोजन का एक अंश जरूर डालना चाहिए।

श्राद्ध करने के लिए सबसे पहले जिसके लिए श्राद्ध करना है उसकी तिथि का ज्ञान होना जरूरी है। जिस तिथि को मृत्यु हुई हो उसी तिथि को श्राद्ध करना चाहिए। लेकिन कभी-कभी ऐसी स्थिति होती है कि हमें तिथि पता नहीं होती तो ऐसे में आश्विन अमावस्या का दिन श्राद्ध कर्म के लिए श्रेष्ठ होता है क्योंकि इस दिन सर्वपितृ श्राद्ध योग माना जाता है। दूसरी बात यह भी महत्वपूर्ण है कि श्राद्ध करवाया कहां पर जा रहा है। यदि संभव हो तो गंगा नदी के किनारे पर श्राद्ध कर्म करवाना चाहिए। यदि यह संभव न हो तो घर पर भी इसे किया जा सकता है। जिस दिन श्राद्ध हो उस दिन ब्राह्मणों को भोज करवाना चाहिए.भोजन के बाद दान दक्षिणा देकर भी उन्हें संतुष्ट करें।

श्राद्ध पूजा दोपहर के समय शुरू करनी चाहिए. योग्य ब्राह्मण की सहायता से मंत्रोच्चारण करें और पूजा के पश्चात जल से तर्पण करें। इसके बाद जो भोग लगाया जा रहा है उसमें से गाय, कुत्ते, कौवे आदि का हिस्सा अलग कर देना चाहिए। इन्हें भोजन डालते समय अपने पितरों का स्मरण करना चाहिए. मन ही मन उनसे श्राद्ध ग्रहण करने का निवेदन करना चाहिए।

इन पांच जीवों का ही चुनाव क्यों किया गया है

पितृपक्ष शुरू हो चुके है और ऐसा माना जाता है कि इस दौरान हमारे पितर धरती पर आकर हमें आशीर्वाद देते हैं। पितृ पक्ष में पितरों का श्राद्ध करना बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। हमारे पितृ पशु पक्षियों के माध्यम से हमारे निकट आते हैं और गाय, कुत्ता, कौवा और चींटी के माध्यम से पितृ आहार ग्रहण करते हैं।

श्राद्ध के समय पितरों के लिए भी आहार का एक अंश निकाला जाता है, तभी श्राद्ध कर्म पूरा होता है। श्राद्ध करते समय पितरों को अर्पित करने वाले भोजन के पांच अंश निकाले जाते हैं गाय, कुत्ता, चींटी, कौवा और देवताओं के लिए।

कुत्ता जल तत्त्व का प्रतीक है, चींटी अग्नि तत्व का, कौवा वायु तत्व का, गाय पृथ्वी तत्व का और देवता आकाश तत्व का प्रतीक हैं। इस प्रकार इन पांचों को आहार देकर हम पंच तत्वों के प्रति आभार व्यक्त करते हैं।. केवल गाय में ही एक साथ पांच तत्व पाए जाते हैं। इसलिए पितृ पक्ष में गाय की सेवा विशेष फलदाई होती है।

कुछ बातों का ध्यान रखना भी जरूरी

* पितरों को खुश रहने के लिए श्राद्ध के दिनों में विशेष कार्य करना चाहिए वही इस दौरान कुछ बातों का ध्यान रखना भी जरूरी है।

श्राद्ध करने के लिए ब्रह्मवैवर्त पुराण जैसे शास्त्रों में बताया गया है कि दिवंगत पितरों के परिवार में या तो ज्येष्ठ पुत्र या कनिष्ठ पुत्र और अगर पुत्र न हो तो नाती, भतीजा, भांजा या शिष्य ही तिलांजलि और पिंडदान देने के पात्र होते हैं।

* पितरों के निमित्त सारी क्रियाएं गले में दाये कंधे मे जनेउ डाल कर और दक्षिण की ओर मुख करके की जाती है।

* कई ऐसे पितर भी होते है जिनके पुत्र संतान नहीं होती है या फिर जो संतान हीन होते हैं। ऐसे पितरों के प्रति आदर पूर्वक अगर उनके भाई भतीजे, भांजे या अन्य चाचा ताउ के परिवार के पुरूष सदस्य पितृपक्ष में श्रद्धापूर्वक व्रत रखकर पिंडदान, अन्नदान और वस्त्रदान करके ब्राह्मणों से विधिपूर्वक श्राद्ध कराते है तो पितर की आत्मा को मोक्ष मिलता है।

* श्राद्ध के दिन लहसुन, प्याज रहित सात्विक भोजन ही घर की रसोई में बनना चाहिए। जिसमें उड़द की दाल, बडे, चावल, दूध, घी से बने पकवान, खीर, मौसमी सब्जी जैसे तोरई, लौकी, सीतफल, भिण्डी कच्चे केले की सब्जी ही भोजन में मान्य है। आलू, मूली, बैंगन, अरबी तथा जमीन के नीचे पैदा होने वाली सब्जियां पितरों को नहीं चढ़ती है।

* श्राद्ध का समय हमेशा जब सूर्य की छाया पैरो पर पड़ने लग जाए यानी दोपहर के बाद ही शास्त्र सम्मत है। सुबह-सुबह अथवा 12 बजे से पहले किया गया श्राद्ध पितरों तक नहीं पहुंचता है।

पितरों के लिए श्रद्धा एवं कृतज्ञता प्रकट करने वाले को कोई निमित्त बनाना पड़ता है। यह निमित्त है श्राद्ध। पितरों के लिए कृतज्ञता के इन भावों को स्थिर रखना हमारी संस्कृति की महानता को प्रकट करता है। देवस्मृति के अनुसार श्राद्ध करने की इच्छा करने वाला व्यक्ति परम सौभाग्य पाता है।

शुभ लाभ

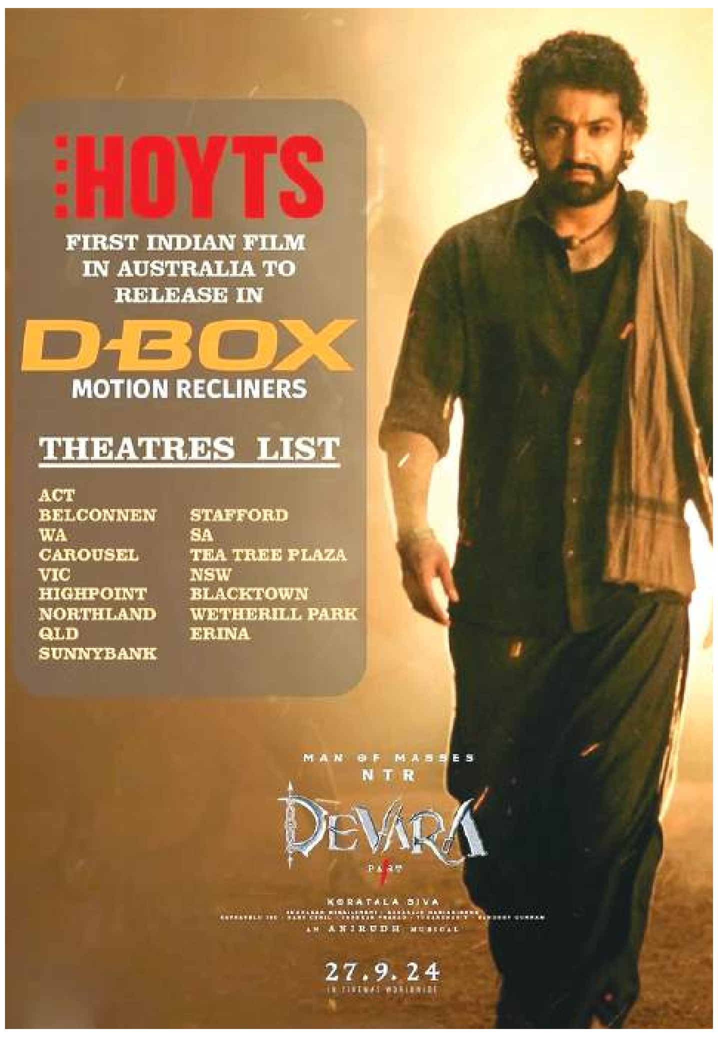

डी-बॉक्स टेक्नोलॉजी में रिलीज होने वाली पहली भारतीय फिल्म बनी जूनियर एनटीआर की देवरा पार्ट 1

जूनियर एनटीआर और जाह्नवी कपूर की आगामी फिल्म देवरा पार्ट 1 सिनेमाघरों में धमाल मचाने के लिए तैयार है। कुछ दिन पहले ही मेकर्स ने फिल्म का ट्रेलर रिलीज लॉन्च किया है। इसे फैंस और दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। वहीं, मेकर्स फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर बनाने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा रहे हैं। हाल ही में मेकर्स ने फिल्म से जुड़ी एक अपडेट साझा की है, जिसमें उन्होंने बताया है कि वे देवरा को डी-बॉक्स पर रिलीज करने वाले हैं।देवरा मेकर्स ने इंस्टाग्राम हैंडल पर फिल्म के पोस्टर के साथ एक अपडेट साझा किया है। मेकर्स ने बताया है कि देवरा पार्ट 1 पहली ऐसी भारतीय फिल्म बन गई है जिसे खास तौर पर डी-बॉक्स टेक्नोलॉजी में रिलीज किया जाएगा। मेकर्स ने पोस्टर में थिएटर्स की लिस्ट की भी झलक दिखाई है।मेकर्स ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, यह उपलब्धि हासिल करने वाली पहली भारतीय फिल्म। देखते रहिए।।। यह मैन जूनियर एनटीआर और भी बहुत कुछ करता रहता है। इससे पहले, कुछ फिल्में डी-बॉक्स पर रिलीज की गई थीं, लेकिन यह पूरी तरह से एक्सक्लूसिव नहीं थी। लेकिन, देवरा के मामले में, इस लेटेस्ट टेक्नेलॉजी में कंटेंट को मास्टरपीस के तौर पर तैयार किया गया है।डी-बॉक्स एक हैप्टिक तकनीक है जो मूवी देखने, गेम खेलने के अनुभव को बढ़ाती है। डी-बॉक्स सीटों में मोशन एक्ट्यूएटर होते हैं जो स्क्रीन पर होने वाली हरकतों के साथ तालमेल बिठाते हैं, ताकि आप फिल्म के एक मोमेंट और सीन्स को महसूस कर सकें। डी-बॉक्स कई मूवी थिएटरों में उपलब्ध है, जिसमें सिनेप्लेक्स और सिनेमार्क शामिल हैं।डी-बॉक्स थियेटर एक्सपीरियंस 65,000 से ज्यादा हैप्टिक मूवमेंट, वाइब्रेशन और टेक्सचर के जरिए फिल्मों को जीवंत करता है, जो ऑन-स्क्रीन एक्शन के साथ पूरी तरह से सिंक्रोनाइज़ होते हैं। थियेटर व्यूइंग एक्सपीरियंस के लिए खास तौर पर डिजाइन किए गए रिक्लाइनर उपलब्ध होंगे। डिस्ट्रीब्यूटर ने उन स्क्रीन की लिस्ट जारी की है, जहां फिल्म इस टेक्नेलॉजी के साथ उपलब्ध है।कोराताला शिवा की निर्देशित देवरा पार्ट 1 में जूनियर एनटीआर के साथ जाह्नवी कपूर, सैफ अली खान अहम भूमिका में हैं। यह दो भाग में रिलीज होगा। फिल्म का पहला भाग इस महीने की 27 तारीख को रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

फिल्म जो तेरा है वो मेरा है का ट्रेलर जारी

जियो सिनेमा पर 20 सितंबर को रिलीज होगी फिल्म

अभिनेता परेश रावल प्रशंसकों के लिए लिए एक कॉमेडी फिल्म लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म को लेकर वह काफी उत्साहित भी हैं। परेश रावल अमित सियाल और सोनाली कुलकर्णी के साथ जो तेरा है वो मेरा है नाम की फिल्म के साथ दर्शकों को गुदगुदाने की तैयारी में हैं। जो तेरा है वो मेरा है का ट्रेलर निर्माताओं ने जारी किया, जिसका निर्देशन राज त्रिवेदी ने किया है। ट्रेलर में चाय बेचने वाले से ठग बने मितेश मेघानी (अमित सियाल) के जीवन, उसकी गलतफहमियों और मजेदार कारनामों की झलक दिखाई गई है। मितेश एक बूढ़े व्यक्ति (परेश रावल) को धोखा देकर अपने परिवार का प्यार पाने की कोशिश करता है।

इस फिल्म को लेकर अभिनेता परेश रावल काफी उत्साहित हैं। अभिनेता ने फिल्म की टीम द्वारा साझा किए गए एक प्रेस नोट में कहा, जो तेरा है वो मेरा हैळ एक कॉमेडी-ड्रामा फिल्म है जो हास्य को खूबसूरती से दिखाता है। स्क्रिप्ट बहुत ही मजेदार थी और इस कहानी को जीवंत करना अविश्वसनीय रूप से फायदेमंद रहा है। कॉमेडी, हालांकि, अक्सर हल्के-फुल्के अंदाज में देखी जाती है, लेकिन इसके लिए बहुत अधिक कौशल और समर्पण की आवश्यकता होती है और इस फिल्म पर काम करना इसका एक सच्चा प्रमाण है। अजय राय के नेतृत्व वाली ऐसी शानदार टीम के साथ काम करना बहुत अच्छा रहा।ळ परेश रावल ने कहा, अमित सियाल, सोनाली कुलकर्णी और बाकी प्रतिभाशाली कलाकारों और क्रू के साथ काम करना एक परम आनंद रहा है - सेट पर हर दिन हंसी और मस्ती से भरा था। जियो स्टूडियो ने ऐसी शानदार स्क्रिप्ट चुनी हैं जिसका आनंद आप अब जियो सिनेमा पर अपने घर बैठे ले सकते हैं। मैं दर्शकों को हमारे द्वारा दिखाए गए ड्रामा का अनुभव करने और हमारी फिल्म पर उनकी प्रतिक्रियाएं सुनने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। जो तेरा है वो मेरा है जियो सिनेमा पर 20 सितंबर से प्रसारित होगी।

नेहा मलिक ने बॉडीकॉन ड्रेस में दिए किलर पोज

भोजपुरी क्वीन नेहा मलिक आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर अक्सर फैंस का ध्यान अपनी ओर खींचती रहती हैं। उनका बोल्ड लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं।नेहा मलिक अपनी एक्टिंग से ज्यादा बोल्ड लुक्स को लेकर फैंस के बीच चर्चाओं में रहत हैं। उनका सिजलिंग अंदाज इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लग जाता है।हाल ही में एक्ट्रेस नेहा मलिक ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से बेकाबू हो गए हैं।नेहा मलिक जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनके लुक्स पर दिलखोलकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी ऐसा ही देखने को मिल रहा है।फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस नेहा मलिक ने नियॉन कलर का बॉडीकॉन ड्रेस पहना हुआ है, जिसमें वो बेहद ही शानदार नजर आ रही हैं। उनके इस लुक पर से फैंस की नजरें हटने का नाम नहीं ले रही है।बालों को कर्ली स्टाइल कर के और साथ ही मिनिमल मेकअप कर के एक्ट्रेस नेहा मलिक ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। उनका ये किलर अंदाज देखकर फैंस मंत्रमुग्ध हो गए हैं।बता दें कि एक्ट्रेस भले ही इन दिनों किसी एल्बम सॉन्गस में नजर नहीं आ रही हैं, लेकिन आए दिन अपनी लेटेस्ट पोस्ट इंस्टाग्राम पर साझा कर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रही हैं।नेहा मलिक सोशल मीडिया लवर हैं और इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग भी काफी तगड़ी है। उनका हर एक लुक इंस्टाग्राम पर पोस्ट होते ही फैंस के बीच ट्रेंड करने लगता है।

स्टाइलिश आउटफिट पहन अवनीत कौर ने शेयर किया हॉट लुक

छोटे पर्दे से करियर की शुरुआत करने वाली एक्ट्रेस अवनीत कौर आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अपनी एक्टिंग और फैशन स्टेटमेंट्स से लोगों को इस कदर दीवाना बनाया है कि लोग उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें पोस्ट की हैं, जिसमें वो काफी गॉर्जियस नजर आ रही हैं।एक्ट्रेस अवनीत कौर इंस्टाग्राम पर अपनी लेटेस्ट तस्वीरें शेयर कर अक्सर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका स्टनिंग लुक सोशल मीडिया पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है।अब हाल ही में एक्ट्रेस अवनीत कौर ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका हॉट अंदाज देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं।इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस अवनीत कौर ने बेहद ही स्टाइलिश आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो किलर अंदाज में पोज देते हुए नजर आ रही हैं।बालों को कर्ली स्टाइल लुक देकर और साथ ही लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस अवनीत कौर ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देती हुई हॉट फोटोज क्लिक करवा रही हैं।बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर करती हैं तो फैंस उनके हर एक स्टाइल को फॉलो करते हैं। साथ ही लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए रिएक्संस भी देते हैं।

बॉक्स ऑफिस पर बरकरार है सरकटे का डर

पांचवें हफ्ते फिर बढ़ी स्त्री 2 की कमाई

स्त्री 2 इसी साल 15 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। कई दूसरी मूवीज के साथ क्लैश के बावजूद फिल्म ने रिकॉर्ड तोड़ कलेक्शन किया और एक महीने बाद भी पर्दे पर बनी हुई है। स्त्री 2 को रिलीज हुए 31 दिन हो गए हैं लेकिन फिल्म अब भी बॉक्स ऑफिस पर हर रोज करोड़ों का कलेक्शन कर रही है। वहीं पांचवें शनिवार फिल्म की कमाई में इजाफा हुआ है और इसने नया रिकॉर्ड बना लिया है।सैकनिल्क के आंकड़ों के मुताबिक स्त्री 2 ने 30 दिन में कुल 567.53 करोड़ रुपए भारत में कमाए थे। वहीं 31वें दिन फिल्म ने बंपर कमाई की है। कई दूसरी फिल्मों के पर्दे पर होते हुए भी स्त्री 2 ने पांचवें शनिवार रिकॉर्ड तोड़ कलेक्शन किया है। बता दें कि श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव स्टारर हॉरर-कॉमेडी फिल्म ने 31वें दिन (पांचवें शनिवार) 5.25 करोड़ रुपए का बिजनेस किया है। स्त्री 2 ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर अब कुल 572.78 करोड़ रुपए बटोर लिए हैं। इसी के साथ ये चौथे हफ्ते सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर आ गई है। पहले नंबर पर अब भी बाहुबली 2 का दबदबा कायम है जिसने चौथे हफ्ते में भारत में 12 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया था।13 सितंबर को तीन फिल्मों ने सिनेमाघरों में दस्तक दी है। जहां करीना कपूर की फिल्म द बकिंघम मर्डर्स थिएटर्स में रिलीज हुई तो वहीं तुम्बाड और वीर जारा फिर से पर्दे पर आई है। हालांकि स्त्री 2 पर इसका कोई असर होता नहीं दिख रहा है और फिल्म का दमदार कलेक्शन जारी है। एक तरफ स्त्री 2 घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 600 करोड़ क्लब में शामिल होने के करीब है तो दूसरी तरफ वर्ल्डवाइड 770 करोड़ के कलेक्शन के साथ फिल्म 800 करोड़ का आंकड़ा छूने के नजदीक है।

अक्षय कुमार की भूत बंगला में परेश रावल, असरानी, राजपाल यादव की हुई एंट्री, फिल्म को बना देंगे ब्लॉकबस्टर

अक्षय कुमार ने बीती 9 सितंबर को अपने 57वें बर्थडे पर फैंस को नई फिल्म भूत बंगला का तोहफा दिया था। हॉरर कॉमेडी फिल्म भूत बंगला को प्रियादर्शन डायरेक्ट कर रहे हैं। इससे पहले अक्षय कुमार के साथ प्रियादर्शन ने ब्लॉकबस्टर फिल्म भूल भुलैया (2007) दी थी। अक्षय और प्रियादर्शन अब 14 साल बाद एक बार फिर धमाका करने आ रहे हैं। इस बीच फिल्म भूत बंगला की बाकी की स्टारकास्ट के नाम सामने आए हैं। आइे जानते हैं फिल्म में किन-किन स्टार्स की एंट्री हुई है।फिल्म भूत बंगला में जिन स्टार्स की एंट्री हुई वो, अपनी कॉमेडी से कई फिल्मों को ब्लॉकबस्टर बना चुके हैं। साथ ही ये तीनों एक्टर अक्षय कुमार के साथ काम भी कर चुके हैं। इसमें पहला नाम है परेश रावल, दूसरा राजपाल यादव और तीसरा असरानी है। अक्षय कुमार के साथ यह कॉमेडी फिल्मों की यह तिकड़ी भूल भुलैया समेत फिल्म हेरा फेरी और गरम मसाला भी नजर आ चुकी है। वहीं, फिल्म में इन स्टार्स की एंट्री से अक्षय के फैंस के चेहरे खिल उठे हैं और फिल्म के हिट होने की गारंटी दे रहे हैं।हालांकि मेकर्स की ओर से इन तीनों नामों पर अभी मुहर नहीं लगी है। लेकिन सिनेलवर्स का कहना है कि यह फिल्म तो हिट है। एक ने लिखा है, अक्षय और इस तिकड़ी की कोई फिल्म फ्लॉप नही है, भूत बंगला भी हिट होगी। एक और यूजर लिखता है कि लंबे अरसे बाद इन सभी को साथ में फिल्म में देखने का चांस मिलेगा। एक और यूजर लिखता है, भूत बंगला फिल्म भूल भुलैया से भी बड़ी हिट साबित हो सकती है। बता दें, फिल्म भूत बंगला अगले साल 2025 में रिलीज होने जा रही है। फिल्म की रिलीज डेट नहीं बल्कि अभी रिलीज ईयर से ही पर्दा हटाया गया है।

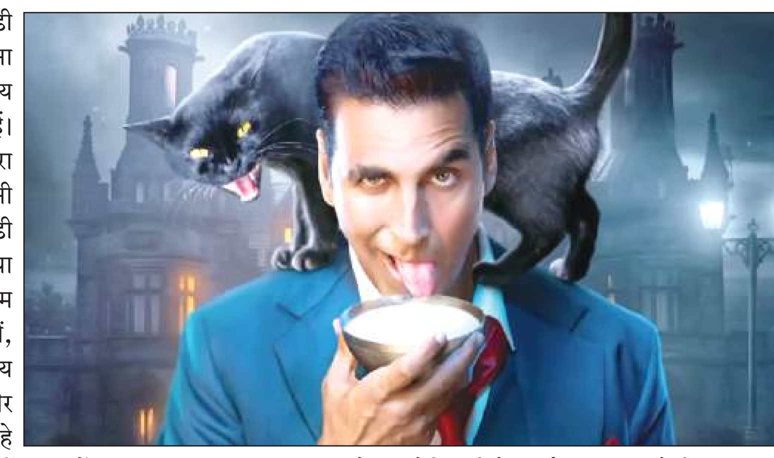

उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती

नया इतिहास रचेगा यूपी, 60 हजार सिपाहियों को मिलेगी ट्रेनिंग

लखनऊ, 16 सितंबर (एजेंसियां)।

देश की सबसे बड़ी भर्ती परीक्षा कराने का रिकॉर्ड कायम करने के बाद यूपी पुलिस अब प्रशिक्षण क्षमता में भी नया इतिहास रचने की तैयारी में है। सिपाही भर्ती के 60 हजार अभ्यर्थियों को एक साथ प्रशिक्षण प्रदान करने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाए जा रहे हैं। बीते कई वर्षों के प्रयास के बाद प्रदेश पुलिस ने अपनी प्रशिक्षण क्षमता को ढाई गुना से अधिक करने में सफलता हासिल की है।

प्रदेश में वर्तमान में करीब 40 हजार सिपाहियों को एक-साथ प्रशिक्षण देने की क्षमता विकसित की जा चुकी है, जिसे आगामी छह माह में 60 हजार करने का लक्ष्य तय किया गया है। करीब एक दशक पूर्व प्रदेश पुलिस के प्रशिक्षण केंद्रों की क्षमता महज 18 हजार थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा केंद्रों की क्षमता बढ़ाने के निर्देश के बाद युद्धस्तर पर इसे ढाई गुना किया जा रहा है। इसके लिए पीएसी की समस्त वाहिनियों में भी रीजनल ट्रेनिंग सेंटर की स्थापना की गई है। इसके लिए बैरकों का निर्माण कार्य तेजी से कराया जा रहा है। जिलों की पुलिस लाइन में भी प्रशिक्षण देने के इंतजाम किए जा रहे हैं। पुलिस विभाग में प्रशिक्षण देने के लिए मुरादाबाद, सीतापुर, मेरठ, गोरखपुर, सुल्तानपुर, उन्नाव, जालौन में केंद्र हैं। इसके अलावा जिलों और पीएसी में 31 स्थायी और 62 अस्थायी रीजनल ट्रेनिंग सेंटर भी हैं।

पुलिस विभाग का प्रशिक्षण निदेशालय 1983 में अस्तित्व में आया था, जिसके बाद लाखों पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। वहीं आजादी से पहले वर्ष 1893 में मुरादाबाद में सबसे पहले पुलिस अकादमी बनी थी। इन सभी केंद्रों में सिपाही से लेकर डिप्टी एसपी प्रशिक्षण हासिल करते हैं। इस बार करीब 15 हजार महिला सिपाही मिलने की वजह से उनके प्रशिक्षण का भी अलग से इंतजाम हो रहा है। उनके लिए बैरकों का भी निर्माण कराया जा रहा है। बता दें कि महिलाओं और पुरुषों को अलग-अलग प्रशिक्षण दिया जाता है। सिपाही भर्ती के बाद पीएसी में महिलाओं की भर्ती में भी इसका इस्तेमाल किया जा सकेगा।

प्रशिक्षण निदेशालय की तैयारी सिपाही भर्ती के सभी 60,244चयनित अभ्यर्थियों को साथ में प्रशिक्षण दिलाने की है। हालांकि इसमें यदि कोई अड़चन आती है तो अन्य विकल्पों जैसे अन्य राज्यों के प्रशिक्षण केंद्रों में भेजना, रोटेशन के आधार पर प्रशिक्षण देना और केंद्रीय बलों के प्रशिक्षण केंद्रों की मदद लेने आदि पर विचार किया जा रहा है। डीजीपी मुख्यालय की स्थापना शाखा ने 60 हजार नवचयनित सिपाहियों को आधारभूत प्रशिक्षण देने के लिए पीएसी की स्थायी एवं अस्थायी आरटीसी में प्रभारी अधिकारियों की तैनाती के लिए प्लाटून कमांडरों के नाम मांगे हैं। उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) प्रशांत कुमार ने कहा, मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्रदेश पुलिस ने अपने प्रशिक्षण केंद्रों की क्षमता में ढाई गुना का इजाफा किया है। 60 हजार सिपाहियों की भर्ती प्रक्रिया पूरी होने के बाद उनको प्रशिक्षण देने के विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं। इसके लिए अवस्थापना और कार्मिक सुविधाएं युद्धस्तर पर बढ़ाई जा रही हैं।

भारत से नेपाल ले जाकर ईसाई बनाने की हो रही थी कोशिश

महराजगंज, 16 सितंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के महाराजगंज से लगने वाले नेपाल के सीमाई इलाके में ईसाई धर्मांतरण को लेकर जम कर बवाल हुआ। भारत से ईसाई बनाने के लिए नेपाल ले जाए गए लोगों का विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल नेपाल के कार्यकर्ताओं ने जम कर विरोध किया। इस दौरान नेपाल के स्थानीय लोगों ने धर्मांतरण करवाने वालों के मुंह पर कालिख भी पोत दी और भारत वापस भेज दिया।

शनिवार 14 सितम्बर को महाराजगंज के ठूठीबारी कस्बे से लगभग 100 लोगों का एक जत्था नेपाल की तरफ निकला। इसमें बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे शामिल थे। नेपाल जाने वाले लोगों में इस इलाके के दलित-पिछड़े वर्ग के लोग भी शामिल थे। बताया गया कि इन्हें अमोस नाम के एक पादरी अमोस ने नेपाल के खैरहनी स्थित चर्च में बुलाया था। यहां उनका धर्मांतरण किया जाना था। इनके लिए नेपाल नंबर की दो विशेष बसें भी नेपाल में खड़ी की गईं थी। यह बसें नेपाल के महेशपुर बस स्टैंड पर खड़ी थीं। यहीं सभी लोग इकट्ठा हुए थे।

यह सभी बसों में बैठते इससे पहले इनके धर्मांतरण की सूचना नेपाल के विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं के साथ ही स्थानीय लोगों को लग गई। वह तुरंत ही इस बस स्टैंड के पास पहुंच गए और धर्मांतरण के विरोध में प्रदर्शन करने लगे। यहां मौजूद स्थानीय लोगों ने भारत से धर्मांतरण के लिए जाने वालों के साथ बदसलूकी की और उनके मुंह पर कालिख पोत दी। स्थानीय लोगों ने यहां के पादरी अमोस की भी पिटाई की। इसके बाद भारत से गए सभी लोगों को स्थानीय लोगों ने यहां से भगा दिया और भारत की सीमा पर छोड़ गए।

नेपाल के लोगों ने इस दौरान पुलिस भी बुला ली। पुलिस ने इन सभी लोगों के नाम-पते नोट किए और चेतावनी भी दी। नेपाल पुलिस के अलावा यहां स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी भी पहुंच गए। भारतीयों को वापस भेजने के बाद यह मामला शांत हुआ। महाराजगंज पुलिस ने इस मामले को ट्विटर पर स्पष्टीकरण दिया है। महाराजगंज पुलिस ने बताया है कि घटना उसके अधिकार क्षेत्र में ना होकर नेपाल में हुई है और इसके संबंध में नेपाल पुलिस से बातचीत चल रही है। पुलिस ने अपील की है कि इस घटना को महाराजगंज का बता कर प्रसारित न किया जाए। इस इलाके में धर्मांतरण का यह कोई पहला मामला नहीं है, इससे पहले 31 अगस्त, 2024 को भी ऐसा ही एक मामला प्रकाश में आया था। तब नेपाल के सीमावर्ती इलाके में केरल के दो पादरी पकड़े गए थे। यह यहीं के एक स्थानीय चर्च में धर्मांतरण करवाने की फिराक में थे। इनको पकड़ कर यूपी पुलिस को सौंप दिया गया था।

गंभीर मरीजों की सारथी बनी एएलएस एंबुलेंस सेवा

साढ़े तीन लाख मरीजों को मिली मुफ्त सुविधा

योगी ने वर्ष 2021 में शुरू की थी एडवांस लाइफ सपोर्ट एंबुलेंस सेवा

लखनऊ, 16 सितंबर (एजेंसियां)।

योगी सरकार ने प्रदेशवासियों को बेहतर और त्वरित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए वर्ष 2021 में एडवांस लाइफ सपोर्ट एंबुलेंस (एएलएस) सेवा की शुरुआत की थी।

इसके जरिए प्रदेश के विभिन्न जिलों के अब तक साढ़े तीन लाख से अधिक मरीजों को इलाज के लिए बड़े संस्थानों में शिफ्ट कर उनकी जान बचायी जा चुकी है। इसमें अति गंभीर, रेस्पिरेटरी मरीज और एक्सीडेंट से प्रभावित मरीज भी हैं।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की मिशन निदेशक डॉ. पिंकी जोवल ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश की सत्ता संभालते ही लचर स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए कई बड़े कदम उठाये। आज उसके परिणाम हम सबके सामने हैं। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के छोटे जिले और सुदूर इलाकों के अति गंभीर, रेस्पिरेटरी मरीज और एक्सीडेंट अफेक्टेड पेशेंट्स को गोल्डन ऑवर में बड़े संस्थान में शिफ्ट करके समुचित इलाज उपलब्ध कराने के लिए अगस्त वर्ष 2021 में एडवांस लाइफ सपोर्ट एंबुलेंस सेवा की शुरुआत की थी।

आज प्रदेश में 250 एएलएस एंबुलेंस सेवा के जरिये अति गंभीर मरीजों को इलाज के लिए विभिन्न जिलों से बड़े संस्थान जैसे एसजीपीजीआई, एम्स, केजीएमयू और लोहिया संस्थान में सुमचित इलाज के लिए शिफ्ट किया जा रहा है। पिछले तीन साल में ऐसे 3,60,584 मरीजों को इलाज के लिए गोल्डन आवर में बड़े संस्थान में शिफ्ट कर इलाज मुहैया कराया गया।

एएलएस एंबुलेंस सेवा के जरिए वाहन दुर्घटना के 63,448 गंभीर पीड़ितों, 17,218 गर्भवती महिलाओं और रेस्पिरेटरी के 71,238 मरीजों को सुविधा उपलब्ध कराई गई। इसके लिए अलावा अन्य कैटेगरी जैसे वन्य जीव संघर्ष में घायल, विषैले जीव-जंतु के काटने से जहर से प्रभावित समेत आदि को भी सुविधा का लाभ दिया गया। वहीं, 108 और 102 एंबुलेंस सेवा के जरिए भी मरीजों को निःशुल्क एंबुलेंस की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इन दोनों एंबुलेंस सेवा के जरिए प्रतिदिन 57 हजार से अधिक मरीजों को लाभ उपलब्ध कराया जा रहा है।

पंप स्टोरेज प्लांट्स का केंद्र बनेगा सोनभद्र, चंदौली और मिर्जापुर

लखनऊ, 16 सितंबर (एजेंसियां)।

सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के साथ ही अब योगी सरकार हाइड्रो बेस्ड पंप प्रोजेक्ट्स को भी बढ़ावा देने की दिशा में लगातार प्रयास कर रही है। मिर्जापुर, चंदौली और सोनभद्र पंप स्टोरेज प्लांट्स का केंद्र बनने की दिशा में अहम भूमिका निभाने को तैयार हैं। इन पंप प्लांट्स का प्रदेश में सबसे बड़ा हब मिर्जापुर बनने जा रहा है जहां विभिन्न कैपेसिटी के 4 प्लांट्स की स्थापना की जाएगी। वहीं सोनभद्र में लगने वाला पंप स्टोरेज प्लांट सबसे ज्यादा ऊर्जा उत्पन्न करने वाला होगा। चंदौली में भी पंप स्टोरेज प्लांट की स्थापना की जाएगी।

योगी सरकार इन सभी 6 प्लांट्स के जरिए प्रदेश में कुल मिलाकर 4,730 मेगावॉट ऊर्जा उत्पादन के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रही है। खास बात यह भी है कि इन सभी प्लांट्स को अगस्त के बीच में क्लीयरेंस दे दी गई है और अब इनकी स्थापना, निर्माण व विकास कार्यों को तेजी से पूरा करने की प्रक्रिया जल्द प्रारंभ होने वाली है। उल्लेखनीय है कि इन 6 प्लांट्स के अतिरिक्त सोनभद्र, चंदौली और मिर्जापुर में अन्य पंप स्टोरेज प्लांट्स को लेकर भी एक्मे, अवाडा व ईस्ट इंडिया पेट्रोलियम के पास इन प्रिंसिपल अप्रूवल है और इन सभी परियोजनाओं पर तेजी से कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए योगी सरकार द्वारा निर्देश दिए जा चुके हैं।

सीएम योगी के विजन अनुसार, परियोजना के अंतर्गत सबसे पहले इसी वर्ष 30 मई को सोनभद्र के गर्हावा में 1250 मेगावॉट कैपेसिटी का हाइड्रो पंप स्टोरेज प्लांट लगाने की स्वीकृति मिली थी। एक्वाग्रीन इंडीनियरिंग मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा इसे डेवलप किया जा रहा है और यह ऑफ स्ट्रीम लूप पंप प्रोजेक्ट होगा। यहां दो रिजर्वयर में सोन नदी का पानी पंप करके स्टोरेज कैपेसिटी बढ़ाई जाएगी जिसके बाद रिजर्वॉयर से 4.6 किलोमीटर दूर पंप इनटेक वेल की स्थापना की जाएगी। 6100.62 करोड़ रुपए की धनराशि के जरिए सभी निर्माण व विकास कार्यों को परियोजना के अंतर्गत पूरा किया जाएगा। वहीं, चंदौली के मुबारकपुर में इसी वर्ष 8 अगस्त को 600 मेगावॉट कैपेसिटी के हाइड्रो पंप स्टोरेज प्लांट के निर्माण को स्वीकृति मिली थी।

इसका निर्माण एक्मे ऊर्जा टू प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है और यह क्लोज्ड लूप स्टोरेज हाइड्रो प्रोजेक्ट होगा। यहां भी अपर रिजर्वॉयर व लोअर रिजर्वॉयर मैकेनिज्म से ऊर्जा उत्पादन किया जाएगा और परियोजना के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के निर्माण व विकास कार्यों को 3544.81 करोड़ की लागत से पूरा किया जाएगा।

मिर्जापुर में पंप स्टोरेज प्लांट्स के प्रोजेक्ट के जरिए योगी सरकार 3480 मेगावॉट ऊर्जा उत्पन्न करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। परियोजना के अंतर्गत 26 जून से 29 अगस्त के बीच कुल चार पंप स्टोरेज प्रोजेक्ट्स की स्थापना को हरी झंडी मिली है। इनमें अवाडा ग्रुप द्वारा कटरा में 4410 करोड़ रुपए की लागत से 630 मेगावॉट ऊर्जा उत्पादन करने में सक्षम पंप स्टोरेज प्लांट का निर्माण व विकास कार्य किया जाएगा। जबकि, रेन्यू द्वारा गांव कालू पट्टी में 3350 करोड़ रुपए की लागत से 600 मेगावॉट व बबूरा में 4100 करोड़ रुपए की लागत से 800 मेगावॉट कैपेसिटी वाले प्लांट्स का निर्माण, विकास व संचालन किया जाएगा। इसी प्रकार, मिर्जापुर के ही बबूरा रघुनाथ सिंह गांव में ईस्ट इंडिया पेट्रोलियम द्वारा 3946.12 करोड़ रुपए की लागत से 850 मेगावॉट विद्युत ऊर्जा का उत्पादन में सक्षम पंप स्टोरेज प्लांट के स्थापना, निर्माण व विकास कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा है। इन सभी पंप स्टोरेज पावर प्रोजेक्ट्स की मॉनिटरिंग के लिए एजेंसी निर्धारण प्रक्रिया भी जल्द पूरी होने जा रही है, जिसके बाद परियोजना को गति देने में मदद मिलेगी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

मानवता का कैंसर है पाकिस्तान...

यहां के राजा ने जनता को एकजुट करके त्रिपुरा को विधर्मियों एवं विदेशी आक्रांताओं से बचाए रखा। उन्होंने कहा कि जो सामर्थ्यवान होगा और ताकत का एहसास अपने दुश्मनों को कराएगा, वो हमेशा सुरक्षित रहेगा। लेकिन जो अपनी ताकत खोकर अपने दुश्मन और मित्र को समझने में भूल करेगा, उसी प्रकार का खामियाजा भुगतेगा जैसा आज बांग्लादेश में हो रहा है। सीएम योगी ने कहा कि बांग्लादेश के हालात पर हमें चिंतन करने की आवश्यकता है कि इसके लिए कौन लोग जिम्मेदार हैं।

सीएम योगी ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ इस बात को जानता था कि अगर हम कांग्रेस के द्वारा चलाई गई दुर्वयसंधि का शिकार होते रहेंगे तो कांग्रेस देश का विभाजन कराएगी, हिंदुओं का कत्लेआम कराएगी, उन्हें जातियों में बांटकर लड़ाएगी और भारत की परंपरा-संस्कृति को नष्ट एवं भ्रष्ट कर देगी। आरएसएस की बात सच साबित हुई और कांग्रेस ने अपने स्वार्थ के लिए देश का विभाजन कराया। उन्होंने कहा कि 1905 में बंगभंग आंदोलन के दौरान अगर बंगाल विरोध नहीं करता तो सबको पता है कि उस समय देश में क्या होता। सीएम योगी ने कहा कि आरएसएस-विश्व हिंदू परिषद अपनी सेवा का प्रोपेगेंडा और सौदेबाजी नहीं करते हैं।

सीएम योगी ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयं संघ आज केवल भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में विद्याभारती के माध्यम से हजारों शिक्षण संस्थानों एवं सेवा के प्रकल्पों का संचालन कर रहा है। विश्व हिंदू परिषद पूरे देश में जनजातीय क्षेत्रों में एक लाख से अधिक गांवों में एकल विद्यालय का संचालन कर रहा है। श्रीराम वनवासी कल्याण आश्रम के माध्यम से विश्व हिंदू परिषद ने 1984 में गोरखपुर में जनजातीय छात्रावास प्रारंभ किया था, जिसमें नॉर्थ ईस्ट के बच्चे जाकर शिक्षा प्राप्त करते थे। उन्होंने कहा कि अब भारत का समय है इसलिए आज हम लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत को दुनिया की एक बड़ी ताकत बनाने की ओर अग्रसर हैं।

सीएम योगी ने कहा कि अयोध्या में प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर बनने से पांच सदी का इंतजार समाप्त हुआ है। कुछ लोगों को मंदिर के बन जाने से बुरा लग रहा है, जिन्हें बुरा लग रहा है उनका हम क्या कर सकते हैं। हम भारत की बहुसंख्यक जनता की आस्था को सम्मान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि अयोध्या, मथुरा और काशी सनातन धर्म की आस्था के तीन प्रमुख स्तंभ हैं। ये तीनों स्थल जैसे आज पूज्य हैं, उसी रूप में आगे भी बढ़ते हुए दिखाई देंगे। इसमें कोई संदेह नहीं है। सीएम योगी ने कहा कि सनातन धर्म सर्वे भवन्तु सुखिन: की बात करता है, लेकिन ये तभी संभव है, जब हम सुरक्षित रहेंगे।

सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी के कुशल नेतृत्व में आज पूरा देश एक भारत श्रेष्ठ भारत के लिए कार्य कर रहा है। आज त्रिपुरा में सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण माहौल है। आज से सात-आठ वर्ष पहले यह संभव नहीं था। उन्होंने कहा कि एक ओर यहां की डबल इंजन की सरकार त्रिपुरा के सर्वांगीण विकास के लिए डबल स्पीड से कार्य कर रही है तो वहीं दूसरी ओर त्रिपुरा में धार्मिक क्षेत्र में भी प्रगति हो रही है।

सीएम योगी ने कहा कि त्रिपुरा और उत्तर प्रदेश में पहले पर्व और त्योहार के दौरान दंगे होते थे। आज हमने उत्तर प्रदेश में दंगाइयों के लिए बुल्डोजर और भक्तों को प्रभु श्रीराम का मंदिर दे दिया है। उन्होंने कहा कि हम सबको ध्यान रखना होगा कि धर्म एव हतो हन्ति धर्मो रक्षति रक्षितः यानी अगर हम धर्म की रक्षा करेंगे तो धर्म आपकी भी रक्षा करेगा। वहीं अगर अपने स्वार्थ के लिए हम अपने धर्म का बलिदान करेंगे तो धर्म भी आपके साथ उसी प्रकार का व्यवहार करेगा। यतो धर्मस्ततो जयः सनातन धर्म की यही शिक्षा है।

सीएम योगी ने कहा कि मां सिद्धेश्वरी की प्राण प्रतिष्ठा एवं मंदिर के उद्घाटन का यह कार्यक्रम हम सबके लिए महत्वपूर्ण क्षण है। उन्होंने कहा कि पूज्य संत शांतिकाली महाराज ने 1994 में आश्रम की श्रृंखला को आगे बढ़ाया था। शांतिकाली महाराज ने उस समय जो संकल्प लिए थे, उसे चितरंजन महाराज बिना रुके और बिना डिगे आगे बढ़ा रहे हैं। इसलिए भारत सरकार भी उनका सम्मान कर रही है। सीएम योगी ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के एक हाथ में मुरली और दूसरे हाथ में सुदर्शन है। सुरक्षा के लिए केवल मुरली से काम नहीं चलेगा, उसके लिए सुदर्शन आवश्यक है और जब सुदर्शन हाथ में होगा तो फिर किसी शांतिकाली महाराज को बलिदान नहीं देना पड़ेगा।

सीएम योगी ने नारियल फोड़कर मंदिर का उद्घाटन किया। इसके बाद उन्होंने विधि विधान से माता सिद्धेश्वरी की पूजा अर्चना की। उसके बाद सीएम योगी ने मंदिर प्रांगण में पौधरोपण भी किया। वे मंदिर में आयोजित महायज्ञ में भी सम्मलित हुए और आहुति डाली। साथ ही लोककल्याण की कामना की। कार्यक्रम में सीएम योगी के साथ महाराजा चित्त रंजन देबबर्मा, त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं सांसद विप्लब देब, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष राजीव भट्टाचार्य, एनडीए के सहयोगी एवं त्रिपुरा राज परिवार के राजकुमार प्रमोद बिक्रम माणिक्य देब बर्मा, विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय सह मंत्री सचिंद्रनाथ सिन्हा, त्रिपुरा सरकार के मंत्री, विधायक एवं अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे। बरकथल स्थित यह नवनिर्मित मंदिर पूर्वोत्तर राज्य में शांति काली आश्रम द्वारा प्रबंधित 24 मंदिरों में से एक है। शांति काली आश्रम के प्रमुख महाराजा चित्त रंजन देबबर्मा हिंदू संस्कृति, परंपरा और धर्म की रक्षा के लिए काम करते रहे हैं। उन्हें पिछले साल पद्मश्री से सम्मानित किया गया था।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे

साक्षी मलिक, गीता फोगाट ने की कुश्ती चैंपियंस सुपर लीग की घोषणा

नई दिल्ली , 16 सितंबर (एजेंसियां) ।

भारतीय पहलवान साक्षी मलिक और गीता फोगाट ने सोमवार को कुश्ती चैंपियंस सुपर लीग (डब्ल्यूसीएसएल) के गठन की घोषणा की।

साक्षी ने एक्स पर घोषणा की, हमारे गाँव और समुदायों ने हमें पाला-पोसा, लेकिन पूरे राष्ट्र ने हमें चैंपियन बनाने में एकजुट होकर मदद की। तिरंगे के लिए लड़ने से बड़ा कोई सम्मान नहीं हो सकता है, और आपके प्यार और प्रेरणा से यह संभव हो सका। हम आपके प्रति आभारी हैं और अपने सार्वजनिक एवं निजी सहयोगियों के भी योगदान के लिए धन्यवाद करते हैं। हम विशेष रूप से सरकार की निरंतर प्रतिबद्धता और समर्थन के लिए आभारी हैं।

उन्होंने आगे कहा, आपके विश्वास का एकमात्र उत्तर यही है कि हम अपनी खेल प्रतिभा, अनुभव, दृढ़ता और सफलता को खेल की सेवा में समर्पित करें। हम तीनों ने इसीलिए कुश्ती चैंपियंस सुपर लीग (डब्ल्यूसीएसएल) का गठन किया है। डब्ल्यूसीएसएल, एक विश्व स्तरीय अंतरराष्ट्रीय लीग है, जो हमारे पहलवानों को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा कर वैश्विक खेल में अपनी पहचान बनाने के लिए कौशल और ताकत प्रदान करेगी। यह एक अत्यधिक प्रतिस्पर्धी, विशेषज्ञों द्वारा संचालित वातावरण में सर्वश्रेष्ठ समर्थन प्रणालियों के साथ किया जाएगा।

पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता अमन सेहरावत के भी लीग में भाग लेने की बात कही जा रही है।

साक्षी ने कहा, हमें खुशी है कि अमन हमारे विज़न को शेयर करते हैं और इस यात्रा में हमारे साथ जुड़े हैं। अमन ने कहा है कि यह लीग एक बहुत प्रशंसनीय पहल है जो भारतीय कुश्ती के लिए बहुत फायदेमंद होगी, इसलिए मैं इसका हिस्सा बनना चाहता हूँ और पूरी तरह से इसका समर्थन करता हूँ। हम भारतीय कुश्ती के इस चमकते सितारे के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हैं।

साक्षी ने आगे लिखा, कुश्ती में भारतीय खेलों की सबसे प्रेरक कहानियों में से कुछ की वीरता, गौरव और समुदाय की भावना निहित है। डब्ल्यूसीएसएल के माध्यम से हम उन कहानियों को भी जीवंत करेंगे! हालांकि डब्ल्यूसीएसएल का ध्यान कुश्ती पर है, लेकिन यह हमारी भारतीय खेलों में निरंतर उच्च प्रदर्शन की संस्कृति को विकसित करने और हर भारतीय को खेल की खुशी का अनुभव कराने की तीव्र इच्छा से प्रेरित है।

साक्षी ने अंत में कहा, यद्यपि डब्ल्यूसीएसएल की स्थापना हम दोनों (साक्षी और गीता) द्वारा की गई है, यह एक राष्ट्रीय मिशन है जो सभी हितधारकों के साथ निकट सहयोग में सम्मानपूर्वक काम करने के लिए प्रतिबद्ध है। जीतना, आखिरकार, एक टीम खेल है। हमारा दिल केवल भारत के लिए, भारतीय कुश्ती के लिए और भारतीय खेलों के लिए धड़कता है। आइए, एक साथ मिलकर अपने सपनों का खेल भारत बनाएं! जय हिंद।

साक्षी, जिन्होंने बजरंग पुनिया और विनेश फोगट के साथ मिलकर बृजभूषण सिंह के खिलाफ पहलवानों के विरोध का नेतृत्व किया था, ने पिछले साल कुश्ती से संन्यास की घोषणा की थी।

न्यूज़ ब्रीफ

फुटबॉल मैच रद्द होने के बाद एम्स्टर्डम में हुए दंगों में आठ अजाक्स प्रशंसक गिरफ्तार

द हेग। पुलिस हड़ताल के कारण अजाक्स और एफसी उट्रेच के बीच इरेडिविसी फुटबॉल टूर्नामेंट का मैच रद्द होने से भड़के दंगों के बाद डच पुलिस ने रविवार को एम्स्टर्डम में आठ अजाक्स प्रशंसकों को गिरफ्तार किया है। प्रशंसक शहर के केंद्र में एकत्र हुए, जिससे पुलिस मुख्यालय को नुकसान पहुंचा और पुलिस वाहनों में तोड़फोड़ की गई। भीड़ द्वारा अधिकारियों के साथ टकराव जारी रखने के बाद दंगा पुलिस को तैनात किया गया। दंगाई सबसे पहले सेंट्रल एम्सटर्डम के एक सार्वजनिक चौराहे लीडसेप्लेन में पुलिस की हड़ताल का विरोध करने के लिए एकत्र हुए थे, जिसके कारण अजाक्स को लगातार दूसरे रविवार को लीग मैच से चूकना पड़ा। विरोध प्रदर्शन बढ़ता गया, जिसके परिणामस्वरूप इलाके में ट्रामों को रोक दिया गया और खिड़कियों को तोड़ दिया गया। अजाक्स बनाम एफसी उट्रेच मैच को रद्द कर दिया गया क्योंकि सुरक्षा प्रदान करने के लिए कोई पुलिस उपलब्ध नहीं थी, पुलिस अधिकारी समय से पहले सेवानिवृत्ति लाभों के लिए विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं और हड़ताल पर हैं। दो हफ़्ते पहले, रॉटरडैम में फेयेनोर्ड बनाम अजाक्स नामक एक और एरेडिविसी मैच भी चल रही पुलिस हड़ताल के कारण रद्द कर दिया गया था।

ला लीगा: रियल मैड्रिड के ब्राहिम डियाज कमर की चोट के कारण तीन महीने के लिए बाहर

मैड्रिड। रियल मैड्रिड अपने आक्रामक मिडफील्डर ब्राहिम डियाज के बिना लगभग तीन महीने तक

खेलेगा, क्योंकि शनिवार को रियल सोसिएदाद के खिलाफ 2-0 की जीत में उन्हें कमर में चोट लग गई थी। क्लब की वेबसाइट पर बताया गया, रियल मैड्रिड के मेडिकल विभाग द्वारा हमारे ब्राहिम डियाज पर किए गए परीक्षणों के बाद, खिलाड़ी को उनके दाहिने पैर की एबडक्टर लॉन्गस मांसपेशी में चोट का पता चला है। उनकी प्रगति पर नजर रखी जाएगी, उन्हें ठीक होने में लगभग तीन महीने लगेंगे। मोरक्को के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी ने जूड बेलिंगहैम और ऑरेलियन टचौमेनी की चोटों के कारण रियल सोसिएदाद के खिलाफ मुशकिल शुरुआत की थी, लेकिन उनके दाहिने कमर में दर्द को नोटिस करने के बाद सिर्फ 24 मिनट में रॉड्रिगो को उनकी जगह लेना पड़ा। रियल मैड्रिड के लिए अच्छी खबर यह है कि बेलिंगहैम और टचौमेनी दोनों के फिट होने की संभावना है जब रियल मैड्रिड मंगलवार रात को स्टटगार्ट के खिलाफ अपने चैंपियंस लीग अभियान की शुरुआत करेगा।

उम्मीद है, मैंने साबित कर दिया है कि ऊपरी क्रम मेरे लिए बेहतर: लियाम लिविंगस्टोन

मैनचेस्टर। इंग्लैंड के ऑलराउंडर लियाम लिविंगस्टोन को उम्मीद है कि उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी 20

आई श्रृंखला में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद खुद को एक ऐसे खिलाड़ी के रूप में साबित कर दिया है जो ऊपरी क्रम में बल्लेबाजी कर सकता है। तीसरा मैच बारिश के कारण रद्द होने पर ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच तीन मैचों की टी-20 सीरीज 1-1 से बराबरी पर रही। लिविंगस्टोन को उनके शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। इंग्लैंड ने पिछले तीन टी20 विश्व कप में लिविंगस्टोन को फिनिशर के तौर पर इस्तेमाल किया है। लेकिन 31 वर्षीय इस खिलाड़ी ने शीर्ष पर बेहतरीन प्रदर्शन करने की अपनी क्षमता दिखाई। स्काई स्पोर्ट्स के हवाले से लिविंगस्टोन ने कहा, मैंने थोड़ा और शामिल होने का आनंद लिया, कुछ लड़कों के दूर होने के कारण बल्ले और गेंद दोनों से मौका मिला, इसलिए मैं अपने क्रिकेट का आनंद ले रहा हूं। उन्होंने श्रृंखला का समापन सबसे अधिक रन बनाने वाले और संयुक्त रूप से सबसे अधिक विकेट लेने वाले खिलाड़ी के रूप में किया। अपने प्रभावशाली स्ट्रोक प्ले पर भरोसा करते हुए, 31 वर्षीय खिलाड़ी ने 62.00 की औसत से 124 रन बनाए। अपने ऑफ ब्रेक के साथ, उन्होंने मध्य ओवरों के दौरान प्रभाव डाला और 7.60 की औसत से पाँच विकेट लिए। लिविंगस्टोन के अलावा ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू शॉर्ट और सीन एबॉट ने भी दो टी20आई में पाँच-पाँच विकेट लिये। बल्ले से खराब प्रदर्शन के बाद, लिविंगस्टोन, जो अपनी नई भूमिका का आनंद ले रहे हैं, इंग्लैंड की हार्ड-हिटिंग टी20आई सेटअप में खुद को उच्च बल्लेबाजी करने में सक्षम साबित करने के बारे में आशान्वित हैं। उन्होंने कहा, यह एक अलग माहौल रहा है, और मैंने वास्तव में अपने क्रिकेट का आनंद लिया है।

ओड़ीशा-आरएफए एचपीसी के एथलीटों ने सैफ जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में जीते पांच पदक

नई दिल्ली , 16 सितंबर (एजेंसियां) ।

ओडिशा-रिलायंस फाउंडेशन एथलेटिक्स हाई परफॉर्मेंस सेंटर (आरएफए एचपीसी) के एथलीटों ने चेन्नई में सैफ जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पांच पदक जीतकर अपनी चमक बिखेरी। डीएम जयराम ने दो पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया, जिसमें पुरुषों की 100 मीटर स्पर्धा में कांस्य और पुरुषों की 4×100 मीटर रिले स्पर्धा में रजत पदक शामिल है, जहां उनके साथ ओडिशा-आरएफ एचपीसी के एथलीट महेंद्र सांता भी शामिल थे।

सबिता टोप्पो ने शानदार प्रदर्शन करते हुए महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़ स्पर्धा में रजत पदक जीता और लक्ष्मीप्रिया किसान ने भी महिलाओं की 800 मीटर स्पर्धा में रजत पदक जीता।

प्रदर्शन को लेकर, ओडिशा-आरएफ एचपीसी के मुख्य कोच मार्टिन ओवेन्स ने कहा, एसएएफएफ जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप वास्तव में एक अच्छी प्रतियोगिता थी और कुछ युवा एथलीटों के लिए पहली बार भारत का प्रतिनिधित्व करने का एक अच्छा अवसर था। हमारे दृष्टिकोण से, जयराम ने असाधारण रूप से अच्छा प्रदर्शन किया। उनका मुकाबला दो बहुत ही उच्च गुणवत्ता वाले श्रीलंकाई धावकों से था, जिन्होंने जयराम की तरह जूनियर विश्व चैंपियनशिप में भाग लिया था। उन्होंने अब तक के सत्र की अपनी सर्वश्रेष्ठ दौड़ लगाई, इसलिए मैं उनके प्रयास से बहुत प्रसन्न था।

उन्होंने आगे कहा, जयराम और महेंद्र ने भी 4×100 मीटर रिले टीम में वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया। महेंद्र अभी भी डेंगू से उबर रहे हैं और भविष्य में वे और भी बेहतर प्रदर्शन करेंगे। लक्ष्मी एक बड़ी सकारात्मक बात थी क्योंकि उन्हें अंतिम समय में ही बुलाया गया था। उनका टर्नअराउंड कम था, लेकिन उन्होंने वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया। मेरे हिसाब से हमारे दल में सबसे अच्छा प्रदर्शन सबिता का रहा, क्योंकि उन्होंने पहली बार अंडर 14 में दौड़ लगाई। जब वह शीर्ष स्थिति में होती है, तो वह बहुत अच्छा प्रदर्शन करती है। ओडिशा में एथलीटों को इतनी अच्छी तरह से तैयार करने के लिए यहां की टीम पर वास्तव में गर्व है।

ओडिशा-आरएफ एचपीसी, ओडिशा सरकार और रिलायंस फाउंडेशन का एक मजबूत सहयोगी प्रयास है, जिसका उद्देश्य पूरे राज्य में एथलेटिक्स के मानक को बेहतर बनाना और घरेलू स्तर पर ऐसे एथलीट तैयार करना है जो राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों तरह से सफलता हासिल कर सकें।

अपनी सफलता में ओडिशा-आरएफ एचपीसी की भूमिका को स्वीकार करते हुए जयराम ने कहा, पिछले दो सालों में मेरी जिंदगी पूरी तरह बदल गई है और मुझे लगता है कि मैं बहुत आगे निकल आया हूं। हाई परफॉर्मेंस सेंटर का हिस्सा बनने से पहले मुझे इस तरह की ट्रेनिंग भी नहीं मिली थी। अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में पदक जीतना मेरे लिए सपने के सच होने जैसा है और मुझे बहुत गर्व महसूस हो रहा है।

अंतिम मिनट में प्रवेश पाने वाले किसान ने 2:10.87 का समय निकालकर रजत पदक जीता। सबिता ने 13.96 सेकंड का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और पदक जीतने के लिए पिछले सैफ जूनियर रिकॉर्ड के अंदर रहीं। जयराम ने 10.56 सेकंड का सीजन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, जो भारत के लिए सैफ जूनियर रिकॉर्ड के अंदर था।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए इंग्लैंड के कप्तान होंगे हैरी ब्रूक

लंदन। हैरी ब्रूक अपने करियर में पहली बार इंग्लैंड की कप्तानी करेंगे, उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज के लिए कप्तान बनाया गया है। जोस बटलर के पांच मैचों की सीरीज से बाहर होने के बाद ब्रूक को कप्तान बनाया गया है। बटलर, जिन्हें टी20आई के लिए भी नहीं चुना गया था, अपनी पिंडली की चोट से उबर रहे हैं जो उन्हें पहले लगी थी। बटलर की चोट ने लियाम लिविंगस्टोन के लिए भी वनडे टीम में वापसी के दरवाजे खोल दिए हैं, जिन्हें पहले नजरअंदाज किया गया था। इस तेजतर्रार ऑलराउंडर को मौजूदा टी20आई सीरीज में अब तक पांच विकेट चटकाने और दूसरे टी20आई में सिर्फ 47 गेंदों पर 87 रन बनाने का इनाम मिला है। बटलर, जो जुलाई के अंत में भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप सेमीफाइनल के बाद से नहीं खेले हैं, अब नवंबर में कैरिबियन दौरे के लिए टीम में वापसी का लक्ष्य रखेंगे। ब्रूक, जिन्होंने 2018 में अंडर-19 विश्व कप में इंग्लैंड की कप्तानी की थी, हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में ओली पोप के डिप्टी थे, जहां बेन स्टोक्स अनुपस्थित थे। ईसीबी ने यह भी पुष्टि की है कि युवा तेज गेंदबाज जोश हल, जिन्होंने श्रीलंका के खिलाफ अंतिम टेस्ट में अपना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था, को क्वाड चोट के कारण टीम से बाहर कर दिया गया है। वनडे सीरीज 19 सितंबर को ट्रेंट ब्रिज में शुरू होगी। ऑस्ट्रेलिया वनडे के लिए इंग्लैंड की टीम: हैरी ब्रूक (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, जैकब बेथेल, ब्रायडन कार्स, जॉर्डन कॉक्स, बेन डकेट, विल जैक्स, लियाम लिविंगस्टोन, मैथ्यू पॉट्स, आदिल राशिद, फिल साल्ट, जेमी स्मिथ, ओली स्टोन, रीस टॉपली, जॉन टर्नर।

बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट से पहले भारतीय शिविर में शामिल हुए सरफराज

चेन्नई, 16 सितंबर (एजेंसियां) ।

मौजूदा दलीप ट्रॉफी में एक अतिरिक्त मैच खेलने के बाद, सरफराज खान गुरुवार से बांग्लादेश के खिलाफ शुरू हो रहे पहले टेस्ट मैच से पहले सोमवार को यहां एम.ए. चिदंबरम स्टेडियम में भारतीय टीम से जुड़ गए। दलीप ट्रॉफी के पहले दौर के मैचों के बाद आगामी दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए टीम की घोषणा के बाद शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल जैसे अन्य खिलाड़ी राष्ट्रीय शिविर में शामिल हुए, वहीं सरफराज को कथित तौर पर चयनकर्ताओं ने एक अतिरिक्त मैच खेलने के लिए कहा, जिसमें उन्होंने 16 रन बनाए, क्योंकि इंडिया बी ने इंडिया सी को पहली पारी में बढ़त दे दी। सरफराज अपने साथियों की तुलना में बाद में शिविर में शामिल हुए, इसलिए संभावना है कि पहले टेस्ट में मध्य क्रम की भूमिका के लिए 26 वर्षीय सरफराज को राहुल से पहले प्राथमिकता दी जाएगी। राहुल, जिन्हें श्रृंखला के लिए विशेषज्ञ बल्लेबाज के रूप में चुना गया है, दलीप ट्रॉफी के पहले दौर में इंडिया ए की इंडिया बी से हार में 37 और 57 रन की पारी खेलकर आ रहे हैं और हैदराबाद में पहले टेस्ट में क्वाड्रिसेप्स की चोट के बाद इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला से बाहर होने के बाद टेस्ट टीम में वापसी कर रहे हैं। सरफराज ने उस सीरीज में राहुल की जगह ली थी, उन्होंने राजकोट में तीसरे टेस्ट में पदार्पण किया था और पांच पारियों में 50 की औसत से 200 रन बनाए थे। इसके कारण वह उस सीरीज के तीन डेब्यू करने वाले खिलाड़ियों में से एक थे जिन्हें बांग्लादेश सीरीज के लिए टेस्ट टीम में बरकरार रखा गया - आकाश दीप और ध्रुव जुरेल अन्य हैं। हालांकि सरफराज के बहुप्रतीक्षित अंतरराष्ट्रीय पदार्पण की प्रशंसा की गई, लेकिन घरेलू सर्किट पर खूब रन बनाने वाले इस खिलाड़ी को भारत के लिए फिर से सफेद कपड़े पहनने से पहले थोड़ा और इंतजार करना पड़ सकता है क्योंकि सीनियर राहुल और विराट कोहली लंबे सीजन से पहले सबसे लंबे प्रारूप में वापसी कर रहे हैं।

टेबल टेनिस : सन यिंगशा, लिन शिदोंग ने जीता डब्ल्यूटीटी चैंपियंस मकाऊ का खिताब

मकाऊ, 16 सितंबर (एजेंसियां) ।

चीन की सुन यिंगशा और लिन शिदोंग ने रविवार को विश्व टेबल टेनिस (डब्ल्यूटीटी) चैंपियंस मकाऊ 2024 में क्रमशः महिला और पुरुष वर्ग में खिताब जीता। टेबल टेनिस प्रशंसकों के बीच शाशा के रूप में भी जानी जाने वाली सुन ने हमवतन वांग यिदी के खिलाफ 4-2 से जीत हासिल की, उन्होंने इंचियोन और चोंगकिंग में विजयी होने के बाद 2024 की अपनी तीसरी डब्ल्यूटीटी चैंपियंस ट्रॉफी जीती। यह सुन का पांचवां डब्ल्यूटीटी चैंपियंस खिताब भी था।

सुन ने एक प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि अगले ओलंपिक चक्र के लिए यह एक शानदार शुरुआत थी, उन्होंने कहा कि प्रत्येक मैच के साथ उनके फॉर्म में काफी सुधार हुआ है।

उन्होंने कहा, अगले चार वर्षों में कई बदलाव और प्रतिस्पर्धा होगी, लेकिन मैं पहली चैंपियनशिप जीतकर बहुत खुश हूं, जिसने मुझे बहुत आत्मविश्वास दिया है।

वहीं, लिन ने जर्मनी के किउ डांग को 4-0 से हराकर अपना पहला डब्ल्यूटीटी चैम्पियनशिप खिताब जीता। मैच के बाद, 19 वर्षीय खिलाड़ी ने प्रेस को बताया कि उनका प्रदर्शन उनकी उम्मीदों से बढ़कर था।

शनिवार को जापान की मिवा हरिमोटो पर 4-2 से जीत के साथ सन ने फाइनल में जगह बनाई थी, जबकि लिन ने सेमीफाइनल में दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी वांग चुकिन को 4-1 से हराया था।

सन और लिन ने बताया कि वे आगामी चाइना स्मैश 2024 का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जो 26 सितंबर से 6 अक्टूबर तक बीजिंग में आयोजित किया जाएगा।

श्रीलंका ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए 16 सदस्यीय टीम घोषित की

कोलंबो, 16 सितंबर (एजेंसियां) ।

श्रीलंका ने बुधवार से न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर शुरू हो रही दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए 16 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। टीम में ओशादा फर्नांडो की वापसी हुई है, जबकि निशान मदुश्का टीम में जगह बनाने से चूक गए हैं।

ओशादा 18 महीने की अनुपस्थिति के बाद श्रीलंका की टीम में वापस आ रहे हैं। शीर्ष क्रम के बल्लेबाज ने ए टीम के साथ अपने प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद वापसी की है, जो अभी दक्षिण अफ्रीका का दौरा कर रही है। दो मैचों की श्रृंखला के पहले अनौपचारिक टेस्ट में, ओशादा ने 122 और 80 रन बनाकर प्लेयर ऑफ द मैच प्रदर्शन किया, जिससे श्रीलंका की ए टीम जीत गई।

वहीं, इंग्लैंड के खिलाफ श्रीलंका की हाल ही में समाप्त हुई तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के दौरान, मदुश्का ने दो टेस्ट में 4, 0, 7 और 13 के स्कोर बनाए। खराब फॉर्म के कारण उन्हें तीसरे टेस्ट मैच से बाहर कर दिया गया। भले ही ओशादा टीम में वापस आ गए हैं, लेकिन उन्हें अंतिम एकादश में जगह बनाना मुश्किल हो सकता है।

न्यूजीलैंड सीरीज में श्रीलंका के लिए प्लेइंग इलेवन में दिमुथ करुणारत्ने, निसांका, कुसल मेंडिस, दिनेश चांदीमल, एंजेलो मैथ्यूज, धनंजय डी सिल्वा और कामिंडू मेंडिस सभी अपनी जगह बनाए रखने की संभावना रखते हैं। रमेश मेंडिस आठवें नंबर के स्थान को भरने वाले खिलाड़ी के रूप में उभर सकते हैं। स्पिन के अनुकूल परिस्थितियों को देखते हुए, शेष तीन स्थानों पर स्पिनर प्रभात जयसूर्या और दो तेज गेंदबाजों के होने की संभावना है। दोनों टेस्ट गाले में होंगे। पहला टेस्ट खत्म होने के बाद दूसरा मैच 26 सितंबर से शुरू होगा।

न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रीलंका की टेस्ट टीम: धनंजय डी सिल्वा (कप्तान), दिमुथ करुणारत्ने, पथुम निसांका, कुसल मेंडिस, एंजेलो मैथ्यूज, दिनेश चंडीमल, कामिंडु मेंडिस, सदीरा समरविक्रमा, ओशादा फर्नांडो, असिथा फर्नांडो, विश्व फर्नांडो, लाहिरू कुमारा, प्रभात जयसूर्या, रमेश मेंडिस, जेफरी वेंडरसे, मिलन रथनायके।

अगस्त माह के लिए आईसीसी प्लेयर्स ऑफ द मंथ चुने गए वेल्लालागे, हर्षिता

दुबई, 16 सितंबर (एजेंसियां) ।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने सोमवार को श्रीलंकाई खिलाड़ी दुनीथ वेल्लालागे और हर्षिता समरविक्रमा को अगस्त 2024 के लिए क्रमशः पुरूष और महिला वर्ग में आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ घोषित किया। वेल्लालागे ने भारत के खिलाफ घरेलू वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया और समरविक्रमा ने आयरलैंड दौरे पर बेहतरीन प्रदर्शन किया। इससे पहले एक ही देश के खिलाड़ियों द्वारा एक ही महीने में पुरस्कार जीतने का एकमात्र उदाहरण तब था जब इस साल जून में जसप्रीत बुमराह और स्मृति मंधाना को प्लेयर्स ऑफ द मंथ चुना गया था। वेल्लालागे ने दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज और वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज जेडन सील्स से आगे रहते हुए प्रतिष्ठित मासिक पुरस्कार जीता, जो शॉर्टलिस्ट किए गए अन्य खिलाड़ी थे। वेल्लालागे के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत श्रीलंका ने भारत पर 2-0 से सीरीज जीत हासिल की। 31 वर्षीय

बाएं हाथ के इस खिलाड़ी ने नाबाद 67, 39 और दो रन बनाए, जबकि सीरीज में सात विकेट भी चटकाए, जिसमें तीसरे मैच में 27 रन देकर पांच विकेट लेना भी शामिल है। यह पांचवीं बार है जब किसी श्रीलंकाई खिलाड़ी ने पुरुष वर्ग का पुरस्कार जीता है, इससे पहले एंजेलो मैथ्यूज (मई 2022), प्रभात जयसूर्या (जुलाई 2022), वानिंदु हसरंगा (जून 2023) और कामिंडु मेंडिस (मार्च 2024) इस पुरस्कार को जीत चुके हैं। पुरस्कार जीतने पर वेल्लालागे ने कहा कि यह पुरस्कार उनके लिए बहुत बड़ा प्रोत्साहन है। उन्होंने कहा, यह मेरे लिए बहुत अच्छी खबर है और इससे मुझे बहुत संतुष्टि मिलती है, क्योंकि यह मान्यता मुझे एक खिलाड़ी के रूप में अच्छा काम जारी रखने और मैदान में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए अपनी टीम में योगदान देने के लिए और अधिक ताकत देती है। मैं अपने साथियों, माता-पिता, दोस्तों और रिश्तेदारों को धन्यवाद देना चाहता हूं, क्योंकि मुझे यकीन है कि मेरी उपलब्धि उन्हें बहुत संतुष्टि प्रदान करेगी, क्योंकि वे हमेशा मेरा समर्थन करते रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद से इस तरह की मान्यता मिलना हमारे जैसे युवा खिलाड़ियों के लिए बहुत अच्छी खबर है और इससे निश्चित रूप से खेल में युवा खिलाड़ियों को प्रोत्साहन मिलेगा। आयरलैंड की जोड़ी ओरला प्रेंडरगैस्ट और गैबी लुईस को पछाड़ने वाली समरविक्रमा ने आयरलैंड दौरे पर शानदार प्रदर्शन किया और वह वनडे में शतक लगाने वाली श्रीलंका की तीसरी महिला क्रिकेटर बन गईं। 26 वर्षीय बाएं हाथ की इस खिलाड़ी ने डबलिन में खेले गए दो टी20 मैचों में 169.66 की स्ट्राइक रेट से 151 रन बनाए, जिसमें पहले मैच में 45 गेंदों पर नाबाद 86 रन की मैच जिताऊ पारी शामिल है। उन्होंने बेलफास्ट में तीन वनडे मैचों में 82.69 की स्ट्राइक रेट से 172 रन बनाए, जिसमें दूसरे मैच में 105 रन की पारी भी शामिल है।

समरविक्रमा आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ द मंथ का पुरस्कार जीतने वाली श्रीलंका की दूसरी खिलाड़ी हैं। कैप्टन चमारी अथापथु ने तीन बार सितंबर 2024, मई 2024 और जुलाई 2024 में यह पुरस्कार जीता है। पुरस्कार जीतने पर समरविक्रमा ने कहा कि यह सम्मान बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2024 से तीन सप्ताह से भी कम समय पहले मिला है। हर्षिता समरविक्रमा ने कहा, मैं इस सम्मान से बेहद खुश हूं, जिसे मैं अपने करियर में एक नई ऊंचाई मानती हूं। यह निश्चित रूप से मुझे बड़ी प्रतियोगिता, महिला टी-20 विश्व कप से पहले बहुत आत्मविश्वास देता है। यह उपलब्धि मेरे आस-पास के अविश्वसनीय समर्थन नेटवर्क मेरे साथी, कोच, माता-पिता, मेरी बहन, भाई, दोस्त और सलाहकार के बिना संभव नहीं होती। मैं इस अवसर पर उन सभी को धन्यवाद देना चाहती हूं। मैं उन खिलाड़ियों की भी सराहना करना चाहती हूं जिन्हें मेरे साथ प्लेयर ऑफ द मंथ अवार्ड के लिए नामांकित किया गया था।

संपादकीय

केजरीवाल को जमानत

कई महीने जेल में गुजारने के बाद आखिरकार आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जमानत मिल ही गई। लेकिन हरियाणा विधानसभा चुनाव से महज कुछ हफ्ते पहले हुई इस रिहाई की राजनीतिक चश्मे से अलग-अलग व्याख्या की जा रही है। भले ही फैसले से आप ने राहत की सांस ली हो, लेकिन जमानत के विरोध को लेकर सीबीआई की विश्वसनीयता पर भी प्रश्न उठे हैं। शीर्ष अदालत ने केजरीवाल को शराब घोटाले में ईडी द्वारा दर्ज मामले में यह जमानत दी है। हालांकि, अब केजरीवाल हरियाणा में चुनाव लड़ रहे आप उम्मीदवारों के लिये प्रचार करने के लिये स्वतंत्र हैं, लेकिन वे इस मामले के गुण-दोष को लेकर कोई सार्वजनिक टिप्पणी नहीं कर सकेंगे। साथ ही सामान्य रूप से वे मुख्यमंत्री के रूप में अपने दायित्वों का भी पालन नहीं कर सकेंगे। बहरहाल, इन सीमाओं और शर्तों के बावजूद उनकी पार्टी राहत की सांस ले सकती है। निस्संदेह, रिहाई से हरियाणा में पार्टी के उम्मीदवारों का मनोबल बढ़ेगा। रिहा होने के बाद केजरीवाल ने कहा भी है कि जेल से आने के बाद मैं सौ गुना ताकतवर महसूस कर रहा हूं। वहीं सीबीआई के लिये यह असहज करने वाली स्थिति है कि मामले की सुनवाई कर रही बेंच के एक न्यायाधीश ने प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दर्ज मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जमानत देने में सीबीआई द्वारा बाधा डालने की बात कही है। वैसे जमीनी हकीकत यह भी है कि इस मुकदमे के निकट भविष्य में निबटने की संभावना कम ही है। बहरहाल, शीर्ष अदालत ने केजरीवाल की रिहाई के आदेश देकर संवैधानिक और कानूनी रूप से सही कदम उठाया है। सार्वजनिक विमर्श में भी यह बात उठती रही है कि एक मुख्यमंत्री व एक राष्ट्रीय राजनीतिक दल के नेता को सामान्य अपराधी की तरह ज्यादा समय तक जेल में नहीं रखा जाना चाहिए। अदालत ने कुछ समय पहले इस मुद्दे को लेकर अपनी राय प्रकट की थी। वहीं दूसरी ओर अदालत ने इस आशंका को भी खारिज किया कि रिहाई के बाद मुख्यमंत्री सबूतों से छेड़छाड़ कर सकते हैं। बहरहाल, इसके बावजूद केजरीवाल न्यायिक प्रक्रिया के दायरे में हैं। वहीं सवाल सीबीआई की कार्यशैली व विश्वसनीयता को लेकर भी उठे हैं। वैसे भी यदि सीबीआई के पास पुख्ता सबूत थे तो उसे जमानत को लेकर सवाल नहीं उठाने चाहिए थे। जिसके चलते विपक्ष को सरकार पर राजनीतिक प्रतिशोध के रूप में कार्रवाई करने के आरोप लगाने का मौका मिला। बहरहाल, केजरीवाल की रिहाई के बाद दिल्ली कांग्रेस प्रमुख की तीखी प्रतिक्रिया से कयास लगाये जा सकते हैं कि इस फैसले का असर हरियाणा चुनाव पर पड़ सकता है। राजनीतिक पंडित मानते हैं कि राज्य की जनता में सत्ता विरोधी आक्रोश का जो पूरा लाभ अब तक कांग्रेस को मिलने के आसार थे, उसमें केजरीवाल की सक्रियता से असर पड़ सकता है। एक तो हरियाणा केजरीवाल का गृह राज्य है और दूसरी ओर राज्य में स्टार प्रचारक के रूप में केजरीवाल की सक्रियता आप का जनाधार बढ़ा सकती है। इससे कार्यकर्ताओं का उत्साह भी बढ़ेगा और वे पार्टी प्रत्याशियों को सफल बनाने की कवायद में भी जुट सकते हैं। जिससे भाजपा विरोधी वोटों का बंटवारा हो सकता है। जाहिरा तौर पर हरियाणा में कांग्रेस जिस बड़ी कामयाबी की उम्मीद लगाए बैठी थी, उसके ताजा घटनाक्रम से प्रभावित होने की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता। उल्लेखनीय है कि हरियाणा में सीटों के बंटवारे पर कांग्रेस के साथ सहमति न बनने के कारण आप राज्य की सभी सीटों पर ताल ठोक रही है। यह भी कि 21 मार्च को ईडी द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद केजरीवाल को कोर्ट ने लोकसभा चुनाव के दौरान जमानत दी थी। उन्हें 26 जून को फिर से सीबीआई द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया था। तब से वे जेल में ही थे। जमानत पर पांच सितंबर को सुनवाई के बाद शीर्ष अदालत ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। फिर शुक्रवार को उन्हें जमानत मिली। निश्चित रूप से दिल्ली आबकारी नीति में कथित भ्रष्टाचार के आरोपों में गिरफ्तार मनीष सिसोदिया, सांसद संजय सिंह के बाद केजरीवाल की रिहाई से आप के नेताओं व कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ा है।

केजरीवाल हरियाणा में चुनाव लड़ रहे आप उम्मीदवारों के लिये प्रचार करने के लिये स्वतंत्र हैं, लेकिन वे इस मामले के गुण-दोष को लेकर कोई सार्वजनिक टिप्पणी नहीं कर सकेंगे। साथ ही सामान्य रूप से वे मुख्यमंत्री के रूप में अपने दायित्वों का भी पालन नहीं कर सकेंगे। बहरहाल, इन सीमाओं और शर्तों के बावजूद उनकी पार्टी राहत की सांस ले सकती है। निस्संदेह, रिहाई से हरियाणा में पार्टी के उम्मीदवारों का मनोबल बढ़ेगा। रिहा होने के बाद केजरीवाल ने कहा भी है कि जेल से आने के बाद मैं सौ गुना ताकतवर महसूस कर रहा हूं। वहीं सीबीआई के लिये यह असहज करने वाली स्थिति है कि मामले की सुनवाई कर रही बेंच के एक न्यायाधीश ने प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दर्ज मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जमानत देने में सीबीआई द्वारा बाधा डालने की बात कही है। वैसे जमीनी हकीकत यह भी है कि इस मुकदमे के निकट भविष्य में निबटने की संभावना कम ही है।

कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच गठबंधन की बातचीत टूटने के बाद से कांग्रेस के जीत के सपनों को सेंध लगी है

हरियाणा चुनावी मुद्दों से मिल रहे हैं सत्ता-विरोधी संकेत

ललित गर्ग

प्रदेश में तीसरी बार सरकार बनाने को आतुर भाजपा के सामने इस बार चुनौतियां कम नहीं हैं, वही कांग्रेस लोकसभा चुनाव में मिली सफलता से अति-उत्साहित दिखाई दे रही है, आम आदमी पार्टी भी सभी सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े कर राजनीतिक समीकरणों को प्रभावित करने में जुटी है। हरियाणा में तू डाल-डाल, मैं पात-पात की कशमकश जोरों से चल रही है।

हरियाणा विधानसभा चुनाव के मतदान की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आती जा रही है, राजनीतिक दलों में उठापटक हो रही है, दलबदल का सिलसिला जारी है, गठबंधन टूट रहे हैं जो नये जुड़ रहे हैं। प्रदेश में तीसरी बार सरकार बनाने को आतुर भाजपा के सामने इस बार चुनौतियां कम नहीं हैं, वही कांग्रेस लोकसभा चुनाव में मिली सफलता से अति-उत्साहित दिखाई दे रही है, आम आदमी पार्टी भी सभी सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े कर राजनीतिक समीकरणों को प्रभावित करने में जुटी है। हरियाणा में तू डाल-डाल, मैं पात-पात की कशमकश जोरों से चल रही है। विनेश और बजरंग पहलवान को शामिल करके कांग्रेस खुशियां मना रही थी, लेकिन 'आप' से हो रहा समझौता टूटते ही कांग्रेस की खुशियां कुछ हद तक फीकी दिखाई देने लगीं। फिर भी भूपिंदर सिंह हुड्डा के नेतृत्व में कांग्रेस हरियाणा में अपनी बहुमत की सरकार बनाने का दावा कर रही है। भाजपा भी यहां अपनी सरकार बचाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। इस बार हरियाणा के चुनावों पर समूचे देश की नजरे लगी है। हरियाणा विधानसभा चुनावों के लिए विपक्षी इंडिया गठबंधन में शामिल कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच गठबंधन की बातचीत टूटने के बाद से कांग्रेस के जीत के सपनों को सेंध लगी है। आप ने प्रत्याशियों की दो-दो सूची जारी कर दी है, सभी 90 सीटों पर चुनाव लड़ने का एलान भी कर दिया है। फिर भी दोनों दलों में कुछ लोग हैं, जो अभी गठबंधन की उम्मीद छोड़ने को तैयार नहीं हैं, क्योंकि यही गठबंधन कांग्रेस की जीत का बड़ा कारण माना जा रहा है। इस गठबंधन के टूटन से भाजपा की निराशा के बादल कुछ सीमा तक छंटते हुए दिखाई दे रहे हैं। लेकिन भाजपा की जीत अभी भी निश्चित नहीं मानी जा रही है। भले ही 'आप' को दूर रखकर हरियाणा कांग्रेस की राज्य इकाई खुश हो रही हो, लेकिन इसका फायदा भाजपा को ही होने वाला है क्योंकि 'आप' प्रत्याशियों को जहां भी, जितने भी वोट मिलने वाले हैं, वे जाएंगे कांग्रेस के खाते से ही। इस त्रिकोणीय संघर्ष का फायदा भाजपा को ही मिलेगा। हरियाणा कांग्रेस एवं उसके नेता प्रारंभ से ही स्वतंत्र चुनाव लड़ने के पक्ष में रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस नेताओं के मुताबिक, दस वर्षों की सत्ता-विरोधी लहर के मद्देनजर भाजपा 2019 से कमजोर स्थिति में है, जब उसे 90 सीटों की विधानसभा में 40 सीटें ही मिल पाई थीं। हाल ही में सम्पन्न लोकसभा चुनावों के नतीजे भी संकेत दे रहे हैं जहां पिछली बार की दसों सीटों की जगह उसे सिर्फ 5 सीटें मिलीं। आप को कांग्रेस

के साथ गठबंधन में यहां एक लोकसभा सीट पर चुनाव लड़ने का मौका मिला था, लेकिन वह हार गई थी। इसी स्थिति को देखते हुए ही प्रदेश कांग्रेस आप के साथ गठबंधन को पूरी तरह गैर जरूरी मान रहा है। लेकिन कांग्रेस का राष्ट्रीय नेतृत्व राजनीति गणित को देखते हुए आप के साथ गठबंधन को लेकर निरन्तर प्रयास करता रहा। यही कारण दोनों दल गठबंधन के लिए बातचीत की मेज पर बैठे। राहुल गांधी अब लोकसभा में विपक्ष के नेता हैं और उनकी प्राथमिकता यह है कि राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष के इंडिया गठबंधन की एकजुटता और उसकी मजबूती में किसी तरह की कमी न दिखे ताकि केंद्र सरकार और भाजपा पर उसका दबाव बना रहे। हरियाणा में आप पार्टी कोई चमत्कार घटित करने की स्थिति में नहीं है। उसकी भूमिका सत्ता के गणित को प्रभावित करना मात्र है। कुछ सीटें उसके खाते में जा सकती है, जिसका रोल भविष्य की सत्ता की राजनीति में हो सकता है। अरविन्द केजरीवाल के जातीय गणित के कारण 'आप' पार्टी कांग्रेस को भारी नुकसान पहुंचा सकता है तो कुछ नुकसान भाजपा का भी कर सकती है। कम वोटों के अंतर से होने वाली जीत-हार में 'आप' पार्टी का असर साफ दिखने वाला है। देर से ही सही, हो सकता है कांग्रेस नेतृत्व को यह बात समझ में आ जाए, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी होगी। हालांकि चुनाव परिणाम आने पर ही असल माजरा समझ आएगा, लेकिन यह तय है कि भाजपा को दस साल के राज के बावजूद कमजोर नहीं माना जा सकता। लोकसभा चुनाव में भाजपा की सीटों में आई कमी के बाद विपक्ष को जो थोड़ी धार मिली है, उसका जो मनोबल बढ़ा था, उसके मद्देनजर ये चुनाव अहम माने जा रहे हैं। हरियाणा के बाद महाराष्ट्र और झारखंड में भी चुनाव होने हैं। दिल्ली विधानसभा के चुनाव भी ज्यादा दूर नहीं हैं। ऐसे में हरियाणा विधानसभा चुनाव में अगर इंडिया गठबंधन साथ मिलकर मजबूती से लड़ता और अच्छी जीत दर्ज करा पाता तो उसका असर न केवल आने वाले विधानसभा चुनावों पर बल्कि पूरे विपक्ष के मनोबल पर पड़ने वाला था। इंडिया गठबंधन के कारण सबसे ज्यादा नुकसान भाजपा को ही झेलना पड़ता है। इसलिये इस गठबंधन की मजबूती ही भाजपा के लिये असली चुनौती है। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनावों को याद करें तो इस पर लगभग आम राय है कि वहां कांग्रेस को प्रदेश नेतृत्व के अति आत्मविश्वास का नुकसान हुआ। असल सवाल विपक्षी वोटों के बंटवारे का है। जिस तरह से आप प्रत्याशियों की सूची जारी कर रही है, उससे साफ है कि वह इसी पहलू की ओर इशारा कर रही है कि उसे सीटें भले न आएं, कांग्रेस को कई सीटों का नुकसान तो हो ही सकता है। भाजपा लम्बे समय से हरियाणा में कमजोर बनी हुई है, भले ही सरकार उसी की हो। अपनी लगातार होती कमजोर स्थितियों में सुधार लाने एवं प्रदेश में भाजपा को मजबूती देने के लिये ही लोकसभा चुनाव से ठीक पहले मनोहर लाल के स्थान पर ओबीसी वर्ग के नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री बनाकर सत्ता विरोधी कारकों को कम करने की कोशिश की थी, लेकिन भाजपा को उसका पूरा लाभ नहीं मिल सका। इसके मुख्य कारण सत्ता विरोधी वातावरण बना तो किसानों व बेरोजगारों की नाराजगी बड़ी चुनौती बन कर सामने आयी। भाजपा द्वारा पेश किए गए तीन विवादास्पद कृषि कानून हरियाणा में विवाद का मुख्य मुद्दा बने हुए है। राज्य के किसानों ने इन कानूनों का विरोध किया, उनका दावा है कि ये उनकी फसल की बिक्री और आय पर प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं। केन्द्र की अग्निपथ योजना भी इन चुनावों में एक विवादास्पद मुद्दा बनी हुई है। इसने राज्य के युवाओं में चिंता पैदा कर दी है। आलोचकों का मानना है कि यह स्थायी भर्ती से दूर जाने का कदम है, जिससे सैनिकों के लिए रोजगार में अस्थिरता पैदा होती है। इन चुनावों में बेरोजगारी एक महत्वपूर्ण मुद्दा है, राज्य की बेरोजगारी दर राष्ट्रीय औसत से अधिक है। युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने में सरकारी नीतियों पर काफी बहस चल रही है, जिससे यह चुनावों में एक केंद्रीय मुद्दा बन गया है। पहलवानों से जुड़ा मामला और बृज भूषण शरण सिंह पर लगे आरोप भी हरियाणा चुनाव में अहम मुद्दा बन गए हैं। पहलवानों ने सिंह पर उन्हें न्याय और सुरक्षा प्रदान करने में विफल रहने का आरोप लगाया है, जिससे हरियाणा में राजनीतिक परिदृश्य में एक नया आयाम जुड़ गया है।

दृष्टि कोण

राजनीति के साथ दिलों को जीतने का हुनर

समय से पहले चले जाने वाली किसी असाधारण शख्सियत पर लिखना वास्तव में बहुत कठिन होता है। पांच दशकों तक सक्रिय राजनीतिक जीवन में राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय धरातल पर अपनी छाप छोड़ने वाले सीताराम येचुरी केवल 72 वर्ष के ही थे। 12 सितंबर को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान से उनकी दुखद मृत्यु की खबर बड़े झटके जैसी थी। देश भर से शोक व्यक्त करने हेतु लोगों द्वारा सीताराम येचुरी के साथ जिस तरह से अपने अपने फोटो पोस्ट किये जा रहे हैं वह पुष्टि करता है कि वे जहां भी गए वहीं दिलों पर अपनेपन की छाप छोड़ आए। इन पंक्तियों के लेखक के उनसे समकालीन साथी के तौर पर 50 वर्ष सरोकार रहे। सीताराम येचुरी जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्र संघ के अध्यक्ष बने। साल 1975 में आपातकाल का विरोध करने पर दोनों गिरफ्तार हुए। पार्टी की जिम्मेदारियों के चलते साथ काम करने की लंबी अवधि गुजरी।

सीताराम येचुरी बहुप्रतिभावान व्यक्तित्व थे। उत्कृष्ट वामपंथी नेता, प्रखर विचारक, संवैधानिक बारीकियों के ज्ञाता थे। राज्य सभा में अपने बेहतरीन योगदान के लिए 2017 में उन्हें सर्वश्रेष्ठ सांसद के पुरस्कार से नवाजा गया। कम्युनिस्टों की जो कट्टरता वाली परंपरागत छवि गढ़ कर बनाई जाती है उसको बदलते हुए एक असल उदारतावादी और मानवीय सरोकारों वाली पहचान स्थापित करने का श्रेय उन्हें अवश्य जाता है। बता दें कम्युनिस्टों को धर्म के विरुद्ध बताकर विभिन्न धर्मों में आस्था रखने वाले लोगों के बीच उनकी छवि अकसर कट्टरवादी के रूप में गढ़ी जाती रही।

येचुरी ने बीते दिनों अपने संबोधन में धर्म और राजनीति के बीच आवश्यक दूरी को जरूरी बताया था। उनके मुताबिक, 'धर्म और राजनीति के बीच में एक रेखा होती है। उसे लक्षमण रेखा माना जाना चाहिए। यदि उसका उलंघन होता है तो वह न केवल राजनीति बल्कि धर्म के लिए भी हानिकारक है। वे आगे कहते हैं कि धर्म हर व्यक्ति का निजी मामला होता है। धर्म आत्मा और परमात्मा के बीच का संबंध है। किस व्यक्ति का परमात्मा कौन है वह केवल उस व्यक्ति की आत्मा जानती है। आत्मा और परमात्मा के बीच में किसी का हस्तक्षेप स्वीकार्य नहीं।'

कम्युनिस्ट होते हुए रामायण व महाभारत जैसे भारतीय पौराणिक ग्रंथों के लोकप्रिय संदर्भों को निकाल कर उन्हें समकालीन परिस्थितियों के साथ जोड़ कर प्रासंगिक बनाने में सीताराम येचुरी को महारत हासिल थी। भारतीय संविधान की बुनियादी प्रस्थापनाओं और सुप्रीम कोर्ट द्वारा समय-समय पर की गई समीक्षाओं को आधार बनाकर मौजूदा संदर्भों में व्याख्या करने के मामले में सीताराम येचुरी को संसद के भीतर और बाहर कोई हल्के में नहीं ले सकता था। राज्य सभा में जनतंत्र, आर्थिक स्थिति, धर्मनिरपेक्षता, राष्ट्रीय संप्रभुता, केन्द्र-राज्य संबंधों के स्वरूप और एक स्वतंत्र विदेश नीति को लेकर उनके भाषण आने वाले चुनौतीपूर्ण दौर में धरोहर से कम नहीं।

सीताराम येचुरी की शख्सियत की तीसरी खासियत यह थी कि वे राजनीतिक दलों के बीच तालमेल बिठाने के एक ऐसे शिल्पकार थे जिसकी स्वीकार्यता सर्वमान्य रही। हाल की जटिलतम राजनीतिक परिस्थितियों में विभिन्न विचारधाराओं वाले दलों को साथ लाकर इंडिया गठबंधन की स्थापना करने जैसे कठिन काम को अंजाम देने में सीताराम येचुरी की भूमिका निर्णायक मानी जाती है। वैचारिक स्पष्टता और वचनबद्धता उनमें ऐसे गुण थे जिनकी बदौलत उन्हें अन्य राजनीतिक दलों के नेताओं के बीच एक विश्वसनीयता प्राप्त थी।

प्रकाश करात और सीताराम येचुरी उस नई पीढ़ी के नेता थे जिन्होंने राष्ट्रीय मुक्ति आंदोलन के पुरोधा ईएमएस नंबूदरीपाद, ज्योति बसु, हरकिशन सिंह सुरजीत सरीखे कद्दावर नेताओं से जिम्मेदारी धारण करने का साहस दिखाया और इस दायित्व को बखूबी निभाया भी। कम्युनिस्ट पार्टियों में ऐसा इसलिए संभव हो पाता है कि ये पार्टियां सामूहिक कार्यपद्धति से संचालित होती हैं। हिंदी व अंग्रेजी में एक समान दक्षता से लिखने व बोलने वाले सीताराम येचुरी तेलुगू भाषी परिवार में पैदा हुए थे। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में वह लोकप्रिय वक्ता के रूप में जाने जाते थे। अर्थशास्त्र के विषय में उन्होंने स्नातक व स्नातकोत्तर की डिग्री बतौर टॉपर सेंट स्टीफंस कॉलेज से की और जेएनयू में पीएचडी में प्रवेश लिया।

कुछ अलग

मरीजों की फिक्र

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में सहकर्मी से दुराचार व हत्या के विरोध में आंदोलित जूनियर डॉक्टरों को देशव्यापी समर्थन मिलता रहा है। राज्य में भी उन्हें व्यापक सहानुभूति मिली है। निस्संदेह कार्यस्थल पर महिला डॉक्टरों की सुरक्षा व न्याय की उनकी मांग तार्किक ही है। लेकिन इसके बावजूद लंबे समय तक चिकित्सा सेवाओं को ठप नहीं किया जा सकता। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि सरकारी अस्पतालों में वे ही मरीज उपचार के लिये आते हैं, जो महंगे अस्पतालों में इलाज नहीं करा पाते। पश्चिम बंगाल सरकार कह रही है कि हड़ताल शुरू होने के बाद उपचार के अभाव में 23 मरीजों की जान चली गई है। ऐसे में हड़ताली डॉक्टरों को तुरंत काम पर लौटना चाहिए। उन्हें सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का पालन करना चाहिए था। लेकिन विडंबना है कि हड़ताली जूनियर डॉक्टरों ने मंगलवार तक काम पर लौटने के सुप्रीम कोर्ट के निर्देश को नजरअंदाज किया। एक माह से जारी हड़ताल से चिकित्सा सुविधाओं का बाधित होना स्वाभाविक है। सार्वजनिक सेवाओं में, विशेष रूप से स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र गहन जिम्मेदारी की मांग करता है। असंख्य रोगियों का जीवन चिकित्सा पेशेवरों की उपलब्धता पर निर्भर करता है। लंबे समय से डॉक्टरों की अस्पतालों में अनुपस्थिति से हजारों मरीजों को दर-दर की ठोकरें खाते देखा गया है। राज्य सरकार का दावा है कि करीब छह लाख से अधिक मरीज इस हड़ताल के कारण आवश्यक उपचार से वंचित हो गए। निस्संदेह, ये आंकड़े सोचने को विवश करते हैं कि किसी हड़ताल का यथार्थ में कितना व्यापक नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। वैसे सुप्रीम कोर्ट ने हड़ताली डॉक्टरों की प्रति सहानुभूति व्यक्त की है, लेकिन साथ ही चेताया भी कि उनका विरोध प्रदर्शन उनकी ड्यूटी की कीमत पर नहीं हो सकता। साथ ही आश्वासन भी दिया है कि अस्पतालों में सीसीटीवी कैमरा लगाने तथा महिला कर्मचारियों के लिये अलग ड्यूटी रूम बनाये जाने जैसे सुरक्षा उपायों को अविलंब क्रियान्वित किया जाएगा। निस्संदेह, डॉक्टरों को देश की न्यायिक प्रक्रिया पर विश्वास कायम रखना चाहिए और अपनी ड्यूटी को अविलंब आरंभ कर देना चाहिए। उनकी अस्पतालों में अनुपस्थिति जहां रोगियों की मुश्किलें बढ़ाती है, वहीं चिकित्सा जैसे आदर्श पेशे के प्रति जनता के विश्वास को भी घटाती है। यही वजह है, अदालत को कहना पड़ा कि आदेश के पालन से इनकार करने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है। इसमें दो राय कि देश के चिकित्सा संस्थानों तथा अस्पतालों में असुरक्षित कामकाजी परिस्थितियों को लेकर व्यक्त की जा रही चिंताओं से सहमत हुआ जा सकता है। इन मुद्दों का अविलंब निस्तारण होना भी चाहिए। लेकिन उन्हें इस बात का भी अहसास होना चाहिए कि लंबे समय तक इस तरह की अवज्ञा न्याय को कमजोर करती है। निस्संदेह, पश्चिम बंगाल के चिकित्सकों के अपने काम पर लौटने का वक्त आ गया है। जिससे उपचार तथा न्याय बिना देरी के आगे बढ़ सकें। लेकिन साथ ही राज्य सरकार को भी आत्ममंथन करना चाहिए कि क्यों चिकित्सा बिरादरी व आम लोगों में उसकी कारगुजारी को लेकर अविश्वास पैदा हुआ है। क्यों कलकत्ता हाईकोर्ट को मामले की जांच सीबीआई को सौंपनी पड़ी। आखिर क्यों इस मामले में अभियुक्त व मेडिकल कालेज के प्रिंसिपल की गिरफ्तारी के बाद भी आक्रोशित डॉक्टरों का भरोसा नहीं लौट रहा है। निस्संदेह, ये हालत शासन-प्रशासन की कारगुजारियों पर गंभीर सवाल खड़े करते हैं। वहीं दूसरी ओर हड़ताली डॉक्टरों व कर्मचारियों को नोटिस दिए जाने से भी बात बनती नजर नहीं आ रही है। लेकिन एक बात तो साफ है कि सरकार व हड़ताली डॉक्टरों व कर्मचारियों में टकराव की कीमत मरीजों को चुकानी पड़ रही है।

देश दुनिया से

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावः विमर्श के विषय

अब जम्मू कश्मीर शेष भारत के नवनिर्माण में सहयोग दे रहा है। आज का कश्मीर नये भारत का नया कश्मीर है। जिस कश्मीर में दशकों तक ऐसा आतंकी वातावरण रहा कि वहाँ भारतीय भी जाने की कल्पना नहीं करते थे उस कश्मीर में मोदी सरकार ने जी ट्वेंटी का सम्मेलन करवा दिया, यही नया कश्मीर है। अनुच्छेद 370 को इस प्रदेश की नियति मानने और बताने वाले लोग वस्तुत: बदनियत लोग थे, ये अब मुख्यधारा से बाहर हैं। कांग्रेस ने भी फ़ारूख़ अब्दुल्ला और उसके अन्य प्रिय कश्मीरी अलगाववादियों, उग्रवादियों व आतंकवादियों के साथ चलते हुए अनुच्छेद 370 हटाने का विरोध किया था। 370 के उन्मूलन के बाद एक बना था, गुपकार गठबंधन। अब्दुल्ला परिवार व कांग्रेस इस गुपकार गठबंधन के प्रमुख चट्टे-बट्टे थे।

कभी किसी जमाने की बात याद है न?! जब प्रत्येक राष्ट्रीय क़ानून, प्रस्ताव, प्रावधान आदि पर लिखा जाता था Except Jammu and Kashmir- जम्मू और कश्मीर को छोड़कर!! अब देश में वैसा नहीं होता है। अब जम्मू कश्मीर शेष भारत के नवनिर्माण में सहयोग दे रहा है। आज का कश्मीर नये भारत का नया कश्मीर है। जिस कश्मीर में दशकों तक ऐसा आतंकी वातावरण रहा कि वहाँ भारतीय भी जाने की कल्पना नहीं करते थे उस कश्मीर में मोदी सरकार ने जी ट्वेंटी का सम्मेलन करवा दिया, यही नया कश्मीर है। अनुच्छेद 370 को इस प्रदेश की नियति मानने और बताने वाले लोग वस्तुतः बदनियत लोग थे, ये अब मुख्यधारा से बाहर हैं। कांग्रेस ने भी फ़ारूख़ अब्दुल्ला और उसके अन्य प्रिय कश्मीरी अलगाववादियों, उग्रवादियों व आतंकवादियों के साथ चलते हुए अनुच्छेद 370 हटाने का विरोध किया था। 370 के उन्मूलन के बाद एक बना था, गुपकार गठबंधन। अब्दुल्ला परिवार व कांग्रेस इस गुपकार गठबंधन के प्रमुख चट्टे-बट्टे थे। ये चाहते हैं कि 370 कश्मीर में पुनर्स्थापित हो। अनुच्छेद 370 के संदर्भ में आज कांग्रेस की स्थिति साँप-छछून्दर के जैसी है। कश्मीर में वह अलगाववादियों, उग्रवादियों, आतंकियों, देश विरोधियों के साथ खड़े होकर 370 की पक्षधर दिखती है। यही कांग्रेस शेष भारत में अपनी इस केंचुली को उतारकर 370 के विषय में दोहरे चरित्र की बात करती है। जब समूचा भारत देश अनुच्छेद 370 के उन्मूलन को लेकर प्रसन्न हो रहा था तब कांग्रेस देश की इस प्रसन्नता से अलग होकर मुँह फुलाए बैठी थी। कांग्रेसी अभिषेक सिंघवी ने तब कहा था "प्रथम दृष्टया, हम 370 को निरस्त करने के तरीकों पर निर्णय से असहमत हैं।" 6 अगस्त, 2019 को कांग्रेस की राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक में, अनुच्छेद 370 को निरस्त करने लेकर मोदी सरकार पर हमला किया था। इस बैठक में उसने370 का सम्मान करते रहने का प्रस्ताव पारित किया था। ऐसा विरोध भला 'देश विरोध' नहीं तो और क्या था?! शेष राष्ट्र के सामने कांग्रेस अपने दोहरे चरित्र पर बड़ी बेशर्मी से स्वयं को 'गुपकार गैंग' से अलग बताती है। यही कांग्रेस अनुच्छेद 370 हटने के ठीक एक दिन पूर्व फ़ारूक़ अब्दुल्ला के निवास पर पीडीपी सहित कई अन्य अलगाववादियों के साथ गले में हाथ डालकर बैठी थी और अनुच्छेद 370 के पक्ष में संयुक्त व्यक्तव्य जारी कर रही थी। यही कांग्रेस, अनुच्छेद 370 के हटने के एक वर्ष बाद भी कश्मीर में पुनः गुपकार रोड पर पुनः इन उग्रवादियों के साथ खड़ी दिखाई देती है। कांग्रेस, अब्दुल्ला और पीडीपी वाले इस अलगाववादी गठबंधन ने एक वर्ष बाद भी यह कहा था कि- "अनुच्छेद 370 और 35 को पुनर्स्थापित करने हेतु ये लोग प्रतिबद्ध हैं।" कश्मीर के इस विधानसभा चुनाव में कश्मीर की जनता को कांग्रेस से यह पूछना चाहिए कि कश्मीर छोड़कर शेष राष्ट्र में वह अनुच्छेद 370 को हटाने के पक्ष में क्यों खड़ी दिखती है? ये दोहरा चरित्र क्यों है?! शेष राष्ट्र में वह अब्दुल्ला व मुफ़्ती परिवार से दूरी का प्रदर्शन करती है और अब विस चुनाव भी उनके साथ ही लड़ती है। कश्मीर की जनता को इन दोहरे और डुप्लीकेट चरित्र वाले लोगों का बहिष्कार करना चाहिये। गुपकार गठबंधन स्पष्ट तौर पर विदेशी शक्तियों का एक Bomb Toy है और कांग्रेस, अब्दुल्ला, पीडीपी इसके साथ खड़े हुए हैं। डॉ. पंडित श्यामप्रसाद मुखर्जी के संकल्प "एक देश, एक विधान, एक प्रधान" के संकल्प को शिरोधार्य किए हुए भाजपा ने अपनी संकल्पशक्ति से भारत के मुकुटमणि को 370 व 35 ए के दंश से मुक्ति दिलाई है। कश्मीर का विकास अब शेष देश के समान आगे बढ़ता हुआ दिखता है। वर्ष 2020-21 में 15वें वित्त आयोग की अनुशंसा के अनुसार, जम्मू और कश्मीर प्रदेश एवं लद्दाख हेतु क्रमशः 30757 करोड़ रु. और 5959 करोड़ रु. का अनुदान दिया गया है। भाजपा की केंद्र सरकार ने कश्मीर में लोकतंत्र को पुनर्जीवित किया है। वर्ष 2018 में भाजपा की संकल्प शक्ति से कश्मीर में पंचायत चुनाव हुए जिसमें 74.1 प्रतिशत मतदान हुआ, वर्ष 2019 में ब्लॉक डेवलपमेंट काउंसिल चुनाव में 98.3 प्रतिशत मतदान हुआ। इसके बाद जिला स्तर के चुनाव में भी यही गाथा दिहराई गई। आज कश्मीर में आयुष्मान योजना से 4.4 लाख लाभार्थियों की सूची बन गई है। प्रधानमंत्री किसान योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना ने कश्मीर ने देश के शेष राज्यों की अपेक्षा अधिक सफलता अर्जित की है। कश्मीर के मूल निवासियों के अधिकारों को सुरक्षित किया गया है। नई मूल निवासी परिभाषा के अनुसार 15 वर्ष या अधिक समय तक जम्मू-कश्मीर में रहने वाले व्यक्ति भी अब अधिवासी माने जाएंगे इससे कश्मीर की जनता सुरक्षित हुई है। कश्मीरी पंडितों की वापसी के लिए छः हज़ार आवासों का निर्माण हो गया है।

आप का नजरिया

बुढ़ापे का सुरक्षा कवच

ऐसे वक्त में जब भारतीय परिवारों के स्वरूप में बदलाव के बाद करोड़ों बुजुर्ग एकाकी जीवन बिता रहे हैं और उनके पास महंगे इलाज के लिये पर्याप्त जमा पूंजी नहीं है, वे अब भविष्य की चिंताओं से कुछ मुक्त हो सकते हैं। निस्संदेह, बुढ़ापा भी अपने आप में एक रोग है। जब आय के स्रोत सिमट जाते हैं और बच्चों से पर्याप्त मदद नहीं मिलती तो शरीर में रोग दस्तक देने लगते हैं, फिर महंगे इलाज की चिंता और बढ़ जाती है। अकसर भारत में कर्मचारी व आम लोग कहते हैं कि वे जीवन भर आयकर चुकाते हैं, लेकिन बुढ़ापे में सरकार की ओर से सामाजिक सुरक्षा ना के बराबर होती है। लेकिन अब मोदी सरकार ने लोकतंत्र के सामाजिक कल्याणकारी स्वरूप को तरजीह दी है। केंद्र सरकार ने अब सत्तर साल से ऊपर के सभी वरिष्ठ नागरिकों को 'आयुष्मान भारत' योजना में शामिल करने का निर्णय लिया है। कहा जा रहा है कि करीब साढ़े चार करोड़ परिवार इस योजना में शामिल होंगे। इन परिवारों के छह करोड़ वरिष्ठ नागरिक इस योजना के अंतर्गत मुफ्त इलाज करा सकेंगे। दरअसल वर्ष 2018 में शुरू हुई आयुष्मान भारत योजना में अब तक केवल गरीब परिवार ही शामिल हो सकते थे, जिन्हें पांच लाख का कैशलेस कवर दिया जाता था। अब इस योजना का लाभ सभी बुजुर्गों को दिया जाएगा। बहुत संभव है कि इस समय जब कुछ राज्यों में चुनाव की प्रक्रिया चल रही है तो इस घोषणा के राजनीतिक निहितार्थों पर चर्चा हो सकती है। लेकिन भाजपा ने 2024 में लोकसभा चुनाव के लिये जारी घोषणापत्र में वायदा किया था कि सरकार बनने के बाद आयुष्मान भारत योजना के दायरे को बढ़ाकर इसमें सभी वरिष्ठ नागरिकों को शामिल किया जाएगा। अब चाहे उनकी सामाजिक व आर्थिक स्थिति कुछ भी हो। अब इस योजना के तहत उन्हें अलग से कार्ड जारी किए जाएंगे। निश्चित रूप से देश में सामाजिक रूप से तेजी से बदलाव आ रहा है। संयुक्त परिवारों की जगह अब एकल परिवार ले रहे हैं। बच्चे सीमित संसाधनों व अन्य कारणों से अपने बुजुर्ग माता-पिता का पूरी तरह ख्याल रखने में सक्षम नहीं दिखते। ऐसे में वृद्धों के लिये यह कदम सामाजिक सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण कहा जा सकता है। उल्लेखनीय है कि जो कमजोर वर्ग के वरिष्ठ नागरिक आयुष्मान भारत योजना का लाभ ले रहे थे, उन्हें पांच लाख रुपये टॉप-अप कवर मिल सकेगा। वहीं योजना के विस्तार में प्रावधान है कि यदि परिवार में 70 साल के दो बुजुर्ग हैं तो इस योजना का लाभ उन्हें साझा रूप में मिलेगा। वहीं दूसरी ओर सत्तर साल से अधिक उम्र के वे वरिष्ठ नागरिक जो पहले ही केंद्र सरकार की स्वास्थ्य योजनाओं तथा दूसरी सार्वजनिक स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ उठा रहे हैं, वे अपनी पुरानी योजना या नई योजना का विकल्प चुन सकते हैं। उल्लेखनीय है कि इस योजना का व्यय केंद्र व राज्य सरकारें मिल कर उठाती हैं। वरिष्ठ नागरिक इस योजना का लाभ निजी व राजकीय अस्पतालों में ले सकते हैं। वहीं सरकार की ओर से बताया गया है कि जो सत्तर साल से अधिक के नागरिक प्राइवेट बीमा योजना या फिर राज्य कर्मचारी बीमा योजना का लाभ ले रहे हैं, वे भी नई योजना का लाभ लेने के अधिकारी होंगे।

शुभ लाभ

एलआईसी ने अगली पीढ़ी के डिजिटल प्लेटफॉर्म के लिए इंफोसिस को चुना

नई दिल्ली,16 सितंबर (एजेंसियां) । देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने अगली पीढ़ी के डिजिटल प्लेटफॉर्म (मंच) के लिए सूचना प्रौद्योगिकी सेवा कंपनी इंफोसिस को चुना है। इस समझौते के तहत इंफोसिस एलआईसी को ग्राहकों, एजेंटों और कर्मचारियों के लिए बेहतर अनुभवों और डेटा आधारित वैयक्तिकरण सुविधाएं प्रदान करेगा।

इंफोसिस ने सोमवार को 'एक्स' पोस्ट पर जारी बयान में यह जानकारी दी है। कंपनी ने बताया कि देश की सबसे बड़ी जीवन बीमा कंपनी एलआईसी के साथ इंफोसिस ने सहयोग का समझौता किया है, ताकि एलआईसी डीआईवीई (डिजिटल नवाचार एवं मूल्य संवर्धन) नामक अपनी डिजिटल रूपांतरण पहल को आगे बढ़ा सके। इंफोसिस के मुताबिक इस समझौते के तहत वो एलआईसी के साथ मिलकर डिजिटल इनोवेशन एंड वैल्यू एन्हांसमेंट (डीआईवीई) नामक अपनी डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन पहल को आगे बढ़ाया है।

कंपनी ने बताया कि एलआईसी ने बैंकिंग, वित्तीय और बीमा क्षेत्रों में इंफोसिस की गहन विशेषज्ञता और अनुभव को देखते हुए उस चुना है। इस समझौते के तहत इंफोसिस अगली पीढ़ी का डिजिटल मंच तैयार करेगी, जो एलआईसी के ग्राहकों, एजेंटों और कर्मचारियों के लिए बेहतर जुड़ाव और डेटा आधारित वैयक्तिकृत अनुभव देने पर अपना ध्यान केंद्रित करेगा। हालांकि, कंपनी ने इस सौदे की राशि के बारे में नहीं बताया है।

उधर, सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी एलआईसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक (एमडी) सिद्धार्थ मोहंती ने कहा कि हमारा इंफोसिस के साथ समझौता हमारे डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

न्यूज ब्रीफ

अडाणी पावर, अडाणी ग्रीन एनर्जी के शेयरों में आठ फीसदी तक तेजी

नई दिल्ली । अदाणी समूह को महाराष्ट्र में लंबी अवधि के लिए 6,600 मेगावाट की नवीकरणीय और ताप बिजली आपूर्ति का ठेका मिलने के बाद सोमवार को अदाणी पावर के शेयर में लगभग आठ प्रतिशत की तेजी आई। इस ठेके के लिए समूह की 4.08 रुपये प्रति यूनिट की बोली ने जेएसडब्ल्यू एनर्जी और टोरेंट पावर जैसी कंपनियों को पीछे छोड़ दिया। बीएसई पर अदाणी पावर का शेयर 7.53 प्रतिशत बढ़कर 681.30 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर यह 7.59 प्रतिशत बढ़कर 681.55 रुपये पर कारोबार कर रहा था। अदाणी ग्रीन एनर्जी का शेयर भी बीएसई पर 7.39 प्रतिशत बढ़कर 1,920 रुपये पर पहुंच गए। एनएसई पर यह 7.25 प्रतिशत बढ़कर 1,918 रुपये पर कारोबार कर रहा था।

नियमों का पालन नहीं करने वाले बैंकों पर बड़ी कार्रवाई की तैयारी

नई दिल्ली । केंद्र सरकार बैंकों के लिए जुर्माना बढ़ाने के बारे में विचार कर सकती है, यदि वे नियामकीय दिशानिर्देशों का पालन नहीं करते हैं। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने जानकारी दी कि सरकार इस सिलसिले में नियामक प्रणाली की समीक्षा कर सकती है, जिसके लिए बैंकिंग विनियमन (बीआर) अधिनियम 1949 और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) अधिनियम 1934 में संशोधन किया जा सकता है। अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि वर्तमान में जुर्माना राशि बहुत कम है। हम इस पर नियामक के साथ चर्चा करेंगे और प्रावधानों में संशोधन की संभावनाओं पर विचार करेंगे। मौजूदा व्यवस्था में रिजर्व बैंक बीआर अधिनियम की धारा 46 और 47 ए समेत अन्य प्रावधानों के तहत जुर्माना लगा सकता है, जो नियामकीय दिशानिर्देशों के उल्लंघन पर लगाया जाता है।

टोरेंट पावर हरित परियोजनाओं के लिए 64,000 करोड़ निवेश करेगी

गांधीनगर । टोरेंट पावर ने सोमवार को नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए 64,000 करोड़ रुपये के निवेश की प्रतिबद्धता जताई। कंपनी ने बताया कि इससे करीब 26,000 लोगों को रोजगार मिलेगा। विविध क्षेत्र में काम करने वाली टोरेंट समूह की एकीकृत बिजली कंपनी टोरेंट पावर लिमिटेड ने हरित और टिकाऊ भविष्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है। कंपनी ने सोमवार को गांधीनगर में री-इन्वेस्ट कार्यक्रम के चौथे संस्करण में केंद्रीय नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय को दो शपथ पत्र सौंपे। री-इन्वेस्ट का आयोजन नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने सीआईआई के साथ मिलकर किया है। बयान के अनुसार कंपनी ने 2030 तक 57,000 करोड़ रुपये के निवेश से 10 गीगावाट की स्थापित नवीकरणीय ऊर्जा (आरई) क्षमता हासिल करने के लिए एक शपथ पत्र सौंपा है। इस निवेश से लगभग 25,000 लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलने की उम्मीद है। दूसरा शपथ पत्र 7,200 करोड़ रुपये के निवेश के साथ एक लाख किलो टन प्रति वर्ष (केटीपीए) क्षमता वाले ग्रीन अमोनिया उत्पादन संयंत्र के लिए है। कंपनी के मुताबिक इससे करीब 1,000 लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है।

मजबूती का रिकॉर्ड बनाने के बाद मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

नई दिल्ली,16 सितंबर (एजेंसियां) । दिनभर उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार सोमवार को मामूली तेजी के साथ बंद हुआ। कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी। शुरुआती कारोबार में ही सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने ऑल टाइम हाई का नया रिकॉर्ड बना लिया। इसके बाद मुनाफा वसूली का दबाव पड़ने पर दोनों सूचकांक गिर कर कुछ देर के लिए लाल निशान में भी पहुंचे। दिन के दूसरे सत्र में एक बार फिर खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिसकी वजह से शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.12 प्रतिशत और निफ्टी 0.11 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

कारोबार के दौरान कैपिटल गुड्स, बैंकिंग, रियल्टी, पावर, मीडिया और मेटल सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक खरीदारी होती रही। इसी तरह ऑटोमोबाइल, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, हेल्थ केयर, ऑयल एंड गैस और पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। आईटी, एफएमसीजी और टेक सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आमतौर पर तेजी बनी रही, जिसके कारण बीएसई का स्मॉलकैप इंडेक्स 0.28 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। हालांकि, मिडकैप इंडेक्स 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक तेजी के साथ बंद हुआ।

शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में पौने दो लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन कारोबार के बाद बढ़ कर 470.53 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 468.71 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को कारोबार से करीब 1.82 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,201 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,150 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,957 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 94 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,492 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,225 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,267 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 16 शेयर बढ़त के साथ और 14 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 25 शेयर हरे निशान में और 25 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स 94.39 अंक की मजबूती के साथ 82,985.33 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के कुछ देर बाद ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 293.40 अंक उछल कर अभी तक के सर्वोच्च स्तर 83,184.34 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से इस सूचकांक में गिरावट आ गई। दोपहर 12 बजे के थोड़ी देर बाद ये सूचकांक बिकवाली के दबाव की वजह से 58.12 अंक की कमजोरी के साथ 82,832.82 अंक तक गिर गया। दिन के दूसरे सत्र में खरीदारों ने एक बार फिर लिवाली का जोर बना दिया, जिसके कारण इस सूचकांक ने वापस हरे निशान में अपनी जगह बना ली। पूरे दिन की खरीद बिक्री के बाद सेंसेक्स 97.84 अंक की मजबूती के साथ ऑल टाइम हाई क्लोजिंग का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 82,988.78 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने 50.15 अंक की बढ़त के साथ 25,406.65 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद आधे घंटे में ही ये सूचकांक खरीदारी के सपोर्ट से अभी तक के सर्वोच्च स्तर 25,445.70 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से इस सूचकांक में गिरावट आ गई। बिकवाली के दबाव में ये सूचकांक 20.30 अंक की कमजोरी के साथ 25,336.20 अंक तक लुढ़क गया। इसके बाद एक बार फिर खरीदारी शुरू हो जाने से इस सूचकांक ने हरे निशान में वापसी कर ली। पूरे दिन के कारोबार के बाद निफ्टी 27.25 अंक की तेजी के साथ 25,383.75 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

दिन-भर की खरीद बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से एनटीपीसी 2.42 प्रतिशत, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज 1.77 प्रतिशत, जेएसडब्ल्यू स्टील 1.72 प्रतिशत, श्रीराम फाइनेंस 1.51 प्रतिशत और लार्सन एंड टूब्रो 1.36 प्रतिशत की मजबूती के साथ टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। बजाज फाइनेंस 3.33 प्रतिशत, हिंदुस्तान यूनिलीवर 2.25 प्रतिशत, बजाज फिनसर्व 1.95 प्रतिशत, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस 1.37 प्रतिशत और ब्रिटानिया 1.14 प्रतिशत की गिरावट के साथ टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की घटी कीमत

नई दिल्ली,16 सितंबर (एजेंसियां) । घरेलू सर्राफा बाजार में लगातार दो दिन की तेजी के बाद मामूली गिरावट नजर आ रही है। इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना एक बार फिर 75 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर से नीचे गिर गया है। सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 74,930 रुपये से लेकर 74,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 68,790 रुपये से लेकर 68,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोने की तरह ही चांदी के भाव में भी गिरावट आई है। कीमत में आई गिरावट के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी की कीमत 91,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 74,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 68,790 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 74,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 68,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 74,930 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 68,690 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 74,880 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 68,640 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 74,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 68,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर आ गया है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 74,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 68,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 74,930 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 68,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 74,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 68,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में कमजोरी आई है।

अमेजन और फ्लिपकार्ट पर जल्द शुरू होगी बड़ी सेल

नई दिल्ली,16 सितंबर ।

ई-कॉमर्स साइट अमेजन और फ्लिपकार्ट पर साल की सबसे बड़ी सेल जल्द ही शुरूआत हो सकती है। इन सेल का नाम फ्लिपकार्ट बिग बिलियन डेज और अमेजन ग्रेट इंडियन फेस्टिबल सेल है। इस सेल में उपभोक्ताओं को मोबाइल, होम एप्लाइसेंस, घर की डेकोरेशन, कंप्यूटर, मोबाइल असेसरीज पर बेपर डिस्काउंट मिलने जा रहा है।

साथ ही कस्टमर को बैंक ऑफर्स का भी फायदा मिलेगा। सूत्रों से पता चला है कि फ्लिपकार्ट बिग बिलियन डेज सेल 2024 की शुरूआत 27 सितंबर से हो सकती है। इस दौरान यूजर्स को एचडीएफसी बैंक के क्रेडिट और डेबिट कार्ट पर इंस्टैंट कैशबैक देखने को मिलेगा। फ्लिपकार्ट बिग बिलियन डेज सेल 2024 के दौरान एप्पल, सैमसंग और गूगल जैसे ब्रांड अपने फ्लैगशिप स्मार्टफोन की कीमतों में कमी कर सकते हैं। स्मार्टफोन और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के अलावा लाइफस्टाइल, किराना, घर और फर्नीचर उत्पादों पर छूट मिलेगी।

अमेजन ग्रेट इंडियन फेस्टिवल की भी जल्द ही शुरूआत होनी वाली है। हालांकि इसकी तारीखों का खुलासा नहीं हुआ है। इस सेल के दौरान ग्राहकों को स्मार्टफोन, कंप्यूटर, लैपटॉप और टैबलेट आदि पर अच्छा डिस्काउंट मिलेगा।

एयर इंडिया ने शुरू की दिल्ली-कुआलालंपुर नॉनस्टॉप दैनिक उड़ान

मुंबई,16 सितंबर (एजेंसियां) ।

टाटा की अगुवाई वाली एयर इंडिया ने नई दिल्ली से कुआलालंपुर के बीच रोजाना नॉन-स्टॉप दैनिक उड़ान की शुरुआत की है। एयर इंडिया की एयरबस ए320 नियो (नया इंजन विकल्प) विमान द्वारा संचालित ये उड़ान 15 सितंबर को स्थानीय समयानुसार 2043 बजे कुआलालंपुर में लैंड किया।

एयर इंडिया ने सोमवार को 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि हमने राजधानी नई दिल्ली और मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर के बीच अपने नए नॉन-स्टॉप रूट के उद्घाटन का जश्न मनाया। कंपनी ने कहा कि यह मलेशियाई यात्रियों के लिए एयरलाइन के विश्वव्यापी नेटवर्क तक पहुंचने के लिए नए कनेक्शन को खोलती है, जो पांच महाद्वीपों में फैला हुआ है। एयरलाइन ने कहा कि अब कुआलालंपुर के लिए प्रतिदिन नॉन-स्टॉप उड़ान भरें।

उल्लेखनीय है कि कुआलालंपुर दक्षिण पूर्व एशिया में एयर इंडिया का छठा गंतव्य है, जो इस क्षेत्र में उसकी उपस्थिति और लगातार बढ़ते वैश्विक मार्ग नेटवर्क को और मजबूत करता है। कुआलालंपुर के लिए एयर इंडिया की सेवा भारत और मलेशिया के बीच यात्रियों की बढ़ती संख्या के लिए एक नया विकल्प प्रदान करती है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

इसी कार्यकाल...

एकसाथ चुनाव कराने का कानून इसी कार्यकाल में लागू करने का फैसला किया है। भाजपा अन्य राजनीतिक दलों का भी समर्थन पाने की उम्मीद कर रही है। कई विपक्षी दलों और विपक्षी शासन वाले राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने एक देश-एक चुनाव के विचार का विरोध किया है। पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद के नेतृत्व वाली एक देश-एक चुनाव पर उच्च स्तरीय समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि बार-बार होने वाले चुनाव अनिश्चितता का माहौल बनाते हैं और नीतिगत निर्णयों को प्रभावित करते हैं, उन्होंने कहा कि एक साथ चुनाव कराने से नीति निर्माण में निश्चितता बढ़ेगी। एक साथ चुनाव के फायदों पर प्रकाश डालते हुए समिति ने कहा कि एक देश एक चुनाव मतदाताओं के लिए आसानी और सुविधा सुनिश्चित करता है, मतदाताओं को थकान से बचाता है और अधिक मतदान की सुविधा प्रदान करता है।

एक देश...

बार-बार होने वाले चुनाव से विकास की योजनाओं की गति अवरूद्ध होती है और अन्य परेशानियां भी आती हैं। इनसे निजात मिलेगी। जदयू प्रवक्ता ने कहा कि इससे मतदाता बड़ी संख्या में मतदान केंद्रों पर आएंगे और विकास कार्य भी निर्बाध गति से जारी रहेंगे। विकास योजनाओं को लेकर केंद्र सरकार के जो फैसले हैं, उनका क्रियान्वयन इसके बाद बेहतर तरीके से किया जा सकेगा।पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में गठित एक उच्च स्तरीय समिति ने इस साल मार्च में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने की सिफारिश की थी। इस समिति ने लोकसभा और विधानसभा चुनाव के 100 दिन के भीतर स्थानीय निकाय के चुनाव कराने की भी सिफारिश की है। समिति ने एक साथ चुनाव कराने के लिए कोई समय सीमा तय नहीं की हालांकि उसने 18 संवैधानिक संशोधन की सलाह दी है जिनमें से अधिकांश को राज्यों की विधानसभा से अनुमोदन की आवश्यकता नहीं होगी।प्रधानमंत्री मोदी ने भी एक देश, एक चुनाव की जोरदार वकालत की है। पिछले महीने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले से पीएम मोदी ने कहा था कि बार-बार चुनाव से देश की प्रगति में बाधा उत्पन्न हो रही है। हाल में संपन्न लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा ने चुनाव घोषणापत्र में एक देश, एक चुनाव को प्रमुख वादों के रूप में शामिल किया था।

ये मोदी है...

इसके साथ ही उन्होंने कई वंदे ट्रेनों को भी हरी झंडी दिखाई, जिनमें नागपुर से सिकंदराबाद, कोल्हापुर से पुणे, आगरा कैंट से बनारस, दुर्ग से विशाखापत्तनम, पुणे से हुबली और पहली 20 कोच वाली ट्रेनें शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, 100 दिन के इन फैसलों में देश के हर नागरिक, हर परिवार, हर वर्ग के कल्याण की गारंटी पक्की हो गई है। इन 100 दिनों में 15 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की योजनाओं पर काम शुरू हुआ है। चुनाव के दौरान मैंने 3 करोड़ नए घर बनाने की गारंटी देश को दी थी, इस गारंटी पर तेजी से काम हो रहा है। गांव हो या शहर, हम सभी के लिए बेहतर जिंदगी जीने की व्यवस्थाएं जुटाने में लगे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, हर कोई आज गणेश उत्सव मना रहा है। आज मिलाद-उन-नबी भी मनाया जा रहा है। देशभर में कई त्यौहार मनाए जा रहे हैं। इन उत्सवों क समय में विकास का उत्सव भी जारी है। आज यहां 8,000 करोड़ रुपए से अधिक की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया है। आज नमो रैपिड रेल का भी उद्घाटन हुआ है।

आतंकवाद को ...

एक ओर वे लोग (नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस) आतंक से लैस जम्मू-कश्मीर बनाना चाहते हैं, तो दूसरी ओर पीएम मोदी विकसित कश्मीर बनाना चाहते हैं। धारा-370 हटने के बाद यहां की महिलाओं को जो आरक्षण मिला है, उसे वो (नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस) समाप्त करना चाहते हैं, तो वहीं मोदी जी महिलाओं के साथ गुर्जर, पहाड़ी, दलित और ओबीसी को भी आरक्षण का अधिकार देना चाहते हैं।शाह ने कहा, 1990 की तरह आज भी प्रयास हो रहे हैं। नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस ने यहां कुछ वादे किए हैं कि उनकी सरकार आएगी तो आतंकवादियों को छोड़ देंगे। मैं आज आप लोगों को कहता हूं कि ये नरेंद्र मोदी सरकार है, किसी की हिम्मत नहीं है, भारत की भूमि पर आतंकवाद फैलाए।

संविधान विरोधी...

भीतर बच्चों को शारीरिक तौर पर दंड दिया जाता है। बच्चों को इन मदरसों के भीतर बताया जाता है कि इस्लाम ही सर्वोच्च है।बच्चों का शारीरिक शोषण भी इन मदरसा में एक समस्या है, इसके कई मामले सामने आए हैं, आयोग ने इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट के समक्ष चिंता जताई है। एनसीपीसीआर ने कहा कि मदरसे अल्पसंख्यक संस्थान की श्रेणी में आते हैं और उन्हें संविधान के अनुच्छेद 14 और अनुच्छेद 15 (1) से छूट प्राप्त है। यह दोनों कानून बच्चों में समानता और और उनके स्वस्थ तरीके से और स्वतंत्रता और सम्मान की स्थिति में विकसित होने के अवसर और सुविधाएं देना सुनिश्चित करते हैं।एनसीपीसीआर ने यह भी खुलासा किया है कि इन मदरसा में बड़ी संख्या में गैर-मुस्लिम छात्र भी पढ़ते हैं। यह देश के संविधान के अनुच्छेद 28 (3) का उल्लंघन है। इस्लामी शिक्षा देने वाले यह मदरसे किशोर न्याय अधिनियम 2015 की धारा 75 का उल्लंघन भी करते हैं। एनसीपीसीआर ने तर्क दिया है कि यहां बच्चों को इस्लाम के अलावा भी और धर्म को मानने से रोका जाता है, इसीलिए यह किशोर न्याय अधिनियम की धरा 75 का उल्लंघन है।एनसीपीसीआर ने उन पुस्तकों का भी संज्ञान लिया है जिन्हें दारुल-उलूम-देवबंद द्वारा जारी किए गए फतवों के आधार पर बनाया गया है और मदरसों के पाठ्यक्रम में शामिल कर दिया गया है। ऐसे ही एक फतवे में तक्वियत-उल-ईमान नाम की एक किताब को प्रामाणिक स्रोत बताया गया है। चिंता की बात यह है कि इस किताब में इस्लाम पर काफी कट्टर विचार लिखे हुए हैं।आयोग ने यह भी पाया है कि मदरसों में पढ़ाई जाने वाली कई किताबों में बताया जाता है कि इस्लाम ही सर्वोच्च है। इससे यह चिंताएं बढ़ गई हैं कि मदरसों में बच्चों को एक विचार की तरफ झुकाया जा सकता है। इसके अलावा, एनसीपीसीआर ने पाया कि मदरसों की कुछ किताबों में नाबालिगों के साथ अवैध संबंधों के बारे में भी बात की गई है। इससे चिंताएं और गहरी हो गई हैं।एनसीपीसीआर ने कहा, आयोग को दारुल उलूम देवबंद द्वारा जारी किए गए फतवों के बारे में शिकायतें मिली हैं, जिसमें बहिश्ती ज़ेवर नामक पुस्तक के संदर्भ शामिल हैं। यहां यह बताना जरूरी है कि उक्त पुस्तक में बच्चों के संबंध में आपत्तिजनक और अवैध बाते लिखी गई हैं, इसमें नाबालिग बच्चों के साथ यौन संबंध बनाने सम्बन्धित बाते तक हैं। यह पुस्तक मदरसों में बच्चों को पढ़ाई जाती है और इस तरह की आपत्तिजनक जानकारी वाले अन्य फतवे भी उपलब्ध हैं।इस किताब को 2023 में एनसीपीसीआर के नोटिस के बाद दारुल उलूम देवबंद की वेबसाइट से हटा दिया गया था।

एनसीपीसीआर को दारुल उलूम की वेबसाइट पर गजवा-ए-हिंद से सम्बन्धित भी फतवा मिला था। एनसीपीसीआर ने कहा, आयोग ने दारुल उलूम देवबंद की वेबसाइट पर मौजूद एक फतवे का संज्ञान लिया है जिसमें भारत पर आक्रमण (गजवा-ए-हिंद) के बारे में बात की गई है और कहा गया है कि जो कोई भी इसमें मारा जाएगा वह एक महान शहीद कहा जाएगा।एनसीपीसीआर ने बताया कि मदरसों द्वारा अपने कारनामों को सही ठहराने के लिए संविधान के अनुच्छेद 29(2) का दुरुपयोग किया जा रहा है। आयोग ने कहा, इस्लामिक शिक्षा देने के लिए पढ़ाने के लिए मदरसे प्राथमिक संस्थान हैं, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता। एनसीपीसीआर ने कहा कि संविधान में मदरसों को मिली छूट बच्चों को संतुलित और औपचारिक शिक्षा प्रदान करने के व्यापक संवैधानिक दायित्व के अनुरूप नहीं है। एनसीपीसीआर ने कहा कि मदरसे संविधान में दी गई छूट का नाजायज फायदा उठा रहे हैं।

एनसीपीसीआर ने अंजुम कादरी की याचिका को चुनौती दी है। कादरी ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी, जिसमे उसने जिसमें उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम 2004 को रद्द कर दिया था। आयोग ने कहा कि यह अधिनियम धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांतों और अनुच्छेद 14, 21 और 21ए के संवैधानिक जनादेश के खिलाफ है। गौरतलब है कि हाई कोर्ट के इस निर्णय पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि बच्चों को अच्छी शिक्षा मिलनी चाहिए लेकिन लेकिन उपाय अधिनियम को रद्द करना नहीं है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

चारकमान में की गई महाराजा श्री अग्रसेन महाराज की प्रतिमा की पूजा-अर्चना

हैदराबाद, 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। महाराजा श्री अग्रसेन की 5148वीं जयंती के अवसर पर अग्रवाल समाज तेलंगाना ने हैदराबाद में सभी अग्रसेन महाराज की प्रतिमाओं पर पूजा कर अग्रसेन जयंती महोत्सव की शुरुआत करने का निर्णय लिया है।

इसी क्रम में सोमवार प्रातः भगवती बाई मान्टेसरी स्कूल चारकमान में महाराजा श्री अग्रसेन महाराज की प्रतिमा की पूजा-अर्चना, माल्यार्पण एवं आरती के बाद प्रसाद वितरण किया गया।

इस अवसर पर बजरंग लाल रिकाबगंज शाखा के अध्यक्ष, शेष कुमार गोयल उर्दू शाखा के अध्यक्ष, रिंकू गर्ग राणी सती दादी घांसी बाजार महिला शाखा के अध्यक्ष, जितेंद्र मित्तल रिकाबगंज शाखा के उपाध्यक्ष, हेमा अग्रवाल राणी सती दादी महिला शाखा के उपाध्यक्ष, सुनील कुमार रिकाबगंज शाखा के मानद मंत्री, पंकज मित्तल उर्दू गली शाखा के मानद मंत्री, मोनिका अग्रवाल राणी सती दादी महिला शाखा के मानद मंत्री, धीरज गुप्ता उर्दू गली शाखा के कोषाध्यक्ष, राजेश बगड़िया रिकाबगंज शाखा के परामर्शदाता, प्रवीण गोयल, मुकेश कुमार केडिया, सीमा अग्रवाल, सविता अग्रवाल, पूनम तुलस्यान, सुशीला केडिया, कविता अग्रवाल, शिल्पा अग्रवाल आदि अग्रबन्धु उपस्थित रहे।

धीरज गुप्ता ने आए हुए सभी अतिथियों के पार्टी धन्यवाद ज्ञापित किया।

शिवाजी नगर सिकंदराबाद स्थित जसोदा कुंज में स्थापित गणेश जी की प्रतिमा को विसर्जन के लिए ले जाते हुए लड्डू बबीता, आदित्य मेहुल बंग और मित्र राजेश लोया।

ब्रह्म प्रकाश डीएवी स्कूल की छात्रा ने राष्ट्रीय प्रतियोगिता में हासिल किया पांचवां स्थान

हैदराबाद, 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। ब्रह्म प्रकाश डीएवी स्कूल मिधानि कंचनबाग की छात्रा ने विज स्पेल बी राष्ट्रीय मेगा फाइनल में पांचवां स्थान प्राप्त किया है। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में देश भर के सर्वश्रेष्ठ छात्रों ने भाग लिया था। बी. श्री सहस्रा की इस उपलब्धि पर स्कूल प्रबंधन और उनके परिवार में खुशी की लहर है। ब्रह्म प्रकाश डीएवी स्कूल के प्रधानाचार्य वी एस प्रशांत जी ने कहा यह हमारे लिए गर्व की बात है कि हमारी छात्रा ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाई है। हम बी. श्री सहस्रा को उनकी इस उपलब्धि के लिए हृदय से बधाई देते हैं। बी. श्री सहस्रा की इस सफलता ने स्कूल और शहर का मान बढ़ाया है। हमें विश्वास है कि वह भविष्य में भी ऐसी ही उपलब्धियां हासिल करेंगी।

हिल रिज स्प्रिंग्स गच्ची बावली में गणेश विसर्जन धूमधाम से सम्पन्न हुआ। जिसमें वसुधैव कुटुंबकम के केपी अग्रवाल, भगवान लोहिया, गीता अग्रवाल, जयश्री लोहिया, आशा अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल, राज माथुर, कमलेश अग्रवाल आदि ने बड़े ही उत्साह पूर्वक भाग लिया।

आदर्श लॉरी ओनर ऐसोसिएशन द्वारा 49वां गणेश उत्सव का आयोजन बड़ी धूमधाम से वाईएमसीए सिकंदराबाद में किया गया। आज सोमवार को अन्नदानम किया गया। इस मौके पर आदर्श लारी ओनर एसोसिएशन के अध्यक्ष मोतीयालू,पूर्व अध्यक्ष एम नरसिम्हा, महासचिव पेंटेश, उपाध्यक्ष बिनय कुमार यादव, रमेश जैन, श्रीनिवास, जितेन्द्र गुप्ता, यादगिरी, नर्सिंग राव एवं भारी मात्रा में पूर्व पदाधिकारी और भारी संख्या में सदस्यों ने भाग लिया।

जन सेवा संघ संचालन समिति की बैठक में लिए गए कई निर्णय

हैदराबाद, 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जन सेवा संघ के महासचिव राजीव चौबे द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, संचालन समिति और छठ पूजा घाट प्रभारियों की बैठक का आयोजन जुबली हिल्स स्थित प्रशासन नगर कमेटी क्लब में किया गया। जन सेवा संघ के वी के सिंहने सभा का संचालन किया। तत्पश्चात उपस्थित सभी सदस्यों से चर्चा करते हुए विकास कार्यों की जानकारी सभी सदस्यों को प्रस्तुत करने को कहा। उन्होंने बताया कि सीताराम ठाकुर ने सभी संचालन समिति के प्रभारी को अपने-अपने क्षेत्र में सभा का आयोजन करने के लिए अनुरोध किया है अतः सभी को अपने-अपने क्षेत्र में जल्दी बैठक का आयोजन करना है। किसी भी अति आवश्यक परीस्थिति में यह 4 सदस्य उपस्थित रहेंगे जिनमें सीताराम ठाकुर, राजीव चौबे, राधे श्याम राय यादव, बिनीत सिंह। हर महीने में क्षेत्रीय सभा का आयोजन करना है, प्रत्येक संचालन समिति के सदस्य को पांच दानदाताओं के नाम देना है। हर गुरुवार को दोपहर 3:30 बजे से खैराताबाद केंद्रीय कार्यालय में जनता दरबार का आयोजन किया जाएगा। नेकलेस रोड छठ पूजा घाट की निगरानी हरि सिंह, सुशील श्रीवास्तव, एस पी सिंह, सीताराम ठाकुर, गोविंद तिवारी करेंगे। नेकलेस रोड घाट पर स्वयं सेवकों की नियुक्ति की जाएगी, प्रत्येक छठ पूजा घाट को रिसिप्ट दिया जाएगा और स्पॉन्सर के लिए प्रयास किया जाएगा। केंद्रीय समिति नेकलेस रोड घाट पर ओपन ऑक्शन का आयोजन करेगी। दिसंबर में फूड फेस्टिवल का आयोजन क्लासिक गार्डन सिकंदराबाद में किया जाएगा। सभी मंत्रियों को निमंत्रण दिया जाएगा। सुनील श्रीवास्तव को नेकलेस रोड छठ पूजा में स्पॉन्सरशिप बैनर की देखरेख की जिम्मेदारी दी गई। यह निर्णय लिया गया कि शुक्रवार को छठ पूजा प्रभारी की बैठक का आयोजन किया जाएगा। जन सेवा संघ के अध्यक्ष आर पी सिंह ने बताया कि सभी सदस्य एकजुट होकर बहुत ही बढ़िया कार्य कर रहे हैं और सभी को ऐसे ही निरंतर कार्य करते रहना है।

आज जन सेवा संघ शहर के सभी लोगों और सरकार में एक छाप छोड़ चुका है, उन्होंने 6 दानदाताओं की सूची साझा की। जन सेवा संघ के महासचिव राजीव चौबे ने बताया कि हमें नेकलेस रोड छठ पूजा घाट पर प्रवेश द्वार को बड़ा करना चाहिए ताकि लोग आसानी से प्रवेश कर सके कोई भगदड़ न मचे। उन्होंने सभी सदस्यों से आग्रह किया कि सभी लोग 5 से 10 दानदाताओं के नाम जल्द से जल्द दें, अपने तरफ से 10 दानदात-ाओं के नाम सभी के साथ साझा किया, उन्होंने सभी सदस्यों और देशवासियों को गणेश उत्सव पर हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने सभी उपस्थित सदस्यों से संस्था को मजबूत बनाने के लिए कर्मठता से कार्य करने का आग्रह किया। जन सेवा संघ के कोषाध्यक्ष बिनीत सिंह ने बताया कि सभी सदस्यों के सहयोग से संस्था निरंतर आगे बढ़ती जा रही है और ऐसे ही आगे बढ़ती जाएगी। सुनील श्रीवास्तव ने बताया कि हमें एक महीने पहले ही जन सेवा संघ के प्रोटोकॉल बनाकर सभी को अवगत कराना चाहिए। संजय भगत ने बताया कि वह जल्द ही उप्पल में क्षेत्रीय अध्यक्ष के साथ मिलकर बैठक का आयोजन करेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि हेमा नगर छठ पूजा घाट मत्स्य विभाग के अंतर्गत आने के कारण छठ पूजा में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। एल एम चौधरी ने बताया कि सभी घाटों पर समय से पहले अनुमति आवेदन पत्र दे देना है। बसंत सोलंकी ने बताया कि पिछले वर्ष संगारेड्डी छठ पूजा घाट पर कलेक्टर और कमिश्नर ने भाग लिया था।

विभिन्न सदस्यों ने अपने अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर जन सेवा संघ के वी के सिंह, आर पी सिंह, गोविंद तिवारी, राजीव चौबे, बिनीत सिंह, हरेन्दर चौबे, सीताराम ठाकुर, राधे श्याम राय यादव, एल एम चौधरी, संजय कुमार भगत, बसंत सोलंकी, हरी सिंह, सुशील श्रीव-ास्तव, सुनील श्रीवास्तव, बिपीन पासवान, एम डी मुन्नाव्वार, सुबोध कुमार सिंह, रूपक कुमार, अरुण यादव, मनोज यादव आदि उपस्थित रहे।

रविवार रात जियागुड़ा डिवीजन के नगरसेवक बोहिनी दर्शन, नव भारत संघम के अध्यक्ष मधिरा सत्यनारायण ने जियागुड़ा डिवीजन में इमामपुरा नव भारत संघम द्वारा आयोजित गणेश मंडपम में विशेष पूजा की। कार्यक्रम में समाज के प्रतिनिधि जी. विनय कुमार, एम. महेश बाबू, वाई. जसवन्त कुमार, एम. सुदर्शन, ए. गौतम, एस. अर्जुन, एम. नरेश, ई. ईशवंत कुमार, सी. नरसिंग राव और अन्य लोग शामिल हुए।

गणेश चतुर्थी के अवसर पर न्यू क्रांति संगम युवा क्लब द्वारा नगर खाना रोड पर गणेश पंडाल स्थापित किया गया। इस अवसर पर आयोजित पूजा में उपस्थित सुनील साहू, गोपाल राव, पवन.पी, कमल महाराज, अनिल कुमार, देवेंद्र, प्रभाकर और अन्य।

फीलखाना स्थित इलेवन टायगर फ्रेंड्स क्लब द्वारा भव्य गणेश प्रतिमा के पण्डाल पर पूजा कर दर्शन करते मधु उपाध्याय, रामदेव नागला,श्याम सुन्दर व्यास (भाऊ), आनन्द उपाध्याय, श्रीराम तिवारी, संजू व्यास, मुरारी तिवारी एवं गुल्लु तिवारी।

श्री एकदंत यूथ एसोसिएशन शिवारामपल्ली द्वारा आयोजित विशेष पूजा अर्चना करते हुए रामविलास चौबे, आशा चौबे, आकाश चौबे, पंडित गणेश जोशी जी व भक्तगण।

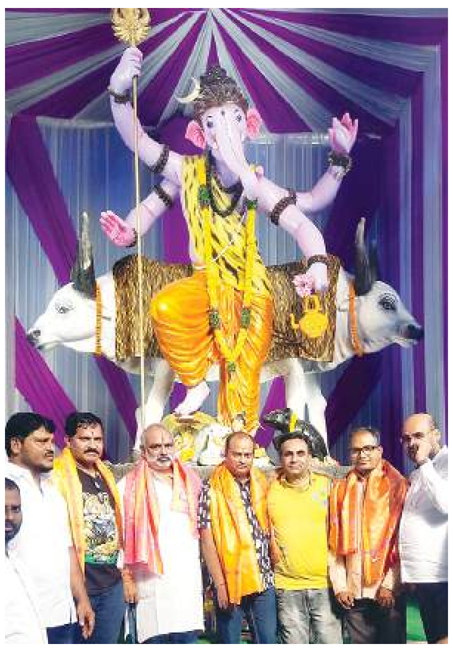

सुल्तान बाजार गणेश मंडप में एडवोकेट प्रदीप पार्थानी, एडवोकेट हरिप्रसाद, रामलाल, बट्टू नागेश्वर राव का स्वागत करते हुए गनफाउंड्री डिवीजन बीआरएस के वरिष्ठ नेता आशीष पंडित एवं एंटो डेमोंटे।

जियागुड़ा डिवीजन के नव भारत संघम के अध्यक्ष मधिरा सत्यनारायण ने अपने निवास पर विनायक मंडपम स्थापित किया। 9 दिनों की अंतिम पूजा, आरती, भव्य पूजा के बाद टैंकबंड नेकलेस रोड नंबर 1 काउंटर के माध्यम से प्रतिमा का विसर्जन किया गया। इस अवसर पर मधिरा माधवी, मधिरा दीपक, मधिरा ध्रुविका और परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

अग्रोहा बैंक की 25वीं वार्षिक साधारण सभा सम्पन्न

अंशधारकों को 10 प्रतिशत लाभांश देने की घोषणा

हैदराबाद, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रोहा को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड की 25वीं वार्षिक साधारण सभा की सभा चिराग अली लेन स्थित होटल रायलटन में संपन्न हुई जिसमें अंशधारकों को 10 प्रतिशत लाभांश देने की घोषणा की गई। बैंक की 25वीं वार्षिक साधारण सभा को संबोधित करते हुए चेयरमैन रतन गुप्ता ने बताया कि विश्व में सामाजिक-आर्थिक वातावरण पर नजर डालें तो वैश्विक स्तर पर आर्थिक स्थिति खराब रही क्योंकि रूस ने यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर आक्रमण किया। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यूरोप में यह सबसे बड़ा संघर्ष है। रूस और यूक्रेन के बीच लंबे समय तक युद्ध चलने से विश्व अर्थव्यवस्था को बड़ा झटका लगा है। मेडिकल कोर्स की पढ़ाई कर रहे भारत के छात्र विस्थापित हो गए। इसी प्रकार अर्थव्यवस्था और बैंकिंग उद्योग पर एक नज़र डालें तो भारतीय अर्थव्यवस्थालगातार आगे बढ़ रही है। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वित्त वर्ष 2023-24 में 7.2 प्रतिशत है और 2025 में 6.6 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। आरबीआई ने ब्याजदर को 6.75 प्रतिशत पर बनाए रखा है। रेपो दर 3.35 प्रतिशत पर है। इसके अलावा, सरकार ने 29 सितंबर 2020 को बैंकिंग विनियमन (संशोधन) अधिनियम 2020 पारित किया, जिससे आरबीआई को बेहतर प्रशासन के लिए यूसीबी पर अधिक अधिकार देने का अधिकार मिला। वर्तमान में आरबीआई सहकारी बैंकिंग द्वारा अपनाए जाने वाले वैधानिक मानदंडों को लागू करने के लिए बहुत उत्सुक है। किसी भी उल्लंघन के लिए आरबीआई मौद्रिक दंड लगा रहा है। उन्होंने कहा कि जहां तक अग्रोहा बैंक की बात है तो आपके बैंक का जमा आधार लगातार बढ़ रहा है और बैंक तीव्र गति से विकास पथ पर आगे बढ़ रहा है। सभी वित्तीय मानदंडों में सकारात्मक वृद्धि के संकेत हैं। बैंक ने सफलतापूर्वक सभी डिजिटलीकरण कार्य पूरे कर लिए हैं। डिजिटलीकरण के मामले में बैंक किसी भी अन्य बैंक के समकक्ष है।बैंक में सभी प्रकार के ई-कॉम लेनदेन, ऑनलाइन भुगतान, शॉपिंग, टिकट होटल बुकिंग, यूटिलिटी बिल भुगतान, पॉस मशीन, आईएमपीएस (मोबाइल बैंकिंग) के लिए डेबिट कार्ड के साथ रुपे है। हमनें सफलतापूर्वक यूपीआई (गूगल पे, फोन- पे, व्हाट्सऐप पे, एयरटेल पे) लांच किया। हम बचत खाते (एसबी) और चालू खाते (सीए खातों) को व्यक्तिगत चेक बुक जारी कर रहे हैं।चेयरमैन रतन गुप्ता ने बैंक के सम्मानित सदस्यों को आश्वस्त करते हुए कहा कि बैंक वित्तीय रूप से बहुत मजबूत है और हम आरबीआई (वित्तीय रूप से मजबूत और अच्छी तरह से प्रबंधित बैंक) द्वारा निर्धारित एफएसडब्ल्यूएम के मानदंडों को पूरा कर रहे हैं। बैंक आरबीआई द्वारा निर्धारित सभी वैधानिक मानदंडों का पूरी तरह से पालन कर रहा है। चेयरमैन रतन गुप्ता ने कहा कि बैंक ने अपनी रजत जयंती पूर्ण की है। उन्होंने बैंक के वर्ष 2022-23 के आंकड़ों की वर्ष 2023-24 के आंकड़ों से तुलना करते हुए बैंक की प्रगति पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बैंक की जमा राशि वर्ष 2022-23 को 5909.77 लाख रुपये से बढ़कर वर्ष 2023-24 को 7357.68 लाख रुपये तक पहुंचाते हुए इसमें 24.50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि की। बैंक का एडवांस भी 3710.05 लाख रुपये से बढ़कर 4980.31 लाख रुपये तक पहुंचाते हुए इसमें 34.24 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि की गयी। बैंक का कर पूर्व लाभ 82.44 लाख रुपये से 98.92 लाख रुपये तक पहुंचाते हुए इसमें 19.94 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी। बैंक का कर पूर्व लाभ गत वर्ष के 60.93 लाख रुपये से बढ़कर 73.99 लाख रुपये तक पहुंचाते हुए इसमें 21.43 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी की गयी। उन्होंने कहा कि बैंक के निदेशक मंडल ने अंशधारकों को 10 प्रतिशत लाभांश देने का प्रस्ताव रखा है। बैंक का स्लोगन द मिलेनियम बैंक को पूर्ण रूप से चरितार्थ कर रहा है। बैंक का सीडी रेशियो 68.07 प्रतिशत एवं सकल एनपीए 1.64 प्रतिशत और शुद्ध एनपीए शून्य प्रतिशत है। उन्होंने शेयरधारकों, ग्राहकों, जमाकर्ताओं, शुभचिंतकों का आभार प्रकट करते हुए कहा कि सभी के सहयोग से बैंक गौरवशाली पथ पर आगे बढ़ रहा है। हम भारतीय रिजर्व बैंक, तेलंगाना सरकार के सहकारिता विभाग, तेलंगाना राज्य सहकारी बैंक महासंघ और बैंकर्स (एचडीएफसी बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक,आईसीआईसीआई बैंक) के अधिकारियों का भी सहयोग के लिए आभार व्यक्त करतेहैं। मेसर्स अनंत राव एंड मलिक, चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के सीए वी. अनंत राव औरसीए सौरव को बैंक के वैधानिक लेखा परीक्षण के दौरान उनके बहुमूल्य मार्गदर्शनके लिए विशेष आभार व्यक्त करते हैं। ऋषभ अग्रवाल को समवर्ती लेखा परीक्षाके संचालन के लिए धन्यवाद देते हैं। सबसे बढ़कर हमारे प्रमोटर शरद बी. पित्ती केबहुमूल्य मार्गदर्शन से बैंक लगातार प्रगति कर रहा है और सभी स्टाफ सदस्यों कोउनकी कुशल मेहनत और ग्राहक सेवा के लिए आभार व्यक्त करते हैं। अवसर पर संस्थापक चेयरमैन शरद बी. पित्ती ने भी अपने विचार रखे औरबैंक में सहयोग करने वाले निदेशक मंडल, स्टाफ, अंशधारक तथा शुभचिंतकों काआभार प्रकट किया। अवसर पर अंशधारकों की शंकाओं का समाधान कियागया। सभा में बैंक के संस्थापक पिलर्स एवं पहले चयनित बोर्ड के अंतर्गत संस्थापकचेयरमैन शरद बी. पित्ती, बद्रीविशाल बंसल, बिनोद सितानी, लक्ष्मी निवास शर्मा, मोहनलाल अग्रवाल, नरेश टिबरेवाल, ओ.पी. गोयनका, राजेश कुमार अग्रवाल, राजेन्द्र कुमार संघी, रतन गुप्ता, रतन केड़िया, संजय कुमार अग्रवाल, सुभाष गोयल, सुनील कुमार पाटोदिया, सुरेन्द्र कुमार अग्रवाल, विनय सी. अग्रवाल, विनय एस अग्रवाल एवं विनोद अग्रवाल सहित 20 वर्ष से अधिक सेवा देने वाले वाई सुरेश कुमार प्रबंधक (प्रशासन), टी. पद्मावती प्रबंधक (लोन), एस. पर्वतलू सब स्टाफ, संतोष पंवार सब स्टाफ, 15 से 20 साल तक सेवा करने वाले जी. प्रेमलता (जूनियरऑफिसर), सी. रेणुका, 10 से 15 वर्ष सेवा देने वाले बी. विनय कुमार, वी. श्रीनाथ,श्रीकला, बी. अंजना देवी, 5 वर्ष तक सेवा देने वाले सीईओ नंदकिशोर बाहेती,महाप्रबंधक वारिजा कुलकर्णी, उप महाप्रबंधक मनीषा राठी, वरिष्ठ अधिकारीएम. श्रीकांत, सहायक प्रबंधक स्वप्न प्रिया, जूनियर आफिसर जी. कावेरी का निदेशक मंडल द्वारा स्वागत किया गया। बैंक के सीईओ नंदकिशोर बाहेती ने कार्यवाही चलाते हुए सभा के एजेंडे को पारित करवाया। वाइस चेयरमैन विजय गुप्ता ने आभार प्रदर्शन किया। अवसर पर संस्थापक चेयरमैन शरद बी. पित्ती, चेयरमैन रतन गुप्ता, वाइस चेयरमैन विजय गुप्ता, निदेशक अजीत गुप्ता, गोपाल मोर, कैलाशचंद केडिया, किरण प्रकाश, लक्ष्मीनिवास शर्मा, पूजा राणासरिया, प्रदीप कुमार अग्रवाल, राजेश कुमार अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेन्द्र कुमार गोयल, उदय मोर, उर्मिला अग्रवाल, विनय सी. अग्रवाल, सीईओ नंदकिशोर बाहेती व पूर्व निदेशक, अंशधारक उपस्थित थे।

अग्रवाल समाज जॉब मेला को अंतिम रूप देने के लिए परामर्शदाताओं के साथ बैठक

हैदराबाद, 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। महाराजा अग्रसेन जी की 5148वीं जयंती महोत्सव के अन्तर्गत सोमवार, दि. 16 सितंबर को अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा आगामी दि. 22 सितंबर 2024 को क्लासिक गार्डन बलमराई में आयोजित किये जा रहे जॉब मेला कार्यक्रम को अंतिम रूप देने के लिए अग्रवाल समाज तेलंगाना के परामर्शदाता डॉ. मोहन गुप्ता के साथ बैठक की गई ।प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम के संयोजक प्रेम अग्रवाल और सह संयोजक ललित अग्रवाल ने कार्यक्रम की संपूर्ण रूप रेखा परामर्शदाता डॉ. मोहन गुप्ता के समक्ष प्रस्तुत की और बताया कि अभी तक लगभग रोज़गार के लिए 250 आवेदन आ चुके है और कम्पनियों के पास लगभग 300 अभियार्थियों को रोज़गार देने का प्रावधान है। जिसमें विभिन्न प्रकार के रोज़गार योग्यता के अनुसार उपलब्ध है । विज्ञप्ति में कहा गया कि जॉब देने का अंतिम निर्णय कम्पनी का होगा । अग्रवाल समाज मात्र सूत्रधार का कार्य करते हुए अभियार्थियों को जॉब मेला के रूप में एक बड़ा मंच प्रदान कर रहा है।

अवसर पर परामर्शदाता डॉ. मोहन गुप्ता ने अग्रवाल समाज की इस नई पहल की सराहना की और कहा कि समाज के बंधुओं के हित में कार्य करना ही समाज का प्रथम कर्तव्य है। मुझे प्रसन्नता है कि अग्रवाल समाज तेलंगाना सही दिशा में अग्रसर है।

जगदीश मंदिर में महाराज अग्रसेन जी की पूजा सम्पन्न

हैदराबाद, 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री अग्रसेन जी का 5148वां जयंती महोत्सव के शुभारंभ पर श्री जगदीश मंदिर में अग्रसेन महाराज का माल्यार्पण एवं आरती की गई। इसी संदर्भ में कवयित्री भगवती अग्रवाल द्वारा श्री अग्रसेन की वीर गाथा की प्रस्तुति दी गई। प्रेस को जारी विज्ञप्ति में सतवंती सरायवाला, हैदरगु ड़ा शाखा के अध्यक्ष गोपालदास अग्रवाल, मंत्री महेश कानोडिया, अनिल गुप्ता, नारायणगुड़ा शाखा के डीपी अग्रवाल, कांग्रेस पार्षद प्रेमलता अग्रवाल, अनुपमा गुप्ता, किरण अग्रवाल अध्यक्ष पैराडाइज शाखखा नीशा अग्रवाल व अन्य उपस्थित थे।

रोटरी क्लब ऑफ हैदराबाद सेंटेंनियाल की अयोध्या-वाराणसी तीर्थ यात्रा सम्पन्न

हैदराबाद, 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। रोटरी क्लब इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3150 के अंतर्गत रोटरी क्लब ऑफ हैदराबाद सेंटेंनियाल द्वारा तीर्थ यात्रा का आयोजन किया गया।यहाँ जारी प्रेस विज्ञप्ति में क्लब के सोशल मीडिया डायरेक्टर पारस डोसी ने बताया कि रोटरी क्लब ऑफ हैदराबाद सेंटेंनियाल विगत 20 वर्षों से समाज व क्लब हित में विभिन्न कार्यक्रमों द्वारा अपनी सेवाएं प्रदान कर रहा है जिसमें- इस वर्ष 2024-25 के क्लब अध्यक्ष रोटेरियन पराग शाह के अध्यक्षता में गत महीनों में श्रीमती माधवी लता द्वारा संचालित विभिन शिक्षण संस्थानों में बच्चों के लिए करीब 5000 पाट्य पुस्तकें वितरित की गई। उन्होंने आगे बताया कि प्रति वर्ष क्लब सदस्यों द्वारा स्पिरिचुअल (धार्मिक) यात्रा आयोजित की जाती है। इस वर्ष भी अध्यक्ष रोटेरियन पराग शाह के नेतृत्व में करीब 28 सदसयों का ग्रुप श्री राम जन्म भूमि मंदिर, अयोध्या एवं महादेव श्री शिवजी का काशी विश्वनाथ मंदिर, वाराणसी के दर्शन के लिए गत 12 सितंबर, 2024 को हैदराबाद से चार दिवसीय हवाई यात्रा द्वारा प्रस्थान किया और 15 सितंबर को वापसी हुए। क्लब के सदस्यों- पराग-सिंथिया शाह, पारस-विजयलक्ष्मी डोसी, रामराज-दीप्ति खतरी, दिवाकर-उषा प्रभाकर, गोविद-राखी अग्रवाल, रविन्दर-सुधा बोग-गरापु, चेतन-मधु,राजेश-सीमा अग्रवाल, महावीर-मंजु जैन, अनिल-सुमनलता कोठा, सुरेश-शारदा बटचु, वैभव-पायल गुप्ता, सुधीर-सुषमा पित्ती व दीपक-रंजना पित्ती ने यात्रा दौरान अयोध्या व वाराणसी के विभिन मंदिरों के दर्शन का लाभ लेते हुवे गंगा घाट पर भव्य गंगा आरती का लाभ भी लिया। यात्रा को सफल बनाने में राजेश अग्रवाल, दिवाकर प्रभाकर, वैभव गुप्ता व पारस डोसी ने विशेष भूमिका निभायी और साथ ही सभी सदस्यों ने पूर्ण सहयोग दिया।

अग्रवाल समाज तेलंगाना का खेल कूद कार्यक्रम सफलता से सम्पन्न

हैदराबाद, 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। 5148वीं महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव के संदर्भ में सोमवार को अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा चेस एवं कैरम प्रतियोगिता का आयोजन अग्रवाल समाज बैंक्वेट हॉल सिकंदराबाद में किया गया । प्रतियोगिता में 06 से 70 वर्ष की आयु तक वाले कुल 110 प्रतियोगियों ने भाग लिया। चेस में 300 और कैरमबोर्ड प्रतियोगिता में 100 मैच कराए गए। इस अवसर पर अग्रवाल समाज के परामर्शदाता डॉ. मोहन अग्रवाल ने अग्रवाल समाज के पदाधिकारियों साथ कैरमबोर्ड का आनंद लिया। उक्त खेलों का आयोजन अग्रवाल समाज स्पोर्ट्स कमेटी एवं मानसरोवर शाखा ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम में अग्रवाल समाज के परामर्शदाता डॉ. मोहन गुप्ता, अध्यक्ष मनीष अग्रवाल, उपाध्यक्ष पुरशोत्तम अग्रवाल, मानद मंत्री कपूरचंद,सह मंत्री श्रीमति कंचन अग्रवाल, निवर्तमान अध्यक्ष अंजनी कुमार अग्रवाल, कोषाध्यक्ष नवीन अग्रवाल स्पोर्ट्स कमेटी चेयरमैन राकेश जालान, वाईस चेयरमैन आशीष दोचनिया, अचल गुप्ता, लोकेश संघाई मानसरोवर शाखा से अध्यक्ष नीरज मोर, रोहित जैन, मनीष ड्रोलिया, मुकेश अग्रवाल, सत्प्रकाश बंसल, राजेश सराफ़, अविरल बंसल, नितिन सुरेका, निर्मल अग्रवाल, हितेश अग्रवाल, अरविंद सराफ़ ईशिता डालिया आदि उपस्थित थे।

चेस प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग में उपवन अग्रवाल ने प्रथम, ऋषि राज सिंगनोडिया ने द्वितीय पुरस्कार, महिला वर्ग में वेदिका अग्रवाल ने प्रथम और यशवी अग्रवाल द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया।कैरम प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग से सुशील गुप्ता ने प्रथम, संदीप चौधरी ने द्वितीय तथा महिला वर्ग से कमलेश मित्तल ने प्रथम, प्रभा अग्रवाल ने द्वितीय पुरुस्कार प्राप्त किया।अग्रसेन जयंती महोत्सव के प्रधान संयोजक पुरशोत्तम अग्रवाल ने आयोजन समिति के सफल आयोजन पर प्रशंसा करते हुआ कहा कि हर शाखा को मानसरोवर शाखा की ओर से समाज कार्य में आगे आना चाहिए। इस वर्ष गत वर्ष की तुलना में प्रतियोगिता में अधिक प्रतियोगियाओं ने भाग लिया है।

भारतरत्न मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया जयंती स्मारक पुरस्कार इंजीनियर डॉ. पुप्पला अनिल कुमार, प्रिंसिपल, कमला नेहरू पॉलिटेक्निक फॉर विमेन, हैदराबाद, इंजीनियर डॉ. मेदिशेट्टी नागरत्ना, कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग में प्रोफेसर और परीक्षा नियंत्रक, जेएनटीयूएच, हैदराबाद और इंजीनियर पुप्पला परमेश्वर राव, प्रिंसिपल, सेवानिवृत्त औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, हैदराबाद को लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद रॉयल के लायन वैला श्रीनिवास राव और लायन अकुला रविंदर राव द्वारा सम्मान किया गया।

शांति गणेश मंडप, जियागुड़ा द्वारा स्थापित गणेश जी पूजा-अर्चना करते जुए मान्वी, राजवीर, मुसकान ज्ञ आशु।

अखंड रामचरितमानस पारायण पाठ जारी

हैदराबाद, 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री जगन्नाथ मठ माधव दास जी का तत्वावधान में श्री रंगनाथ मंदिर नैमिषारण्य धाम में अष्टाव वैकुंठ तीर्थ प्रदेश में एक वर्षीय द्वितीय अखंड रामचरितमानस पारायण पाठ का आयोजन जारी है। मंगलाशाशन श्रीश्रीश्री चिन्ना रामानुज जियर स्वामीजी और प्रेरणास्रोत वैकुंठवासी व्रथधर नारायण रामानुज जीयर स्वामीजी के आशिर्वाद तथा मुख्य यजमान माता अरुणा किशोर अग्रवाल परिवार द्वारा प्रतिदिन अपने परिवार के द्वारा एवं सभी को अवगत करा कर उक्त पुण्य रामचरितमानस पारायण पाठ में अपना नाम अंकित करवा रही है ।

उक्त कार्यक्रम को प्रत्यक्ष रूप में श्री जगन्नाथ मठ महंत एवं रंगनाथ मंदिर के संचालक अच्युत रामानुजाचार्य के द्वारा सभी भक्तों को आशीर्वाद प्रदान किया जा

रहा है। तीर्थ में अन्नदान में भक्तों द्वारा संकल्प लेकर प्रसाद ग्रहण कराया जा रहा है । मार्गदर्शन के रूप में शोभाचंद शिवराम लोया, कैलाश नारायण भांगड़िया, गोपाल सोनी, दीन बंधु अग्रवाल, वीना काबरा, नीरज यादव, द्वारका प्रसाद शर्मा, रमेश गुप्ता, परमानंद बंसल, नीरज सिंह यादव, नारायण दास असावा एवं श्री जगन्नाथ मठ परिवार कर रहे हैं।

CHANGE OF NAME

I, Service No. JC732524F Sub/SKT(MT) Lokesh Kumar of AdmBn, AOC Centre, Secunderabad, Telangana India hereby state that my son name is changed from **KIRISH KUSHWAHA** to **KRISH KUSHWAHA**.

केंद्रीय मंत्री रवनीत बिट्टू का राहुल गांधी पर सख्त प्रहार

राहुल गांधी देश के नंबर वन आतंकवादी

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को देश का नंबर वन आतंकवादी बताया है। उन्होंने राहुल गांधी पर आरोप लगाया कि राहुल सिखों को बांटने की कोशिश कर रहे हैं। बिट्टू ने राहुल गांधी को पकड़ने के लिए इनाम रखने की भी बात कही। उनके इस बयान के बाद कांग्रेस भड़की हुई है।

रवनीत सिंह बिट्टू ने राहुल गांधी के लिए कहा, पहले उन्होंने मुसलमानों का इस्तेमाल करने की कोशिश की, जब ऐसा नहीं हुआ तो अब वे सिखों को विभाजित करने का प्रयास कर रहे हैं। सिख किसी पार्टी से जुड़ा हुआ नहीं है मगर चिंगारी लगाने की कोशिश हो रही है। राहुल गांधी देश के नंबर वन टेररिस्ट हैं।

रवनीत सिंह ने कहा, जो देश के सबसे बड़े वांटेड अलगाववादी बयान देते थे, आज वही बयान राहुल गांधी ने दिया है। जो गोला बंदूक बनाने में माहिर हैं, उन्होंने राहुल गांधी की बात को सराहा है। उन आतंकवादियों और अल-गाववादियों की बात ही राहुल गांधी ने कही है। आप देख लीजिए जो देश के दुश्मन हैं, जो हर टाइम मारने की कोशिश करते हैं, जहाजों, ट्रेनों, रोड को उड़ाने की कोशिश करते हैं, जब वो लोग राहुल गांधी के समर्थन में आ गए तो आप अंदाजा लगा लीजिए। राहुल गांधी देश का नंबर वन आतंकवादी है। अगर किसी पर इनाम रखना चाहिए तो वो राहुल गांधी है। केंद्रीय मंत्री ने राहुल गांधी के

भारतीय होने पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, देखिए मेरी राय में राहुल गांधी भारतीय नहीं हैं। उन्होंने अपना अधिकांश समय दुनिया से बाहर बिताया है। उनके दोस्त और परिवार वहीं हैं, इसलिए मुझे लगता है कि कहीं न कहीं वह अपने देश से इतना प्यार नहीं करते हैं क्योंकि वे विदेशी हैं। इसीलिए भारत के बारे में ऐसी नकारात्मक बातें कहते रहते हैं। उनके इस बयान के बाद कांग्रेस भड़की हुई है। पार्टी प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा, जिसने राहुल गांधी के आगे पीछे करके अपना पूरा राजनीतिक करियर बनाया। सुप्रिया श्रीनेत ने अपने स्वभाव के मुताबिक बिट्टू को गालियां दीं और असंवैधानिक शब्दों का इस्तेमाल किया।

उल्लेखनीय है कि रवनीत सिंह बिट्टू ने यह बयान राहुल गांधी के उस बयान के विरुद्ध दिया है जो उन्होंने अमेरिका के वर्जीनिया में दिया था। राहुल गांधी ने वहां कहा था, भारत में लड़ाई इस बात को लेकर है कि क्या एक सिख को गुरुद्वारे में पगड़ी और कड़ा पहनने की अनुमति दी जाएगी? उनके इसी बयान पर बिट्टू बोले कि आखिर ऐसा कब हुआ कि किसी सिख को पगड़ी या कड़ा पहनने से रोका गया हो।

जीभ काटकर लाने वाले को 11 लाख का इनाम: गायकवाड़

मुंबई, 16 सितंबर (एजेंसियां)। शिवसेना विधायक संजय गायकवाड़ ने राहुल गांधी को लेकर विवादास्पद बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि आरक्षण खत्म करने वाले बयान के लिए जो भी राहुल गांधी की जुबान काटकर लाएगा, मैं उसको 11 लाख का इनाम दूंगा।

इस बात के लिए संजय गायकवाड़ की काफी आलोचना हो रही है। महाराष्ट्र भाजपा के अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा है कि वह इस बयान का समर्थन नहीं करते हैं। भाजपा ने महाराष्ट्र में शिवसेना शिंदे गुट के साथ गठबंधन की सरकार बना रखी है। इससे

पहले केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने राहुल गांधी के खिलाफ टिप्पणी की थी। हाल की अपनी अमेरिका यात्रा के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा सिखों के संबंध में की गयी टिप्पणी पर रवनीत सिंह बिट्टू ने राहुल गांधी को देश का सबसे बड़ा दुश्मन और आतंकवादी बताया है।

संजय गायकवाड़ ने मीडिया से बातचीत में कहा कि राहुल गांधी ने विदेश बयान दिया है कि वह भारत में आरक्षण व्यवस्था को खत्म करना चाहते हैं। उनकी इस बात ने इसने कांग्रेस को पूरी तरह से बेनकाब कर दिया है। इसके बाद उन्होंने इनाम की घोषणा करते हुए कहा कि राहुल गांधी के इस बयान के लिए जो कोई भी उनकी जुबान काटकर लाएगा, मैं उसे 11 लाख इनाम में दूंगा। गायकवाड़ विदर्भ क्षेत्र की बुलढाणा विधानसभा सीट से विधायक हैं।

जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव

जमात-ए-इस्लामी के साथ आवामी इत्तेहाद पार्टी का गठबंधन

श्रीनगर, 16 सितंबर (एजेंसियां)। आगामी जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों से पहले आवामी इत्तेहाद पार्टी (एआईपी) और भारत सरकार द्वारा प्रतिबंधित संगठन जमात-ए-इस्लामी (जेईआई) ने गठबंधन किया है। दोनों पार्टियों के बीच संयुक्त बैठक के बाद निर्णय लिया गया। इस दौरान लोकसभा सांसद इंजीनियर राशिद, एआईपी के मुख्य प्रवक्ता इनाम उन नबी समेत पार्टी के अन्य सदस्य शामिल हुए। वहीं जमात-ए-इस्लामी की ओर से गुलाम कादिर वानी और पार्टी के प्रमुख नेता भी शामिल हुए। जमात-ए-इस्लामी संगठन पर भारत सरकार ने बैन लगा रखा है। इस संगठन को सबसे पहले 2019 में गैर कानूनी घोषित किया गया था। 2024 में यह प्रतिबंध फिर बढ़ा दिया गया।

दोनों दलों की बैठक के बाद जारी बयान में इस गठबंधन की जानकारी दी गई। बयान में बताया गया कि दोनों दलों ने क्षेत्र के लोगों के हित में मिलकर काम करने की आवश्यकता पर बल दिया और जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों के लिए सीट बंटवारे पर चर्चा की। बयान में कहा गया है कि एआईपी कुलगाम और पुलवामा जिलों में जमात-ए-इस्लामी समर्थित उम्मीदवारों का समर्थन करेगी, जबकि जेईआई पूरे कश्मीर में एआईपी उम्मीदवारों का समर्थन करेगी। साथ ही कहा कि ये गठबंधन जम्मू-कश्मीर में लोगों के लिए शांति, न्याय और राजनीतिक सशक्तिकरण की दिशा में एकजुट मोर्चा बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

उल्लेखनीय है कि राज्य में इससे पहले कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस के बीच गठबंधन हुआ था।

जिसके बाद फैसला लिया गया कि नेशनल कॉन्फ्रेंस 90 में से 51 सीटों पर चुनाव लड़ेगी, जबकि कांग्रेस 32 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। ये चुनाव प्रदेश में अनुच्छेद 370 निरस्त होने के बाद पहले विधानसभा चुाव हैं। इसमें 7 सीटें एससी और 9 सीटें एसटी के लिए होंगी। यहां तीन चरण में चुनाव होंगे 18 सितंबर, 25 सितंबर और 1 अक्टूबर। वहीं मतगणना 8 अक्टूबर को होगी।

जालंधर में 10 किग्रा हेरोइन सहित चार तस्कर गिरफ्तार

जालंधर, 16 सितंबर (एजेंसियां)। पंजाब के जालंधर में पुलिस ने 10 किलोग्राम हेरोइन बरामद करके तस्करी में शामिल एक अंतरराष्ट्रीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है।

पुलिस आयुक्त स्वपन शर्मा ने सोमवार को बताया कि सीआईए स्टाफ जालंधर की एक पुलिस टीम थाना डिवीजन छह, जालंधर के क्षेत्र में गश्त कर रही थी, जब उन्होंने शिंदा सिंह उर्फ काला निवासी गांव चक भंगोवाला, थाना ममदोट फिरोजपुर को एक किलोग्राम हेरोइन और चार लाख ड्रग मनी के साथ गिरफ्तार किया। उन्होंने कहा कि शिंदा के खिलाफ़ नौ सितंबर को एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला

दर्ज किया गया था। उन्होंने कहा कि जांच के दौरान मिली जानकारी पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 10 किलोग्राम हेरोइन के साथ चार अतिरिक्त आरोपियों को गिरफ्तार किया।

श्री शर्मा ने कहा कि आरोपियों की पहचान हरजिंदर पाल सिंह उर्फ़ जिंदर निवासी गांव गंडू किलचे ममदोट फिरोजपुर, वीर सिंह उर्फ वीरू निवासी गांव किलचे फ़िरोजपुर, सुरमुख सिंह उर्फ़ सेमा निवासी गांव लंगेआना फिरोजपुर और मलूक सिंह निवासी गांव गंडू किरचे ममदोट फ़िरोजपुर के रूप में हुई है। पुलिस आयुक्त ने कहा कि सभी आरोपी सीमा पार से नशीले पदार्थों की तस्करी में शामिल थे और पाकिस्तान स्थित तस्कर और संचालकों से जुड़े हुए थे। उन्होंने कहा कि ये आरोपी पाकिस्तान से हेरोइन की तस्करी के लिये ड्रोन समेत हाईटेक गैजेट्स का इस्तेमाल कर रहे थे। श्री शर्मा ने कहा कि हरजिंदर पाल सिंह के खिलाफ पहले से ही प्राथमिकी दर्ज है और उसे 2022 में जेल से रिहा किया गया है।

उन्होंने कहा कि वह पाकिस्तान सेना और रियासत डॉगर सहित हैंडलर्स के संपर्क में था, जिसके साथ वह अंतरराष्ट्रीय नंबरों का इस्तेमाल करके संवाद करता था। इसी तरह, पुलिस आयुक्त ने कहा कि अन्य सभी आरोपियों का आपराधिक रिकॉर्ड है और वे लंबे समय से नशे के कारोबार में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि मामले की आगे की जांच चल रही है।

रेल हादसों के पीछे साजिश पर गरजे रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव

एक-एक को पकड़कर करेंगे कानून के हवाले

किसी भी कीमत पर नहीं होने देंगे रेल यात्रियों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़

नई दिल्ली, 16 सितंबर (एजेंसियां)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रेल हादसों के पीछे साजिश की चर्चा के बीच सोमवार को रोष जताते हुए कहा कि रेल यात्रियों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने वाले एक-एक अपराधी को पकड़ कर कानून के हवाले किया जाएगा।

श्री वैष्णव ने रेल हादसों के पीछे साजिश होने को लेकर पहली बार ऐसी कठोर प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने न्यूज 18 इंडिया के कॉन्क्लेव चौपाल में रेल दुर्घटनाओं को लेकर सवालों के जवाब में कहा, मैं उन्हें स्पष्ट रूप से चेतावनी देता हूं। हम ऐसा करने वाले एक-एक को पकड़ेंगे, एक-एक के पीछे जाएंगे। किसी भी हालत में जो देश के दो करोड़ यात्री प्रतिदिन यात्रा करते हैं, जिम्मेदारी के साथ उनकी सुरक्षा करेंगे। किसी को भी यात्रियों की सुरक्षा के साथ खेलने नहीं देंगे। हमें इतना चौकन्ना रहना है कि इस तरह के हर प्रयास को विफल कर सकें।

उल्लेखनीय है कि इन दिनों रेलवे ट्रैक पर साजिश के तहत कई तरह की चीजें रखे जाने की रिपोर्टें आ रही हैं। इसे लेकर रेल मंत्री ने ऐसी साजिश रचने वालों को चेताया है। श्री वैष्णव ने कहा आज से दस साल पहले देश में हर साल 171 रेल दुर्घटनाएं होती थीं लेकिन आज यह आंकड़ा घट कर 40 तक आ गया है। उन्होंने कहा कि अभी भी दिन रात मेहनत करके ढांचागत बदलाव करने पर फोकस है जिससे कि दुर्घटनाओं की संख्या 40 से भी कम करें। आने वाले दिनों में हम और जिम्मेदारी के साथ काम करेंगे। यात्रियों की सुरक्षा को और सुनिश्चित करेंगे। छठ पर घर जाने वाले यात्रियों को होने वाली दिक्कतों पर रेल मंत्री ने कहा, जितनी भी ट्रेन चलाते हैं वो फुल हो जाती हैं। रेलवे की क्षमता बढ़ जाएगी। भारत हर साल स्विट्जरलैंड के रेल नेटवर्क के बराबर रेलवे ट्रैक जोड़ रहा है। करीब 7 हजार कोच हर साल बन रहे हैं। नेटवर्क की क्षमता बढ़ाने पर बहुत फोकस है। आगामी 10 साल में रेलवे का आमूलचूल बदलाव हो जाएगा।

तीन बांग्लादेशी पत्रकारों समेत चार लोग भारत में घुसने की कोशिश में हिरासत में

ढाका, 16 सितंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश के पत्रकार मोजम्मिल बाबू और श्यामल दत्ता समेत चार लोगों को मैमनसिंह में धोबौरा सीमा से अवैध रूप से भारत में प्रवेश करने के प्रयास में हिरासत में लिया गया है।

मीडिया रिपोर्टों में सोमवार को यह जानकारी दी गयी। स्थानीय अखबार द डेली स्टार ने धोबौरा थाने के प्रभारी अधिकारी मोहम्मद चान मिया के हवाले से बताया कि स्थानीय लोगों ने सुबह धोबौरा-पुरबधाला सीमा क्षेत्र से चार लो-गों और एक निजी कार को पकड़ लिया। रिपोर्ट के अनुसार श्री बाबू एकटोर टीवी के प्रबंध निदेशक एवं प्रधान संपादक हैं और श्री दत्ता जटिया प्रेस क्लब के पूर्व महासचिव हैं। हिरासत में लिए गए अन्य लोगों में एकटोर टेलीविजन के वरिष्ठ रिपोर्टर महबूबुर रहमान और निजी कार चालक सलीम शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि चारों फ़िलहाल हिरासत में हैं।

चीन में बढ़ी मांग के कारण पाकिस्तानी गधों की कीमतों में आया उछाल

इस्लामाबाद, 16 सितंबर (एजेंसियां)। चीन से बढ़ती मांग के कारण पाकिस्तान में गधों की कीमतें बढ़कर तीन लाख पाकिस्तानी रुपए प्रति गधा हो गई है।

सोमवार को मीडिया रिपोर्टों में यह जानकारी दी गई। चीन में गधे की खाल का इस्तेमाल सौंदर्य प्रसाधन और दवा उत्प-ादन में किया जाता है।

कीमतों में अचानक वृद्धि के कारण कराची के लोकप्रिय लेहारी गधा बाजार जैसे बाजारों में स्थानीय खरीदारों की संख्या में उल्लेखनीय कमी आई है। बाजार में कीमतों में बढ़ोतरी का मुख्य कारण चीन में गधे की खाल की बढ़ती मांग को माना जा रहा है। एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, गधे की खाल का इस्तेमाल कई तरह के सौंदर्य प्रसाधनों में किया जाता है और इन खालों से ई जिया नामक एक पारंपरिक चीनी दवा भी बनाई जाती है। चीन में मांग में वृद्धि ने गधों को आकर्षक वस्तु बना दिया है, खासकर उन लोगों के लिए जो चीनी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए खाल का निर्यात करना चाहते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि बढ़ती कीमतों के कारण स्थानीय ग्राहकों के लिए गधे खरीदना मुश्किल होता जा रहा है, जिसके परिणामस्वरूप उन बाजारों में खरीदार कम हो गए हैं, जहां कभी स्थानीय व्यवसायों की ओर से उच्च मांग थी।

बढ़ती लागत सौंदर्य प्रसाधनों और फ़ार्मास्यूटिकल्स में प्राकृतिक संसाधनों की वैश्विक मांग को दर्शाती है, जिसका असर पाकिस्तान के घरेलू बाजारों पर भी पड़ा है। इस मांग में कमी आने के कोई संकेत नहीं होने के कारण, कीमतें ऊंची रहने की उम्मीद है। रिपोर्ट के अनुसार, जून 2023 में पाकिस्तान ने मवेशियों, डेयरी उत्पादों और मिर्च जैसे अन्य सामानों के साथ-साथ चीन को गधे की खाल के निर्यात को मंजूरी दी थी।

जदयू को प्रखंड स्तर तक धारदार बनाने के लिए कार्यकर्ताओं को अभी से जुटना होगा : संजय

पटना, 16 सितंबर (एजेंसियां)। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद संजय झा ने सोमवार को कहा कि प्रखंड स्तर तक संगठन को और धारदार बनाने के लिए कार्यकर्ताओं को अभी से ही जुट जाना है।

श्री झा ने सोमवार को यहां पार्टी के प्रदेश कार्यालय में वरिष्ठ नेताओं की बैठक को लेकर कहा कि पार्टी का जो काम है उसे आगे कैसे करना है इस पर विस्तार से चर्चा की गई है। मुख्यमंत्री एवं पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार के विचारों को जनता तक ले जाना है और आगे जिला और प्रखंड स्तर पर जो कार्यक्रम होना है उसे लेकर चर्चा हुई है। जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष ने विधानसभा चुनाव समय से पहले कराए जाने पर कहा कि पार्टी जब चलती है तो संगठन का काम होता रहता है और बैठक होती रहती हैं। अगले साल चुनाव है सर्वाधिक तौर पर आगे की रणनीति बनती रहती है। आगे पार्टी ने कई कार्यक्रम बनाया है उसको लेकर आज चर्चा हुई है। नेता और कार्यकर्ताओं से भी फ़ीडबैक लिया गया है। श्री झा ने कहा कि मुंबई में हुई इंडिया की बैठक में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सबसे पहले देश में जातीय गणना कराने का प्रस्ताव रखा था लेकिन कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस सभी ने इस पर चुप्पी साध ली। आज वह लोग जातीय गणना की बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बिहार इकलौता ऐसा राज्य है, जहां जातीय गणना कराई गई और उसकी रिपोर्ट सार्वजनिक भी गई। यहां तक उसे लागू भी किया गया। अगर इसमें आगे कुछ होता है तो यह अच्छी बात है।

पहली अक्टूबर से शुरू होगी मोटे अनाज की खरीद

मक्का 2225, बाजरा 2625, ज्वार (हाइब्रिड) 3371, ज्वार (मालवांडी) की एमएसपी 3421 रुपए प्रति क्विंटल तय

लखनऊ, 16 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार ने वर्ष 2024-25 के लिए मोटे अनाजों की खरीद का फैसला किया है। यह खरीद पहली अक्टूबर से प्रारंभ होगी और 31 दिसंबर तक चलेगी। मोटे अनाज में शामिल मक्का, बाजरा और ज्वार की खरीद के लिए किसानों का पंजीकरण और नवीनीकरण चल रहा है। खाद्य एवं रसद विभाग के मुताबिक इसके लिए किसानों को निर्धारित वेबसाइट या ऐप पर पंजीकरण/नवीनीकरण कराना अनिवार्य है। खरीद पंजीकृत किसानों से ही की जाएगी। इसके लिए किसान सरकार के टोल फ्री नंबर 18001800150 से मदद ले सकते हैं।

इसके अलावा किसान जिला खाद्य विपणन अधिकारी, क्षेत्रीय विपणन अधिकारी, विपणन निरीक्षक से भी संपर्क साध सकते हैं। किसानों को जिस बैंक खाते में भुगतान होगा, उसका आधार से जुड़ा होना आवश्यक है। भुगतान सीधे किसानों के बैंक खाते में किया जाएगा। वहीं बिचौलियों को रोकने व पारदर्शिता बरतते हुए क्रय केंद्रों पर मोटे अनाज की खरीद ई-पॉप (इलेक्ट्रॉनिक प्वॉइंट ऑफ परचेज) डिवाइस के माध्यम से पहले की भांति किसानों का बायोमीट्रिक सत्यापन के जरिए ही होगी।

श्रीअन्न को बढ़ावा देने के साथ ही सरकार ने इसका न्यूनतम समर्थन मूल्य भी बढ़ाया है। मक्का का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2225 रुपए प्रति क्विंटल, बाजरा का 2625 रुपए प्रति क्विंटल, ज्वार (हाइब्रिड) का 3371 और ज्वार (मालवांडी) का 3421 रुपए प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। खरीद के निर्धारित कार्यक्रम के मुताबिक यूपी के बदायूं, बुलंदशहर, अलीगढ़, एटा, कासगंज, फिरोजाबाद, मैनपुरी, हरदोई, उन्नाव, कानपुर नगर-देहात, कन्नौज, इटावा, बहराइच, बलिया, फर्रुखाबाद, मिर्जापुर, सोनभद्र और ललितपुर में मक्का की खरीद की जाएगी।

शुभ लाभ

राजीव गांधी की प्रतिमा लगाने पर केटीआर ने कांग्रेस पर बोला हमला, कहा

कांग्रेस ने तेलंगाना के स्वाभिमान का किया अपमान

हैदराबाद, 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष कलवकुंतला तारक रामा राव (केटीआर) ने कांग्रेस सरकार के उस फैसले पर कड़ी नाराजगी जताई है, जिसमें तेलंगाना तल्ली (मां तेलंगाना) की प्रतिमा की जगह पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की प्रतिमा लगाने का फैसला किया गया है। यह मूर्ति राज्य सचिवालय और तेलंगाना शहीद स्मारक के बीच लगाई जानी थी। उन्होंने कांग्रेस पर तेलंगाना की पहचान और इतिहास का अनादर करने का आरोप लगाया और इसे लोगों और राज्य के लिए उनके संघर्ष का सीधा अपमान बताया।

केटीआर ने सोमवार को एक बयान में इस कदम की निंदा करते हुए इसे तेलंगाना की पहचान को कमजोर करने वाला शर्मनाक कृत्य बताया। उन्होंने बीआरएस समर्थकों से मंगलवार को राज्य भर में स्थित सभी तेलंगाना तल्ली की प्रतिमाओं पर पलाभिषेक (पारंपरिक अनुष्ठान) करके विरोध जताने का आह्वान किया। उन्होंने बीआरएस कार्यकर्ताओं और तेलंगाना समर्थकों से इस फैसले के खिलाफ अपनी असहमति जताने का आग्रह किया। उनका मानना है कि यह तेलंगाना तल्ली के प्रतीकवाद का अपमान करता है।

केटीआर ने कहा कि तेलंगाना तल्ली के लिए बने स्थान पर श्री गांधी की प्रतिमा लगाने से पूरा तेलंगाना समाज बहुत आहत है। उन्होंने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से इस गलती को तुरंत सुधारने का आग्रह किया और चेतावनी दी कि अगर इसे ठीक नहीं किया गया तो तेलंगाना के लोग इसका उचित जवाब देंगे। उन्होंने कहा चार करोड़ लोगों की आकांक्षाओं का प्रतीक तेलंगाना तल्ली की प्रतिमा को मूल रूप से तेलंगाना शहीद स्मारक अमरज्योति और तेलंगाना राज्य सचिवालय के पास लगाने की योजना थी। हालांकि, केटीआर ने कहा कि कांग्रेस जो स्वार्थी राजनीति के लिए जानी जाती है, उसने इतने महत्वपूर्ण स्थान पर राजीव गांधी की प्रतिमा स्थापित करने का फैसला किया। उन्होंने कहा, वहां राहुल गांधी के पिता की प्रतिमा लगाकर कांग्रेस ने तेलंगाना के स्वाभिमान का अपमान किया है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि बीआरएस को श्री गांधी की प्रतिमा स्थापित करने पर कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन वे तेलंगाना तल्ली के लिए निर्धारित स्थान पर इसकी स्थापना का विरोध करते हैं। उन्होंने याद दिलाया कि मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव (केसीआर) ने जुलाई 2023 में तेलंगाना तल्ली प्रतिमा के लिए इस स्थान का चयन किया था, जिसे तेलंगाना के लोगों ने व्यापक रूप से स्वीकार किया था। उन्होंने आश्वासन दिया कि बीआरएस के सत्ता में लौटने पर श्री गांधी की प्रतिमा को पूरे सम्मान के साथ गांधी भवन में स्थानांतरित किया जाएगा और तेलंगाना तल्ली की प्रतिमा को उसके सही स्थान पर स्थापित किया जाएगा। केटीआर ने दोहराया कि बीआरएस लंबे समय से कांग्रेस द्वारा दिल्ली के नेताओं की स्वीकृति के लिए तेलंगाना के स्वाभिमान से समझौता करने के बारे में चेतावनी देती रही है। उन्होंने निराशा व्यक्त की कि श्री रेड्डी तेलंगाना के लोगों की भावनाओं पर दिल्ली के आकाओं की इच्छाओं को प्राथमिकता दे रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि जो लोग राजनीतिक लाभ के लिए तेलंगाना की पहचान से समझौता करेंगे, उन्हें राजनीतिक नतीजे भुगतने पडेंगे। उन्होंने कहा कि बीआरएस एकमात्र ऐसी पार्टी है जो तेलंगाना की पहचान और हितों के लिए लड़ने की बाबत प्रतिबद्ध है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पार्टी लोगों के कल्याण के लिए खड़ी है, न कि दिल्ली के आकाओं की मंजूरी के लिए। उन्होंने आश्वासन दिया कि बीआरएस तेलंगाना के हितों की रक्षा करने वाली ढाल बनी रहेगी।

सीएम रेंवत ने सचिवालय में राजीव गांधी की प्रतिमा का अनावरण किया

हैदराबाद, 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने सोमवार शाम राज्य सचिवालय में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की प्रतिमा का अनावरण किया। समारोह में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि यह कार्यक्रम एक राजनीतिक मंच नहीं था, लेकिन उन्होंने इस अवसर का उपयोग चल रहे विवादों और आलोचनाओं को संबोधित करने के लिए किया।

अपने भाषण के दौरान रेड्डी ने कांग्रेस की आलोचना करने वालों पर निशाना साधा, खासकर जिसे उन्होंने वंशवादी राजनीति कहा। उन्होंने भारत की स्वतंत्रता और राष्ट्र-निर्माण के लिए नेहरू-गांधी परिवार द्वारा किए गए बलिदानों पर प्रकाश डाला और देश में उनके योगदान के लिए पंडित जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी जैसी हस्तियों की प्रशंसा की।रेड्डी ने कहा नेहरू की विरासत में 563 रियासतों का विलय और भारत की अखंडता को संरक्षित करना शामिल है, जबकि इंदिरा गांधी आज भी बैंकों के राष्ट्रीयकरण, भूमि के पुनर्वितरण और शाही विशेषाधिकारों को समाप्त करने के लिए गरीबों द्वारा पूजनीय हैं। राजीव गांधी, जिन्होंने एक महत्वपूर्ण समय में प्रधान मंत्री के रूप में कार्यभार संभाला, ने 18 साल के युवाओं को मतदान का अधिकार दिया, स्थानीय शासन को सशक्त बनाने के लिए संवैधानिक संशोधनों की शुरुआत की और एक तकनीकी क्रांति लाई।

विपक्ष की तीखी आलोचना करते हुए उन्होंने टिप्पणी की, जिन लोगों ने पांच साल में एक महिला को कैबिनेट सीट तक नहीं दी, उन्हें महिलाओं के आत्मसम्मान की कोई समझ नहीं है। राजीव गांधी की नीतियों ने महिलाओं को सशक्त बनाया, उन्हें स्थानीय संस्थानों में प्रतिनिधित्व दिया। मुख्यमंत्री ने प्रतिमा की स्थापना को लेकर विशेष रूप से भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) नेताओं की आलोचना को भी संबोधित किया। रेड्डी ने आश्वासन दिया कि 9 दिसंबर तक सचिवालय में तेलंगाना तल्ली (तेलंगाना मां) की एक प्रतिमा स्थापित की जाएगी, साथ ही चेतावनी दी कि राजीव गांधी की विरासत का विरोध करने वालों को राजनीतिक परिणाम भुगतने होंगे। रेड्डी ने अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने राज्य के वास्तविक हितों की उपेक्षा करते हुए व्यक्तिगत संपत्ति अर्जित करने में सत्ता में दस साल बिताए हैं। उन्होंने तेलंगाना के लोगों से सतर्क रहने और उन लोगों को राज्य का शोषण करने से रोकने का आग्रह किया, जिन्हें वे टिड्डी सेना कहते हैं।

नागपुर-सिकंदराबाद वंदे भारत एक्सप्रेस के सिकंदराबाद स्टेशन पहुंचने पर हुआ भव्य स्वागत

तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा, जी. किशन रेड्डी, केंद्रीय मंत्री, कोमाटि रेड्डी वेंकटरेड्डी, सड़क एवं भवन मंत्री तेलंगाना और अन्य गणमान्य व्यक्ति इस अवसर पर उपस्थित रहे

हैदराबाद, 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार 16 सितंबर को अहमदाबाद से रिमोट वीडियो लिंक के माध्यम से नागपुर-सिकंदराबाद वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई। प्रधानमंत्री ने विभिन्न गंतव्यों के लिए कुल छह वंदे भारत ट्रेनों और एक नमो भारत रैपिड रेल को हरी झंडी दिखाई।

तदनुसार, नागपुर स्टेशन से आने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस के स्वागत के लिए सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर एक औपचारिक समारोह आयोजित किया गया था। जिसमें तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा, जी. किशन रेड्डी, केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री, कोमाटि रेड्डी वेंकटरेड्डी, सड़क और भवन मंत्री, तेलंगाना और अन्य गणमान्य व्यक्ति सिकंदराबाद स्टेशन पर इस अवसर पर उपस्थित थे। अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, एससीआर, भारतेश कुमार जैन, मंडल रेल प्रबंधक, सिकंदराबाद मंडल और वरिष्ठ रेलवे अधिकारी भी उपस्थित थे।

सभा को संबोधित करते हुए, जिष्णु देव वर्मा, राज्यपाल, तेलंगाना ने कहा कि आज रेल बुनियादी ढांचे के विकास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है क्योंकि तेलंगाना राज्य को महाराष्ट्र से जोड़ने वाली पहली वंदे भारत ट्रेन शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि नागपुर-सिकंदराबाद वंदे भारत यात्रियों के लिए तेज़ और आरामदायक यात्रा अनुभव सुनिश्चित करते हुए दोनों राज्यों के बीच कनेक्टिविटी को बढ़ाएगी। उन्होंने कहा कि यात्रियों की यात्रा को और अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए ट्रेन उन्नत सुरक्षा मानकों, सीसीटीवी कैमरों और आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है। राज्यपाल ने कहा कि हाल के वर्षों में, तेलंगाना राज्य ने रेल बुनियादी ढांचे के विकास में एक आदर्श बदलाव देखा है।

उन्होंने कहा कि राज्य को करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है। चालू वित्तीय वर्ष (2024-25) के लिए 5,336 करोड़ रुपये है जो वर्ष 2014-15 की तुलना में 20 गुना अधिक है। इसके अलावा, राज्यपाल ने कहा कि भारतीय रेलवे ने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत तेलंगाना राज्य में 40 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास किया है। उन्होंने कहा कि इससे न केवल स्टेशनों को सौंदर्यपूर्ण स्वरूप मिलेगा बल्कि आधुनिक यात्री सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी। इस अवसर पर बोलते हुए, केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने प्रसन्नता व्यक्त की कि तेलंगाना और महाराष्ट्र राज्यों को जोड़ने वाली पहली वंदे भारत ट्रेन को आज प्रधान मंत्री द्वारा हरी झंडी दिखाई गई है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना क्षेत्र में यह 5वीं वंदे भारत ट्रेन है। उन्होंने कहा कि नागपुर-सिकंदराबाद वंदे भारत एक्सप्रेस से दोनों राज्यों के बीच व्यापार और पर्यटन में सुधार होगा। उन्होंने कहा कि यह ट्रेन उत्तरी तेलंगाना क्षेत्र के लोगों को नागपुर या सिकंदराबाद की ओर आसानी से यात्रा करने की सुविधा भी प्रदान करेगी।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 720 करोड़ की लागत से रुपये की लागत से सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास किया जा रहा है।

काम तेजी से चल रहा है। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि चेरलापल्ली रेलवे टर्मिनल को लगभग 415 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया गया है। और काम पूरा होने वाला है। उन्होंने यह भी कहा कि काजीपेट में रेलवे विनिर्माण इकाई का काम लगभग 500 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना राज्य में चल रही रेलवे परियोजनाओं की कुल लागत 32,946 करोड़ है। उन्होंने कहा, चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए तेलंगाना को 5,336 करोड़ रुपये का ऐतिहासिक बजट आवंटित किया गया है। तेलंगाना के सड़क एवं भवन मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकटरेड्डी ने कहा कि आज तेलंगाना क्षेत्र ने नवीन सुविधाओं और अत्याधुनिक तकनीक के साथ एक और वंदे भारत ट्रेन का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि सिकंदराबाद-नागपुर वंदे भारत ट्रेन से न केवल जुड़वां शहरों के लोगों को बल्कि रामागुंडम और काजीपेट के यात्रियों को भी फायदा होगा। उन्होंने कहा कि आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित पूरी तरह से एसी ट्रेन यात्रियों के लिए एक शानदार और आरामदायक यात्रा अनुभव सुनिश्चित करेगी। उन्होंने कहा, वंदे भारत ट्रेन विशेष रूप से लगातार यात्रा करने वाले यात्रियों, आईटी पेशेवरों, व्यापारियों, व्यापारियों और पर्यटकों के लिए उपयोगी होगी। उन्होंने कहा कि यह तेलंगाना क्षेत्र के लिए 20 कोच वाली पहली वंदे भारत ट्रेन भी है। उन्होंने कहा कि यह ट्रेन नागपुर, सेवाग्राम, चंद्रपुर, बल्हारशाह, रामागुंडम और काजीपेट और सिकंदराबाद के लोगों के लिए फायदेमंद होगी। उन्होंने कहा कि इस दिशा में अन्य ट्रेनों की तुलना में यह इस मार्ग पर सबसे तेज़ ट्रेन है और इसमें यात्रा का समय सबसे कम है।

हैदराबाद में गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन की तैयारियां पूरी : प्रभाकर

हैदराबाद, 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने सोमवार को कहा कि हैदराबाद और सिकंदराबाद शहरों में मंगलवार को गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन की सभी व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं।

श्री प्रभाकर ने आज खैरताबाद महागणपति स्थल का दौरा कर विसर्जन की तैयारियों का निरीक्षण किया। इस मौके पर उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि पहली बार मंडपों को मुफ्त बिजली उपलब्ध कराई गई है। पूजा कार्यक्रम शांतिपूर्ण और भक्ति के साथ आयोजित किए गए हैं। भक्तों से शांतिपूर्वक उत्सव मनाने का आग्रह किया गया है, क्योंकि विसर्जन या निमज्जनम कल के लिए निर्धारित है।उन्होंने कहा कि हैदराबाद में मोबाइल सहित 360 क्रेनें लगाई गई हैं तथा निर्दिष्ट क्षेत्रों में इस प्रक्रिया का प्रबंधन करने के लिए विशेष अधिकारी नियुक्त किए गये हैं। श्री प्रभाकर ने लोगों से किसी भी समस्या की सूचना अधिकारियों को देने के लिये कहा। खैरताबाद में 70 फुट ऊंची भगवान गणेश की प्रतिमा की शोभायात्रा मंगलवार सुबह शुरू होगी और दोपहर तक इसे हुसैन सागर के पानी में विसर्जित कर दिया जाएगा।

मशहूर हस्तियों और उद्योगपतियों ने बाढ़ पीड़ितों की सहायता के लिए सीएमआरएफ में दिया योगदान

हैदराबाद, 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना फिल्म उद्योग की मशहूर हस्तियों और उद्योगपतियों ने राज्य में हाल ही में आई बाढ़ से प्रभावित लोगों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष (सीएमआरएफ) में भरपूर दान दिया है।मेगास्टार चिरंजीवी ने सीएमआरएफ को 50 लाख रुपए का दान दिया और अपने पुत्र राम चरण की ओर से 50 लाख रुपए का योगदान दिया। पूर्व मंत्री गल्ला अरुणाकुमारी ने एक करोड़ रुपए का दान दिया तथा फिल्म अभिनेता अली ने तीन लाख रुपए का योगदान दिया। अभिनेता विश्वक सेन ने भी सीएमआरएफ को 10 लाख रुपए का दान दिया। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मशहूर हस्तियों ने सोमवार को मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को यहां जुबली हिल्स स्थित उनके आवास पर दान के चेक प्रदान किए।

गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान डीजे बजाने को लेकर विकाराबाद में तनाव

हैदराबाद, 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। रविवार रात विकाराबाद जिले के पुदुर मंडल में उस समय हल्का तनाव उत्पन्न हो गया जब पुलिस ने गणेश प्रतिमा विसर्जन जुलूस के दौरान डीजे बजाने पर आपत्ति जताई।पुलिस के अनुसार, युवाओं के एक समूह ने जुलूस निकाला और डीजे संगीत बजा रहे थे, तभी स्थानीय उप निरीक्षक मधुसूदन रेड्डी वहां पहुंचे और संगीत बंद कर दिया। उन्होंने युवाओं से जुलूस तेजी से निकालने को कहा। डीजे सिस्टम बजाने को लेकर सब इंस्पेक्टर और स्थानीय युवकों के बीच बहस हो गई। सूचना पर पारगी सीआई श्रीनिवास राव मौके पर पहुंचे और युवाओं को शांत किया। इसके बाद उन्होंने गणेश प्रतिमा को अपने वाहन में विसर्जन स्थल पर स्थानांतरित कर दिया। स्थानीय ग्रामीणों और युवाओं ने शिकायत की कि सब इंस्पेक्टर नशे की हालत में था और उसने प्रतिमा को नुकसान पहुंचाया है।

आंध्र प्रदेश में पटाखा बनाने वाली इकाई में विस्फोट, 14 लोग घायल

अमलापुरम, 16 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्र प्रदेश में कोनासीमा जिले के रावुलाचेरुवु में पटाखा बनाने वाली इकाई में सोमवार को हुए विस्फोट में कम से कम 14 लोग घायल हो गए, जिनमें से पांच की हालत गंभीर है। पुलिस ने कहा कि जब एक घर में पटाखे बनाए जा रहे थे, तो एक जोरदार विस्फोट हुआ, जिसमें पटाखा इकाई के कर्मचारियों और कुछ पड़ोसियों सहित 14 लोग घायल हो गए। उन्हें सरकारी सामान्य अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां पांच घायलों की हालत गंभीर बताई गई है। गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों को बाद में बेहतर इलाज के लिए किम्स अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया।घायलों में पटाखा इकाई के मालिक गुव्वाला नागेश्वर राव और उनके परिवार के दो सदस्य शामिल हैं। दो मंजिला इमारत, जिसमें भारी मात्रा में पटाखे बनाए जा रहे थे, विस्फोट के प्रभाव से ढह गई।

पुलिस ने कहा कि विस्फोट में पटाखा इकाई के आठ कर्मचारी घायल हो गए और उन्हें मलबे से निकाल लिया गया। विस्फोट में दो मंजिला इमारत के बगल में स्थित दो घर भी क्षतिग्रस्त हो गए। पड़ोसियों ने मीडिया को बताया कि आगामी दीपावली त्योहार के लिए पटाखे बनाने के लिए इमारत में भारी मात्रा में विस्फोटक पदार्थ जमा किया गया था। मलबे को हटाने और मलबे में फंसे किसी व्यक्ति का पता लगाने के लिए एक उद्धोषक का उपयोग किया गया। कोनसीमा के एसपी कृष्ण राव और अमलापुरम के विधायक ए आनंद राव ने इलाके का दौरा किया। स्थानीय निवासियों ने मीडिया को बताया कि उन्होंने पटाखा इकाई के मालिकों गुव्वाला नागेश्वर राव से आवासीय क्षेत्र में पटाखा बनाने की इकाई नहीं चलाने का आग्रह किया, लेकिन उन्होंने उनकी मांग पर ध्यान नहीं दिया क्योंकि उन्हें राजनीतिक नेताओं और अधिकारियों का संरक्षण प्राप्त था।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.